सेंसेक्स	80,891.02
निफ्टी	24,680.90
सोना	99,930
चांदी	1,16,000
डॉलर	86.79

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

बालाघाट
मंगलवार 29 जुलाई 2025
श्रावण शुक्ल 04 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 304
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

E-mail: balaghatexpress@gmail.com

/padmeshmedia /padmeshmedia

epaper.balaghatexpress.in

खास खबर

सेमी कंडक्टर चिप्स का निर्माण पूरा

मोहाली,। सेमीकंडक्टर लैब (एससीएल) ने 20 सेमी कंडक्टर चिप्स का निर्माण पूरा कर लिया है, जिन्हें जम्मू और इंदौर स्थित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों समेत 17 भारतीय इंजीनियरिंग संस्थानों के छात्रों ने डिजाइन किया है। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया कि ये चिप्स अब टेप-आउट यानी निर्माण प्रक्रिया के लिए तैयार हैं और जल्द ही इनका परीक्षण किया जाएगा। सूत्रों ने बताया कि इनके अलावा, भारत में छात्रों द्वारा डिजाइन की गई 36 अन्य चिप एससीएल में निर्माण के कई चरणों में हैं और अगले छह महीनों में इनके टेप-आउट के लिए तैयार होने की संभावना है। एससीएल मोहाली ने 2024 के अंत में चिप डिजाइन स्टार्टअप्स के लिए संपूर्ण निर्माण, परीक्षण और पैकेजिंग सहायता मुहैया करानी शुरू कर दी थी।

1 अगस्त से लागू होंगे यूपीआई के नए नियम

नई दिल्ली। अगर आप यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस यानी यूपीआई ऐप से बार-बार बैलेंस चेक करते हैं तो 1 अगस्त से ऐसा करने में आपको परेशानी हो सकती है। 1 अगस्त से आप एक दिन में 50 बार से ज्यादा बार यूपीआई ऐप के जरिए बैलेंस चेक नहीं कर सकेंगे। ये बदलाव यूजर्स, बैंकों और मर्चेंट्स, सभी के लिए हैं। अब ऑटो-पे (जैसे ईएमआई, सब्सक्रिप्शन या बिल पेमेंट) अब दिन में किसी भी समय नहीं, बल्कि तय समय स्लॉट्स में होंगे। अगर कोई पेमेंट अटक जाता है तो आप उसका स्टेटस सिर्फ 3 बार चेक कर सकते हैं, वो भी हर बार 90 सेकेंड के गैप के साथ। एनपीसीआई का कहना है कि यूपीआई सिस्टम पर बहुत ज्यादा लोड पड़ रहा है, खासकर पीक ऑवर्स (सुबह 10 से दोपहर 1 बजे और शाम 5 से रात 9:30 बजे) में। बार-बार बैलेंस चेक करना या ट्रांजैक्शन स्टेटस चेक करने से सिस्टम स्लो हो जाता है।

महुआ मोइत्रा मामले में सीबीआई ने लोकपाल को सौंपी रिपोर्ट

नई दिल्ली। सीबीआई ने लोकसभा में टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा और कारोबारी दर्शन हीरानंदानी से जुड़े पैसे लेकर संसद में सवाल पूछने (कैश फॉर क्वेरी) के कथित मामले में लोकपाल को अपनी रिपोर्ट सौंप दी है। प्रशासनिक अधिकारियों ने इसकी जानकारी देकर बताया कि सीबीआई ने लोकपाल की सिफारिश पर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के प्रावधानों के तहत बीते साल 21 मार्च को महुआ और हीरानंदानी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। महुआ पर भ्रष्ट आचरण में लिप्त होने और हीरानंदानी से रिश्वत व अन्य अनुचित लाभ लेकर 'अपने संसदीय विशेषाधिकारों से समझौता करने का आरोप है।

लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच जोरदार महाबहस...

भारत-पाक सीजफायर पर कांग्रेस ने सरकार को घेरा

राजनाथ बोले- हमने सीजफायर दबाव में नहीं किया...

गोगोई ने कहा-पीएम बताएं किसके सामने किया सरेंडर?

नई दिल्ली। लोकसभा में सोमवार को ऑपरेशन सिंदूर पर बहस हुई। बहस की शुरूआत करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ ने बताया कि हमने आतंकियों को उनके घर में घुसकर मारा। सेना ने आतंकियों से हमारी माताओं-बहनों के सिंदूर का बदला लिया। उन्होंने 55 मिनट के भाषण में कहा कि हमारा मकसद आतंकी ठिकाने तबाह करना था और सेनाओं ने अपना लक्ष्य हासिल किया। हमने पाकिस्तान से सीजफायर दबाव में नहीं किया। भारतीय जेट तबाह होने पर राजनाथ ने कहा कि परीक्षा में रिजल्ट की अहमियत होती है। कितनी पेंसिल टूटीं या पेन गुमे, यह बेमानी है। इसके बाद कांग्रेस के गौरव गोगोई ने कहा कि हम सवाल पूछेंगे, देशहित में देश जानना चाहता है कि पांच दहशतगर्द कैसे घुसे। उनका क्या मकसद था। राजनाथ सिंह ने कहा कि हमारा मकसद युद्ध नहीं था। पूछना चाहता हूं, क्यों नहीं था। होना चाहिए। हमारा मकसद जमीन लेना नहीं था। क्यों नहीं था। पीओके आज नहीं लेंगे तो कब लेंगे। इससे पहले विपक्ष ने बिहार वोटर वेरिफिकेशन से जुड़े स्पेशल इंटेसिव रिवीजन मुद्दे पर हंगामा किया। सदन को तीन बार स्थगित किया गया था। दोपहर 2:05 मिनट पर ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा शुरू हो पाई।

राजनाथ ने कहा कि पिछली सरकारों ने 2016 की उरी स्ट्राइक, 2019 की बालाकोट स्ट्राइक जैसे कदम उठाए होते स्थितियां दूसरी होतीं। मैं उस समय की सरकार या पीएम की आलोचना नहीं करना चाहता। आज का भारत अलग तरह से सोचता और काम करता है। अगर कोई बातचीत की भाषा नहीं समझता तो डिसाइसिव एक्शन लेने पड़ते हैं। आज भारत जवाब देता है। आज भारत आतंक की जड़ तक जाता है और उसे खत्म करने का माद्दा रखता है। देश की सुरक्षा के लिए जो भी कदम उठाने पड़ें, हम उठाएंगे। हमें याद रखना होगा कि हमारी एकता ही सबसे बड़ी ताकत है। संदेश चला गया है कि भारत अपनी मातृभूमि की रक्षा के लिए संकल्पित है।

राजनाथ बोले- जरूरत पड़ी तो घर में घुसकर मारेंगे

हमारी सरकार ने आतंकवाद पर जीरो टॉलरेंस की नीति पर कोई समझौता नहीं करेंगे। एक इंटरनेशनल मीटिंग में आतंकवाद के मसले पर

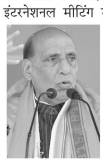

जॉइंट स्टेटमेंट डाइल्यूट हो रहा था, हमने साफ किया कि जब तक इस पर मजबूती से बात नहीं रखी जाती, जॉइंट स्टेटमेंट पर दस्तखत नहीं करेंगे। 2009 में मुंबई में जो हमला हुआ था, उस समय सरकार को जो करना चाहिए था, वह नहीं हुआ। जब केंद्र में मोदी जी के नेतृत्व में सरकार बनी, तब से परिस्थितियां बदलीं। हमने उरी में सर्जिकल स्ट्राइक की। हमने बता दिया कि जरूरत पड़ी तो घर में घुसकर मारेंगे।

ऑपरेशन सिंदूर रुका है, खत्म नहीं हुआ

ऑपरेशन सिंदूर को लेकर सर्वदलीय बैठक भी हुई थी। इसको लेकर मैं सभी दलों को धन्यवाद देता हूं। यही देश के लोकतंत्र की खूबसूरती है। जैसा की मोदी जी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर रुका है, खत्म नहीं हुआ। अगर पाकिस्तान ने कोई कार्रवाई की तो भारत इसका जवाब देगा। हमने लक्ष्मण रेखा खींच ली है। आतंकियों को शरण देने वालों पर कड़ी कार्रवाई होगी। हमारा पाकिस्तान के साथ कोई सभ्यता संघर्ष नहीं है। यह बर्बरता का संघर्ष है। वे आतंकियों को ट्रेनिंग देते हैं और दुनिया के सामने खुद को निर्दोष बताते हैं। भारत ने ऑपरेशन सिंदूर से दिखा दिया है कि हम आतंकवाद को जड़ से खत्म करने का संकल्प ले चुके हैं। 2009 में सरकार ने एक बड़ी भूल की। तब पाकिस्तान को आतंकवाद के लिए अपनी सरजमीन का इस्तेमाल न करने की शर्त को डाइल्यूट किया गया। यह रणनीतिक भूल थी।

रक्षा मंत्री ने यह नहीं बताया, आतंकी कैसे आए

कांग्रेस सांसद गौरव गगोई ने कहा- इस चर्चा की विशेष मांग यह है कि सच्चाई सदन में आनी चाहिए। पहलगाम हमले, आपरेशन सिंदूर और विदेश नीति की सच्चाई सामने आनी चाहिए।

राजनाथ सिंह ने बहुत सी जानकारी दी, लेकिन उन्होंने रक्षा मंत्री होने के नाते ये नहीं बताया कि पहलगाम में आतंकी कैसे आए। कैसे 5 दहशतगर्दों ने 26 पर्यटकों को छलनी कर दिया, ये राजनाथ सिंह ने नहीं बताया। विपक्ष का कर्तव्य है कि हम देश हित में सवाल पूछेंगे। देश जानना चाहता है कि 5 आतंकी देश में कैसे घुसे। पाकिस्तान से आए दहशतगर्दों का क्या मकसद था। वे भारत में सांप्रदायिक तनाव को जन्म देना चाहते थे।

पाकिस्तान को उसकी भाषा में समझाया

हमारी नीति स्पष्ट है। हमने लाहौर बस यात्रा की थी, लेकिन पाकिस्तान इस भाषा को नहीं समझा, अब हमने उन्हें बालाकोट स्ट्राइक की भाषा समझाई। जब हमने तीनों सेनाध्यक्षों से पाकिस्तान पर कार्रवाई के पूछा तो उन्होंने हां बोलने में क्षणभर की देर नहीं लगाई। आतंकवाद को हर रूप में समाप्त करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। पाकिस्तान की सेना और आईएसआई प्रॉक्सी वॉर करती है। ये मोदी जी के नेतृत्व वाला भारत है जो किसी भी हद तक जा सकता है। हम शांति के प्रयास करना जानते हैं तो अशांति फैलाने के लिए हाथ उखाड़ना भी जानते हैं। हमने भगवान कृष्ण से सीखा है कि धर्म की रक्षा के लिए सुदर्शन चक्र उठाना पड़ता है। अब हमने सुदर्शन चक्र उठा लिया है। भगवान कृष्ण हमें धैर्य और शौर्य दोनों सिखाते हैं। राजनाथ ने कहा कि 2015 में मोदी जी ने पाकिस्तान जाकर दोस्ती की बात की। हमारी मूल प्रकृति बुद्ध की है, युद्ध की नहीं। अब हमारी सरकार की स्टैंड का एकदम साफ है कि टेररिज्म और बातचीत साथ नहीं चल सकते। एक ऐसा देश जहां लोकतंत्र का कतरा भी नहीं है, वहां धार्मिक उन्माद है, जहां गोलियों की आवाजें गूंजती हैं, उनके साथ बातचीत नहीं हो सकती। उनकी आतंकवाद की नर्सरी है। पाकिस्तान सरकार आतंकियों के लिए स्टेट फ्यूनरल का इंतजाम करती है। रक्षा मंत्री ने कहा कि चाहे लालबहादुर शास्त्री हों, चाहे अटल बिहारी वाजपेयी हों, मनमोहन सिंह हों या नरेंद्र मोदी, सभी ने भारत के लिए चिंता की। हमारे शांति के प्रयासों को गलत समझ लिया गया। जब शांति की राह पर थे, वे दुश्मनी की राह पर थे। उन्होंने परमाणु हमले की धमकी दे डाली थी। अटल जी ने कहा था- पाकिस्तान के परमाणु हमले से हमारा तो कुछ नहीं बिगड़ेगा, लेकिन पाकिस्तान दूसरे दिन का सूरज नहीं देख पाएगा।

राजनाथ बोले कि मैं करीब 40 साल से राजनीति में हूं। मैंने दलगत राजनीति को शत्रुतापूर्ण नजरिए से नहीं देखा। मैं विपक्ष से कहना चाहता हूं कि हम आज सत्ता में हैं तो हमेशा नहीं रहेंगे। कभी जनता ने हमें विपक्ष में रहने का दायित्व सौंपा था तो हमने इसे निभाया भी है। चीन के साथ युद्ध में दुखद परिणाम आया तो हमने पूछा कि दूसरे देश का हमारी जमीन पर कब्जा क्यों हुआ? हमारे सैनिक क्यों मारे गए? तब हमने मशीनों की चिंता न करके टेरिटरी की चिंता की। तब हमने सैन्य और राजनीतिक नेतृत्व की प्रशंसा की। अटल जी ने तब संसद में खड़े होकर नेतृत्व की प्रशंसा की थी। तब हमने ये नहीं पूछा कि भारत के कितने इक्विपमेंट्स नष्ट हुए।

चिदंबरम के बयान से हड़कंप कहा- पहलगाम हमले में पाकिस्तान का हाथ होने के सबूत नहीं

नई दिल्ली। देश के पूर्व गृह मंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम के एक बयान ने सियासी तूफान खड़ा कर दिया है। चिदंबरम ने एक इंटरव्यू में पहलगाम आतंकी हमले में पाकिस्तान की संलिप्तता पर सवाल उठाते हुए कहा कि इस बात का कोई सबूत नहीं है कि हमला करने वाले आतंकी पाकिस्तान से आए थे। उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा, 'वे (एनआईए) यह बताने को तैयार नहीं हैं कि इन हफ्तों में उन्होंने क्या किया है। क्या एनआईए ने आतंकवादियों की पहचान की है? या यह पता लगाया है कि वे कहां से आए थे? क्या पता, वे देश के ही आतंकवादी हों। आप यह क्यों मान रहे हैं कि वे पाकिस्तान से आए थे? इसका कोई सबूत नहीं है।

चिदंबरम का यह बयान 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम के बैसरण घाटी में हुए आतंकी हमले को लेकर, जिसमें आतंकियों ने 26 पर्यटकों का नरसंहार कर दिया था। मृतकों में ज्यादातर हिंदू पर्यटक थे। इस हमले की जिम्मेदारी शुरुआत में द रेसिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने ली थी, जो पाकिस्तान आधारित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) का एक मोर्चा माना जाता है। हालांकि बाद में टीआरएफ ने इससे इनकार कर दिया। भारतीय जांच एजेंसियों, विशेष रूप से राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने इस हमले के पीछे पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) और लश्कर की भूमिका की पुष्टि की है, जिसमें हमले को अंजाम देने वाले आतंकियों को पाकिस्तानी नागरिक बताया गया है।

भड़की भाजपा बोली- कांग्रेस ने पाकिस्तान को दी क्लीन चिट

चिदंबरम के इस बयान पर भाजपा ने तीखा हमला बोला है, और पार्टी के नेताओं ने कांग्रेस पर पाकिस्तान को 'क्लीन चिट' देने और राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे पर 'इस्लामाबाद के वकील' बनने का आरोप लगाया है। बीजेपी के आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'पी चिदंबरम, यूपीए-काल के पूर्व गृह मंत्री और कुख्यात 'भगवा आतंक' सिद्धांत के प्रणेता, ने एक बार फिर खुद को शर्मसार किया है। वे कहते हैं, 'क्या एनआईए ने आतंकवादियों की पहचान की या वे कहां से आए? क्या पता वे देश के ही आतंकवादी हों। आप क्यों मान रहे हैं कि वे पाकिस्तान से आए? इसका कोई सबूत नहीं है।' कांग्रेस एक बार फिर पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान को क्लीन चिट देने की जल्दबाजी में है। जब भी हमारी सेनाएं पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद का सामना करती हैं, कांग्रेस नेता भारत के विपक्ष से ज्यादा इस्लामाबाद के बचाव पक्ष के वकील नजर आते हैं। राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे पर कोई अस्पष्टता नहीं होनी चाहिए, लेकिन कांग्रेस हमेशा दुश्मन की रक्षा के लिए पीछे की ओर झुकती है।' उधर बीजेपी प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने भी एक्स पर तंज कसते हुए लिखा, 'ये रिश्ता क्या कहलाता है? कांग्रेस कहती है कि पहलगाम हमले के लिए पाकिस्तान को जिम्मेदार मत ठहराइए! कांग्रेस पाकिस्तानी आतंक का बचाव पाकिस्तान से भी बेहतर करती है!'

'ऑपरेशन महादेव' : पहलगाम आंतकी हमले के आरोपियों को सेना ने किया ढ़ेर

नई दिल्ली। श्रीनगर जिले के बाहरी इलाके में मौजूद लिदवास के जंगलों में सोमवार को सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच जबरदस्त मुठभेड़ हो गई। सेना ने कार्रवाई को 'ऑपरेशन महादेव' का नाम दिया है। सूत्रों के मुताबिक, सेना को लिदवास क्षेत्र के घने जंगलों में चार आतंकियों के छिपे होने की सूचना मिली थी। वहीं अब तक की कार्रवाई में तीन आतंकियों को मार गिराया गया है, जबकि एक अन्य की तलाश जारी है।

भारतीय सेना के चिनार कॉर्प्स ने ऑपरेशन महादेव की जानकारी देते हुए बताया कि भीषण मुठभेड़ में 3 आतंकियों को मार गिराया गया। सेना ने बताया कि ऑपरेशन महादेव अभी जारी है। मारे गए आतंकियों के पास भारी मात्रा में हैंड ग्रेनेड बरामद हुए हैं। बताया जा रहा हैं कि इन मारे गए आतंकियों का पहलगाम आतंकी हमले से कनेक्शन हो सकता है। दरअसल कुछ दिनों पहले ही नेशनल इन्वेस्टिगेटिंग एजेंसी (एनआईए) ने दो लोगों को गिरफ्तार किया था, इन दोनों लोगों से मिले इनपुट के बाद सेना ने ऑपरेशन महादेव किया था।

दरअसल सेना ने डाचीगांव इलाके में एक संदिग्ध आंतकी कम्युनिकेशन पकड़ा था। शक था कि इस कम्युनिकेशन डिवाइस का इस्तेमाल करने वाले का पहलगाम हमले से संबंध हो सकता है। इसके बाद सेना की कई टुकड़ियों को उस इलाके में तैनात किया गया और तब से वे इलाके में सर्च ऑपरेशन और निगरानी कर रही थीं सोमवार सुबह करीब 11:30 बजे 24 राष्ट्रीय राइफल्स और 4 पैरा की एक टीम ने आतंकियों के एक ग्रुप को घेरा। सेना से खुद को घिरा हुआ देखकर आतंकियों ने गोलीबारी कर दी, इसके बाद सेना की जवाबी फायरिंग में 3 आतंकी मारे गए। हालांकि अभी पक्के तौर पर यह नहीं कह सकते ये वहीं आंतकी हैं।

पहलगाम के बैसरण घाटी में 22 अप्रैल को आतंकियों ने हमला किया। इन आतंकियों ने पर्यटकों का धर्म पूछकर उन्हें गोली मार दी थी। हमले में 26 पर्यटकों की जान चली गई थी, जिसमें ज्यादातर हिंदू पर्यटक थे। इस हमले की जिम्मेदारी शुरुआत में द रेसिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने ली थी, जो पाकिस्तान आधारित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) का एक मोर्चा माना जाता है। हालांकि बाद में आंतकी संगठन हमले में हाथ से इंकार किया था।

नागपंचमी आज

जगह जगह होंगे विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन, भगवान शिव और नाग देवता की होगी विशेष पूजा अर्चना

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। मंगलवार को जिला मुख्यालय सहित अन्य तहसील व ग्रामीण अंचलों में नाग पंचमी का पर्व पूर्ण विधि-विधान व धार्मिक मान्यता के अनुसार मनाया जाएगा।भगवान भोलेनाथ के प्रमुख महा सावन के शुक्ल पक्ष की पंचमी को मनाए जाने वाले इस पर्व को लेकर जिले भर के तमाम शिव व नाग मंदिरों में व्यवस्थाएं पूर्ण कर ली गई है।जहां नाग पंचमी पर मंगलवार सुबह से लेकर देर शाम तक भगवान शिव और नाग देवता की विशेष पूजा-अर्चना होगी।वहीं जगह-जगह विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन कर श्रद्धालु भक्तगण नाग देवता और भगवान शिव से अपने अपने परिवार की सुख- समृद्धि, यश, शांति, कृति मनोबल, धन बल में वृद्धि,व निरोगी काया सहित अपनी अपनी मनोकामनाओं की मंगलकामनाएं करेंगे।

नाग देवता को समर्पित है नागपंचमी का दिन

नागपंचमी, का दिन मुख्यत: हिंदू धर्म में नाग देवता को समर्पित है।धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस दिन नाग देवता की पूजा अर्चना की जाती है।नागपंचमी का त्योहार हर साल सावन शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को मनाया जाता है। इस बार यह त्योहार 29 जुलाई दिन मंगलवार को मनाया जाएगा। कहा जाता हैं की अगर किसी की कुंडली में काल सर्प दोष है तो इस दिन किए गए उपाय से लाभ मिल सकता है।धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, जो व्यक्ति इस दिन विधि विधान से नाग देवता की पूजा करता है उसे भगवान शिव की कृपा प्राप्त होती है।साथ ही मनुष्य और उसके परिवार को नाग भय भी नहीं रहता है।पूजा के साथ साथ इस दिन कई लोग भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए व्रत भी करते हैं। इसके अलावा काल सर्प दोष से मुक्ति पाने के लिए नाग पंचमी का दिन सबसे उत्तम है।धर्म ग्रंथों में कहा गया है कि सर्प धन दायक होते हैं। इसलिए सर्प को मारना नहीं चाहिए बल्कि, उनकी पूजा करनी चाहिए।मान्यता है कि जहां सांप पूंछ पटकर चले जाता है वहां धन की कोई कमी नहीं होती है।

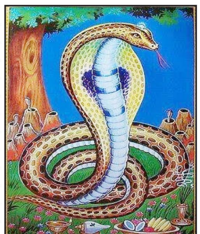

नागपंचमी का अपना विशेष महत्व है

ज्ञात हो कि नागपंचमी पर नागदेवता के दर्शन करना शुभ माना जाता है। कालसर्प दोष से मुक्ति पाने के लिये नागपंचमी का दिन सर्वोत्तम माना गया है।भगवान भोलेनाथ अपने गले में सर्पो को धारण करते है।जिससे नागपंचमी पर नागदेवता के साथ ही भगवान भोलेनाथ की पूजा करने का भी विशेष महत्व होता है। किसानों द्वारा खेतों में फसलों की रखवाली करने वाले नागदेवता के स्थान पर नारियल व दूध चढ़ाकर पूजा अर्चना कर नागदेवता से परिवार व फसलों की रक्षा करने की कामना की जाती है। मंगलवार को भगवान श्री नागराज का दिन है।जिसे नागपंचमी के रूप में मनाया जाता है।पहले नाग पंचमी के दिन लोग चूल्हा नहीं जलाते थे।बल्कि 1 दिन पहले का बासी भोजन खाते थे।नागपंचमी को भगवान को दूध खीर धान की लाई खास तौर पर च?ाई जाएगी।बताया गया कि इस दिन शुभमुहूर्त पर भगवान श्री नागराज की पूजा करने का अपना विशेष महत्व है।

ग्रामीण क्षेत्रों में बंद रहेगा कृषि कार्य

बताया जा रहा है कि नागपंचमी के इस प्रमुख पर्व पर ग्रामीण अंचलों में 1 दिन के लिए कृषि कार्य बंद रखा जाएगा।जहां मुख्यता- ग्रामीण अंचलों में ही इस पर्व को हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है।जहां कृषक बंधु नाग देवता की विशेष पूजा अर्चना कर उनसे क्षमा मांगते हैं।वही अपने परिवार की हिफाजत के लिए प्रार्थनाएं करते हैं।इसके अलावा नाग देवता को लगाए जाने वाला भोग खासतौर पर धान की लाई का छिड़काव पूरे घर में किया जाता है।ताकि नाग देवता उनसे प्रसन्न रहें और भविष्य में भी उनके किसी भी परिजनों को किसी प्रकार का नुकसान ना पहुंचाएं।

नागराज बाबाताज नाग मन्दिर में विभिन्न कार्यक्रमो के होंगे आयोजन

नागपंचमी पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के दौरान बस स्टैंड, नगरपालिका गेट समीप स्थित नागराज बाबाताज नाग मंदिर प्रांगण में प्रतिवर्ष के अनुसार इस वर्ष भी नाग पंचमी का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा।जिसके तहत सुबह से लेकर देर शाम तक विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए जाएंगे।जिसकी शुरुआत नाग देवता का दूध और जलाभिषेक के साथ की जाएगी।जिसके बाद सरपी वाले नाग देवता की विशेष पूजा-अर्चना करेंगे।उसके तुरंत बाद पूजा अर्चना का कार्यक्रम संपन्न कर विशाल भंडारा और महा प्रसादी का वितरण किया जाएगा।जो देर शाम तक चलता रहेगा।

सालो से नहीं हुई परामर्शदात्री की बैठक?

कैसी होगी कर्मचारियों की समस्या हल- मस्की

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। सामान्य प्रशासन विभाग के स्पष्ट निर्देश है कि विभाग, साल में कम से कम चार बार, परामर्शदात्री की बैठक आयोजित करें, ताकि विभागीय कर्मचारियों की समस्याओं को सुनकर, उसका निराकरण किया जा सके। जिसको लेकर कलेक्टर मृणाल मीणा ने भी जिले के सभी विभागो को परामर्शदात्री समिति की बैठक करने के साथ ही शासन से मान्यता प्राप्त कर्मचारी संगठनों की सूची भी भेजी है, बावजूद इसके जिले में कई ऐसे विभाग है, जो ना तो सामान्य प्रशासन और ना ही कलेक्टर के आदेश को मान रहे है। जिसको लेकर मध्यप्रदेश कर्मचारी कांग्रेस जिलाध्यक्ष सजल मस्की ने नाराजगी जाहिर की है। सजल मस्की ने जारी प्रेस बयान में बताया कि विभागो की परामर्शदात्री समिति की बैठक, कर्मचारियों का अधिकार है, जिसके माध्यम से कर्मचारी, अपनी समस्याओं को विभाग के समक्ष रख सकते है लेकिन विभागीय परामर्शदात्री समिति की बैठक ना होने से, कर्मचारियों की समस्याओं का निराकरण नहीं हो पा रहा है, जिससे कर्मचारी निराश है।अध्यक्ष सजल मस्की ने बताया कि जिले के वनविभाग में पिछले पांच वर्षो से परामर्शदात्री समिति की बैठक नहीं होने से कर्मचारियों की समस्याओं का निदान नहीं हो पा रहा है।वनविभाग के स्थायी कर्मियों को न्यूनतम वेतनमान और सातवें वेतनमान का लाभ नहीं मिल रहा है। वन सुरक्षा श्रमिको के मानदेय में कटौती कर उन्हें भुगतान किया जा रहा है।कई कर्मचारियों का वेतनमान के अनुमोदन नहीं होने से महंगाई भत्ता जैसे अन्य शासन से देय लाभ से कर्मचारी वंचित है।जिसके कारण कर्मचारियों में निराशा है और कर्मचारी चाहते है कि वह इन समस्याओ को विभागीय अधिकारी के समक्ष रखे, लेकिन परामर्शदात्री समिति की बैठक ना होने से यह दिक्कतें आ रही है। उन्होंने बताया कि ऐसे और भी विभाग है, जहां परामर्शदात्री समिति की बैठक नहीं हो रही है और कर्मचारी, समस्या से ग्रसित है।

30 जुलाई को जिला पंचायत की सामान्य प्रशासन समिति की बैठक

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। आगामी 30 जुलाई को जिला पंचायत की सामान्य प्रशासन समिति की बैठक का आयोजन किया गया है। जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राट सिंह सरस्वार की अध्यक्षता में आयोजित यह बैठक जिला पंचायत कार्यालय सभाकक्ष में दोपहर 02 बजे से प्रारंभ होगी। पूर्व में यह बैठक 29 जुलाई को आयोजित की गई थी, लेकिन अपरिहार्य कारणों से बैठक की तिथि में संशोधन कर 30 जुलाई कर दिया गया है।

न्यायालय अपर कलेक्टर एवं विवाह अधिकारी
जिला बालाघाट (म.प्र.)

क्रमांक /5573/ अति.कले. / वि.अधि. /2025 बालाघाट दिनांक 1/7/2025

सार्वजनिक-सूचना
(नियम 6 के अन्तर्गत)

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदकगण आवेदक रितेश गजबे उम्र-27 वर्ष पिता श्री रमोद गजबे जाति गोवारी निवासी वार्ड नं0 20 ग्राम कोसमी तहसील व जिला बालाघाट (म0प्र0) एवं आवेदिका प्रतिका नागेश्वर उम्र-25 पिता श्री उमेश नागेश्वर जाति गढेवाल निवासी वार्ड नं0 10 ग्राम कोसमी तहसील व जिला बालाघाट (म0प्र0) द्वारा विशेष विवाह अधिनियम 1954 की धार-5 के अन्तर्गत द्वितीय अनुसूचि में उल्लेखित प्रारूप में आशयित विवाह की सूचना/ आवेदन पत्र आवश्यक दस्तावेजों सहित प्रस्तुत किया गया है।

उक्त आशयित्त विवाह की सूचना की एक प्रति इस इस्तहार के साथ संलग्न प्रेषित है। उक्त प्रकरण की नियत सुनवाई दिनांक 05/08/2025 नियत है।

उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति/जनसाधारण को आवेदकगण के विवाह में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति है को वह अपनी आपत्ति स्वयं व अपने अभिभाषिक के माध्यम से इस न्यायालय के समक्ष नियत सुनबाई दिनांक 05/08/2025 को उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकता है। नियत अवधि के पश्चात त प्राप्त प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक //07/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से जारी किया गया।

अपर कलेक्टर
एवं विवाह अधिकारी
जिला बालाघाट (म.प्र.)

शा.उ.मा. विद्यालय लामता मे विद्यार्थियों को वितरित की गई 178 साइकिले

लामता(पद्मेश न्यूज) ।प्रदेश के मुखिया स्कूली विद्यार्थियों के लिए एक बड़ी सौगात के रूप में इस वर्ष स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा 4 लाख 30 हजार छात्रों को नि:शुल्क साइकिल प्रदान की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस योजना की शुरुआत भोपाल में आयोजित गुरु पूर्णिमा महोत्सव के अवसर पर की थी।इस योजना के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों के वे छात्र जो कक्षा

6वीं या 9वीं में शासकीय विद्यालयों में प्रवेश लेते हैं और उनके गाँव में माध्यमिक या उच्च माध्यमिक विद्यालय संचालित नहीं है, तथा विद्यालय की दूरी 2 किलोमीटर या उससे अधिक है ऐसे छात्रों को पहली बार प्रवेश पर एक बार निन्शुल्क साइकिल दी जाती है।इसके साथ ही ग्रामीण कन्या छात्रावासों में रहने वाली छात्राओं को भी यह लाभ मिलेगा बशर्ते कि उनकी शाला छात्रावास से कम से कम 2 किलोमीटर दूर हो।इसी कड़ी में सोमवार को शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लामता मे कक्षा नवमी के 178 छात्र छात्राओं को साइकिल का वितरण जनप्रतिनिधियों के हाथो कराया गया। इस दौरान जनपद पंचायत बालाघाट के उपाध्यक्ष शंकरलाल बिसेन, ज्ञानसिंह सैयाम जनपद सदस्य लामता, हुलासमल कोचर सरपंच लामता, योगेश खैरवार मंडल अध्यक्ष भाजपा, श्री मानेश्वर उपसरपंच, समाज सेवी रवि लिल्हारे, सहित अन्य प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

माँ सरस्वती प्रतिमा के समक्ष दीप व पुष्प अर्पित कर हुई कार्यक्रम की शुरुवात

बताया गया कि शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के प्राचार्य एस एल सैयाम द्वारा साइकिल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया था।जिसमे जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया था,समस्त जनप्रतिनिधियों द्वारा सर्वप्रथम माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रजवलित व पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम की शुरुवात की गई।जहां विद्यालयीन छात्राओं द्वारा माँ सरस्वती वंदना कि गई,तत्पश्चात अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ एवं स्वागत गीत से कर कार्यक्रम को आगे बढाया गया।

शिक्षा को बढ़ावा देने सरकार चला रही विभिन्न योजनाएं कोचर

लामता सरपंच हुलासमल कोचर ने इस दौरान बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि हमारी सरकार द्वारा बच्चों को सुगमता पूर्वक उच्च शिक्षा प्राप्त हो, इसके लिए साइकिल दिया जा रहा है उन्होंने कहा कि बच्चे शिक्षित हों, इसके लिए सरकार कई तरह के निशुल्क योजनाएं चला रही है स्कूल में बच्चों को निशुल्क पोशाक, जूता, किताब, मध्याह्न भोजन, छात्रवृत्ति एवं अन्य कई चीजें दी जाती है बच्चे स्कूल अवश्य पहुंचें एवं शिक्षा ग्रहण करें बच्चे शिक्षित होंगे, तो देश का विकास होगा। बच्चे देश के भविष्य हैं पढ़ाई से ही अपने परिवार के आर्थिक स्थिति को मजबूत कर सकते हैं। उधर सभी जनप्रतिनिधियो ने अपने अपने उद्बोधन मे सरकार की साइकिल वितरण एवं अन्य योजनाओं की सराहना की। इसके पश्चात सभी कक्षा नवमी के छात्र छात्राओं को साइकिल वितरण किया गया, विद्यालय के प्राचार्य एस एल सैयाम, सभी अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुये कार्यक्रम का समापन किया।

दि बुद्धिस्ट सोसायटी ऑफ इंडिया के पदाधिकारियों की प्रांतीय अध्यक्ष ने की घोषणा

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। दि बुद्धिस्ट सोसायटी ऑफ इंडिया म.प्र. के प्रांतीय अध्यक्ष सदाशिव सोनटके एवं अन्य पदाधिकारियों का 27 जुलाई को बालाघाट आगमन हुआ। जिनका अभिनंदन समारोह समता भवन बुढ़ी में किया गया। इस दौरान दि बुद्धिस्ट सोसायटी ऑफ इंडिया जिला शाखा बालाघाट एवं प्रदेश पदाधिकारियों की नियुक्ति की घोषणा की गई। जिसमें हंसराज मेश्राम पूर्व राज्य प्रभारी को प्रदेश संरक्षक बनाया गया। वहीं एल.डी मेश्राम पूर्व प्रांतीय प्रतिनिधि को प्रदेश उपाध्यक्ष व वीणा डोंगरे को महिला संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

जिला कार्यकारिणी की घोषणा

इस दौरान दि बुद्धिस्ट सोसायटी ऑफ इंडिया बालाघाट के जिला कार्यकारिणी की घोषणा की गई। जिसमें एम.आर रामटेके पूर्व जिलाध्यक्ष को नये सत्र के लिए पुन- जिलाध्यक्ष घोषित किया गया है। वहीं महासचिव राजेश रंगारी कोसमी, उपाध्यक्ष प्रकाश मेश्राम, कल्पनाताई वासनिक, प्रितीताई काम्बले, विमल भालेराव केशलेवाड़ा को व कोषाध्यक्ष माधुरी मेश्राम को बनाया गया है। इसके अलावा जिले के तहसील, विकासखण्ड के पदाधिकारियों की भी घोषणा की गई। इसमें करूणा रामटेके को वारासिवनी तहसील अध्यक्ष नियुक्त किया गया वहीं अन्य तहसील, विकासखण्ड, सर्कल, ग्रामीण पदाधिकारियों की नियुक्ति की भी घोषणा प्रांताध्यक्ष सदाशिव सोनटके द्वारा की गई। इस दौरान नव-नियुक्त पदाधिकारियों को उपस्थितजनों ने बधाई देते हुये संगठन के हित में कार्य कर मजबूती प्रदान करने की अपेक्षा जताई।

तीसरे सावन सोमवार को भक्तों से गुलजार हुआ बाबा भोलेनाथ का द्वार

शिवालयों में गूजां महादेव का जयकारा, भक्तो का लगा ताता, विशेष आराधना में जुटे श्रद्धालु

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। भगवान शिव की आराधना का पावन महीना सावन में तीसरे सावन सोमवार पर नगर के तमाम शिव मंदिरों में बड़ी संख्या में शिव भक्तों ने भगवान शिव का जलाभिषेक कर उनकी पूजा अर्चना की। सावन के तीसरे सोमवार पर सुबह 6 बजे से ही मंदिरों में भक्तों की अच्छी-खासी भीड़ दिखाई दी।जहा सुबह स्नान करने के बाद बड़ी तादात में लोग भगवान शिव की पूजा करने के लिए मंदिरों में पहुंचे।जिनके द्वारा भगवान शिव और माता पार्वती की विशेष पूजा अर्चना की गई।वही श्रद्धालु भक्तो द्वारा शिवलिंग पर बेलपत्र, धतूरा, चंदन, अक्षत, शमीपत्र सहित अनेक शुभ वस्तुएं चढ़ाई गई।वही नगर के सभी शिवालयों में सुबह से लेकर देर शाम तक बम बम भोले के जयकारे गूंजते रहे।

सुबह से लेकर देर शाम तक सुनाई दी हर-हर महादेव की गूंज

सावन महीने के तीसरे सोमवार को शहर के शिवालयों में श्रद्धालुओ की खासी भीड़ नजर आई। जहा सुबह से लेकर देर शाम तक हर-हर महादेव, जय ओम शिवकारा की गूंज सुनाई दी। अल सुबह से ही श्रद्धालुओं की मंदिरों में खासी भीड़ रही।वहीं शिव मंदिरों के साथ अन्य मंदिरों पर भी दिनभर भक्तों को तांता लगा रहा है। जहा भक्तो द्वारा शिवलिंगों का दूध, जल से अभिषेक किया गया। वही शिवलिंगों को पुष्प, बेल पत्र,आंक, धतूरे से सजाकर महाआरती की गई। इस दौरान मंदिरों में घंटी, घडियाल, शंख व झालर के बीच भोलेनाथ के उद्घोष से माहौल भक्तिमय बना रहा। भक्तिमय माहौल का यह नज़ारा नगर के शंकरघाट, बूढ़ी शिव मंदिर, सिविल लाइन शिव मंदिर, बैहर चौकी समीप स्थित शिव मंदिर सहित अन्य शिव मंदिरों में देखा गया।जहा इन सभी शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही।जहा कई श्रद्धालु भक्तो द्वारा पंडितों की मौजूदगी में शिव महाभिषेक, महामृत्युंजय के जाप, और रुद्राभिषेक किया गया। वही पंडितों के द्वारा शिव महापुराण पाठ कराकर रात्रि को भगवान भोले की भक्ति में जगराता किया गया।

शिवालयों में जल चढ़ाने लगी भक्तों की लगी लंबी कतार

सावन मास के पावन अवसर पर सोमवार को भगवान भोलेनाथ की पूजा अर्चना का विशेष महत्व होता है। जिससे सोमवार को शिवालयों में शिव लिंग पर जल चढ़ाने भक्तों का तांता लगा रहता है। सावन के तीसरे सोमवार को शहर मुख्यालय सहित जिले भर के शिवालयों में पूजा अर्चना करने व शिव लिंग में जल चढ़ाने भक्तों की लंबी कतार लगी रही। शिवभक्तों द्वारा सुबह स्नान ध्यान कर नदियों व सरोवरों से कांवड़ में कलश में जल लेकर शिवमंदिर पहुंचकर भगवान भोलेनाथ का अभिषेक कर शिवलिंग में जल चढ़ाया गया। बेल पत्र, धतुरा, पुष्प व पूजन सामग्री चढ़ाकर पूजा की गई। तीसरे सावन सोमवार को जगह-जगह से बैण्ड व डीजे की धुनों के साथ कांवड़ यात्रा निकालकर शहर के प्रमुख शिवालयों सहित कोटेश्वर धाम पहुंचकर शिवभक्तों द्वारा भगवान शिव का जलाभिषेक किया जाएंगा। शिवभक्तों द्वारा सोमवार को उपवास भी रखा गया व भोलेनाथ की पूजा आराधना की गई। इस अवसर पर प्रमुख मंदिरों व विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान कर महाप्रसाद भी वितरण किया गया।

शंकरघाट में महाप्रसाद वितरण

सावन के तीसरे सोमवार को शहर के वैनगंगा नदी तट पर स्थित शंकरघाट मंदिर में भगवान शिव की पूजा अर्चना व शिवलिंग का जलाभिषेक करने सुबह से श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही। इस अवसर पर शिवभक्तों द्वारा साबुरदाना की महाप्रसादी व पुलाव का वितरण किया गया।

सुरक्षा के दिखे पुख्ता इंतजाम

सावन माह के तीसरे सोमवार होने और मंदिरों में सुबह से लेकर देर रात तक भीड़ होने के चलते, नगर के तमाम शिव मंदिरों में सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम देखने को मिले। जहां किसी भी अनहोनी को रोकने और भीड़ को नियंत्रण करने के लिए पुलिस व्यवस्था मुस्तैद नजर आई।जहां सभी मंदिरों में महिला और पुरुष पुलिसकर्मी श्रद्धालु भक्तों को सुरक्षा प्रदान करते नजर आए।जिसके चलते भारी भीड़ होने के बावजूद भी शांतिपूर्ण तरीके से श्रद्धालु भक्तों द्वारा विशेष पूजा अर्चना कर धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराए गए।

नवांकुर सखी द्वारा रिमझिम बारिश में किया गया कलश यात्रा का आयोजन

उकवा(पद्मेश न्यूज)। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद विकासखंड बैहर द्वारा पर्यावरण संरक्षण संवर्धन के लिए नवांकुर-सखी हरियाली यात्रा के माध्यम से पर्यावरण बचाने का संदेश दिया जा रहा है। हरियाली-यात्रा एवं एक पे ? मां के नाम कार्यक्रम 26 जुलाई को सेक्टर भन्डेरी के ग्राम पंचायत भवन में किया गया। पंचायत भवन से कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता के छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर व दीप प्रज्वलन व कलश प्रज्वलित कर, कलश यात्रा का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में चिन्हाकित से सेक्टर की नवांकुर सखियों के अलावा ग्रामीण बहने व ग्रामीणों की भी सहभागिता रही नवांकुर-सखीयों द्वारा कलश यात्रा में पर्यावरण संरक्षण संदेश के नारे लगाते हुए व नृत्य कला मंडली के माध्यम से ग्राम का भ्रमण करते हुए यात्रा का समापन कार्यक्रम पंचायत सभाकक्ष में अतिथियो के उदबोधन के साथ किया गया। इसके पश्चात् कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों द्वारा नवाँकुर सखियों व उपस्थित जनसमुदाय को, पर्यावरण संरक्षण एवं वृक्षारोपण के महत्व के विषय में जानकारी दी गई। जिसमे बताया गया कि पर्यावरण को बचाने के लिए नवांकुर सखी का क्या योगदान हो सकता है तथा जिस तरह मां अपने बच्चे का पोषण करती है उसी तरह एक पेड़ का पोषण कैसे किया जाए यह कार्य एक मां ही अच्छे से कर सकती है और यह संदेश आज की आवश्यकता है। कार्यक्रम में उपस्थित रहे सरपंच सुखवारो मरकाम,महामंत्री संध्या परते,नवांकुर संस्था,श्री राम शैक्षणिक संस्थान के अध्यक्ष राजेन्द्र बिसेन सभी नवांकुर सखी एवं प्रस्फुटन समिति के सदस्यों की गरिमामय उपस्थिति में कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम उपरांत महिलाओं को कटहल, शीशम, जामुन, आंवला, करंज, काजू आदि के पौधे वितरित किए व शुभकामनाएं दी गई। इस अवसर पर परामर्शदाता शिवनाथ यादव, सुरेश यादव, ज्योति बिसेन एवं मुख्यमंत्री सामुदासिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के छात्र संदीप गजभिये, अभय यादव,भद्रशीला धुर्वे, नेहा बिसेन, अविका यादव, का भी विशेष सहयोग प्राप्त हुआ।

30 जुलाई को होगा समाधान ऑनलाइन कार्यक्रम

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव 30 जुलाई को आयोजित समाधान ऑनलाइन कार्यक्रम में वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से विभिन्न जिलों के आवेदकों के प्रकरणों की सुनवाई करेंगे। यह कार्यक्रम शाम 4 बजे एनआइसी कक्ष में प्रारंभ होगा। कलेक्टर मृणाल मीना ने सभी संबंधित अधिकारियों को उपस्थित रहने के निर्देश दिए हैं।

स्थान परिवर्तन

मेसर्स पंकज एफ अग्रवाल एंड एसोसिएट्स चार्टर्ड एकाउंटेंट का कार्यालय जो वर्तमान में वार्ड नं 20 अन्नपूर्णा मंदिर के पास बालाघाट में स्थित है। अब अपने नवनिर्मित कार्यालय, आर्थिक आर्केड, दूसरी मंजिल, यूको बैंक के ऊपर, रेलवे स्टेशन रोड, बालाघाट में संचालित होगा

संपर्क नं- 9425138797

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध

लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता

तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स

मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट

फोनः- 07632-243531

मोः- 8989976858, 9425139998

कलेक्टर ने टीएल बैठक में समय सीमा प्रकरणों की समीक्षा की

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। कलेक्टर मृणाल मीना ने 28 जुलाई को टीएल बैठक में विभिन्न विभागों के समय सीमा संबंधी प्रकरणों की विस्तार से समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ, अपर कलेक्टर श्री जीएस धुर्वे, सहायक कलेक्टर आकाश अग्रवाल, एसडीएम गोपाल सोनी, संयुक्त कलेक्टर राहुल नायक, श्रीमती राजनंदिनी शर्मा, डिप्टी कलेक्टर प्रदीप कौरव, मायाराम कोल एवं अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

मालगाड़ी के 02 रेक शीघ्र पहुंचेंगे बालाघाट

बैठक में सर्वप्रथम किसानों को उर्वरक की आपूर्ति के संबंध में समीक्षा की गई। इस दौरान उपसंचालक कृषि फूलसिंह मालवीय ने बताया कि वर्तमान में जिले में 3150 मीट्रिक टन युरियॉ एवं 1752 मीट्रिक टन एनपीके उर्वरक उपलब्ध है। उर्वरक की दो रेक लेकर मालगाड़ी शीघ्र ही बालाघाट पहुंचने वाली है। एक सप्ताह के भीतर जिले की सभी सहकारी समितियों में पर्याप्त उर्वरक उपलब्ध हो जाएगा। जिला विपणन अधिकारी श्री तिवारी ने बताया कि पारादीप बंदरगाह से मालगाड़ी उर्वरक लेकर शीघ्र ही बालाघाट के लिए रवाना होने वाली है। इसी प्रकार केपीएल कम्पनी का एनपीके उर्वरक लेकर एक मालगाड़ी बालाघाट आने वाली है। कलेक्टर श्री मीना ने बैठक में निर्देशित किया कि जिन समितियों में युरियॉ एवं उर्वरक की कमी है, मालगाड़ी के उर्वरक लेकर पहुंचने पर उन समितियों में सबसे पहले उर्वरक पहुंचाया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसानों को नैनो युरियॉ एवं नैनो डीएपी का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करे। उन्होंने कहा कि जिले में किसानों को समय पर उर्वरक उपलब्ध कराने के लिए तत्परता के साथ प्रयास किये जाए। जिससे किसानों को उर्वरक के लिए भटकना ना पड़े।

मेडिकल स्टोर्स एवं खाद्य सामग्री विक्रेताओं की निरंतर की जांच की जाए

कलेक्टर श्री मीना ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देशित किया कि न्यायालयीन प्रकरणों के लिए प्रस्तुत की जाने वाली ऑनलाईन रिपोर्ट (मेडलेपार) पर चिकित्सकों द्वारा काम नही किया जा रहा है, अत: इस पर विशेष ध्यान दे और इसमें शीघ्र सुधार लाए। जिला चिकित्सालय में दवाओं के अमानक पाए जाने सबंधी रिपोर्ट उनके सामने प्रस्तुत करने के निर्देश दिये गए। कलेक्टर श्री मीना ने स्वास्थ्य विभाग में पदस्थ दोनो ड्रग इस्पेक्टर को निर्दशित किया कि वे जिले में स्थित मेडिकल स्टोर्स का नियमित रूप से निरीक्षण करे और नियमों का उल्लंघन करने वाले मेडिकल स्टोर्स के विरूद्ध कार्यवाही करे। इसी प्रकार खाद्य सुरक्षा अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे खाद्य सामग्री विक्रय करने वाले प्रतिष्ठानों की नियमित रूप से जांच करे और गुणवत्ताहीन खाद्य सामग्री विक्रय करने वाले एवं स्वच्छता के मानकों का पालन नहीं करने वाले प्रतिष्ठानों पर कार्यवाही करे।

जल स्त्रोतों का क्लोरिनेशन शीघ्र पूर्ण करे

कलेक्टर श्री मीना ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन यंत्री को निर्देशित किया कि जिले के बैहर, बिरसा एवं परसवाड़ा विकासखंड के ग्रामों के जल स्त्रोतों के क्लोरिनेशन पर विशेष ध्यान दे और जिन गावों में यह कार्य नही हुआ है उसे तत ?काल पूर्ण कराए। जल संसाधन विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि नहरों की साफ-सफाई का कार्य शीघ्रता से पूर्ण करे। बैठक में जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि संबल योजना के जिन प्रकरणों को ऑनलाईन नही किया गया है उन्हें शीघ्र ऑनलाईन किया जाए और स्वीकृत प्रकरणों में शीघ्र भुगतान आदेश जारी करे।

बारिश से क्षतिग्रस्त सड़को का शीघ्र सुधार करे

बैठक में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना ईकाई के महाप्रबंधक को निर्देशित किया गया कि वर्षा के कारण जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में जिन सड़कों को नुकसान पहुंचा है उनके सुधार एवं मरम्मत का कार्य शीघ्र पूर्ण कराए। जिला शिक्षा अधिकारी एवं सर्व शिक्षा अभियान के जिला परियोजना समन्वयक को निर्देशित किया गया कि नि:शुल्क पाठ्य पुस्तकों का शत प्रतिशत वितरण करने के साथ ही पोर्टल पर भी उसकी एंट्री करे। जिले में किसी भी शाला में बच्चों को जर्जर भवन या कक्ष में न बैठाया जाए और इस आशय का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने कहा गया। इसी प्रकार सहायक आयुक ?त जनजाति कार्य विभाग एवं सहायक संचालक पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग को निर्देशित किया गया कि उनके किसी भी छात्रावास के जर्जर भवन में बच्चों को न रखा जाए और इस संबंध में प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने कहा गया। लांजी, बैहर एवं परसवाड़ा के एसडीएम को छात्रावासों का निरीक्षण कर भवनों की स्थिति देखने के निर्देश दिये गए।

प्राकृतिक आपदा से मृत्यु के प्रकरण में पीएम रिपोर्ट शीघ्रता से दी जाए

बैठक में सीएम हेल्पलाईन के प्रकरणों की समीक्षा के दौरान उनका तत ?परता के साथ निराकरण करने के निर्देश दिये गए। राजस्व विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि सीमांकन, नामांकन, बंटवारा, डायवर्सन के निराकृत प्रकरण तत्काल पोर्टल पर अपडेट कराए। न्यायालयीन कार्य के लिए पृथक से तहसीलदार नियुक्त कर दिये जाने के बाद राजस्व न्यायालय के प्रकरणों का तत्परता के साथ निराकरण करने के निर्देश दिये गए और कहा गया कि राजस्व न्यायालय में अब कोई प्रकरण लंबित नही रहना चाहिए। सभी तहसीलदारों को निर्देशित किया गया कि चरनोई की भूमि पर किये गए अतिक्रमण को हटाने की कार्यवाही करे और की गई कार्यवाही की फोटो जिला कार्यालय को उपलब्ध कराए। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देशित किया गया कि प्राकृतिक आपदा से मृत्यु के प्रकरणों में राजस्व अधिकारियों को पीएम रिपोर्ट शीघ्रता से उपलब्ध कराए। जिससे पीड़ित परिवार को सहायता राशि का शीघ्रता से वितरण किया जा सके।

सभी विभाग पौधारोपण का लक्ष्य पूर्ण करे

पौधारोपण कार्य की समीक्षा के दौरान सभी एसडीएम को निर्देशित किया गया कि वे अपने क्षेत्र में अधिक से अधिक पौधे लगाकर उनकी फोटो अंकुर एप्प पर अपलोड कराए। इसी प्रकार प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, लोक निर्माण विभाग, खनिज विभाग, सिंचाई विभाग एवं उद्योग विभाग के अधिकारियों को पौधारोपण का लक्ष्य शीघ्रता से पूर्ण करने के निर्देश दिये गए। उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवा को निर्देशित किया गया कि वृंदावन ग्राम योजना के लिए अपने क्षेत्र के विधायक से समन्वय कर ग्रामों का चयन करे। बैठक में उचित मूल्य दुकानो से खाद्यान्न वितरण एवं प्रधानमंत्री सूर्य घर बिजली योजना में लगाए जा रहे शिविरों की भी समीक्षा की गई।

विवाहित पति को छोड़कर प्रेमी के साथ रह रही महिला की प्रेमी के भाई ने की जमकर पिटाई

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) ।अपने विवाहित पति को छोड़कर तीन माह से अपने प्रेमी के साथ रह रही एक महिला की उसके प्रेमी के भाई ने जमकर पिटाई कर उसे जान से मार डालने की धमकी दे दी। मलाजखंड पुलिस में इस 29 वर्षीय महिला द्वारा की गई रिपोर्ट पर प्रदीप पिता चमनदास परवार वार्ड नंबर 4 मोहगांव मलाजखंड निवासी के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने की आरोप में अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार यह महिला बैहर नरसिह टोला में रहती है। और घरेलू काम करती है। सन 2013 में इस महिला की शादी भीमजोरी निवासी एक व्यक्ति के साथ हुई थी। 7 वर्ष से यह महिला ग्राम मोहगांव के संदीप परवार को जानती है और दोनों के बीच बातचीत होते रहती थी और दोनों एक दूसरे को प्यार करने लगे थे। तीन माह से यह महिला अपने विवाहित पति को छोड़कर के संदीप परवार के साथ बैहर में किराए का मकान लेकर पति-पत्नी की तरह साथ रहने लगे थे। 23 जुलाई की रात 8ः00 बजे इस महिला को अपने प्रेमी संदीप परवार के साथ मोटरसाइकिल में बैहर के नदी ढाबा में खाना खाने गए थे। बारिश हो रही थी। तब इस महिला के प्रेमी बनाम पति संदीप परवार ने खाना पैक करवा लिया था। उसके बाद दोनों मोटरसाइकिल से। बैहर के मॉडल बालिका हॉस्टल तरफ आए और हॉस्टल के पास संदीप परवार ने इस महिला को अपनी मोटरसाइकिल से उतार दिया और इस महिला का पर्स लेकर अपने दोस्तों के साथ 5 मिनट में आता हूं कहकर चला गया। 2 घंटे तक यह महिला अपने प्रेमी संदीप परवार का इंतजार करती रही। लेकिन संदीप परवार वापस नहीं लौटा। जिसके बाद यह महिला रात में अपने कमरे आ गई। 24 जुलाई के शाम 5:00 बजे यह महिला मोहगांव मलाजखंड संदीप परवार के घर के गई। घर के सामने बरामदे में संदीप परवार का छोटा भाई प्रदीप परवार खड़ा हुआ मिला।महिला ने प्रदीप परवार से अपने प्रेमी संदीप परवार के बारे में पूछी तो प्रदीप परवार ने भ ?क करइस महिला को बोला कि यहा क्यों आई है कहकर प्रदीप परवार इस महिला को अश्लील गालियां देने लगा।महिला ने प्रदीप परवार को गालियां देने से मना की तो प्रदीप परवार ने इस महिला को यहां क्यों लिए कहकर हाथ बुक्के से मारपीट कर दिया ।इसी दौरान प्रदीप परवार का पिता चमनदास परवार आया और बीच बचाव कर प्रदीप को घर के अंदर ले गया ।इस दौरान प्रदीप परवार ने इस महिला को दोबारा मेरे घर के आस-पास दिखाई देने पर जान से मार डालने की धमकी देदी। इसके बाद यह महिला मोहगांव मलाजखंड से अपने कमरे बैहर आ गई। यह महिला अकेली होने के कारण हाल ही में उसने मलाजखंड थाना पहुंचकर रिपोर्ट की थी। मलाजखंड पुलिस ने इस महिला द्वारा की गई रिपोर्ट पर उसके प्रेमी संदीप परवार के भाई प्रदीप परमार पिता चमनदास परवार के विरुद्ध मारपीट और जान से मार डालने की धमकी देने के आरोप में धारा 296 115(2) 351(भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है।

सावन में भक्ति भाव के साथ जारी है कांवड़ यात्रा

नगर के विभिन्न क्षेत्रो से कोटेश्वर धाम के लिए निकाली गई कांवड़ यात्रा, भव्य कावड़ यात्रा में उमड़ा श्रद्धालुओं का हुजूम

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) । सावन के महीने में भगवान शिव की विशेष पूजा-अर्चना करने का अलग ही महत्व है। जिसके चलते पूरे महीने शिव मंदिरों में भक्तों की भीड़ रहती है ।खासकर सावन के पवित्र महीने में पढ़ने वाले सोमवार के मौके पर शिवालयों में खासी भीड़ उमड़ती है। शास्त्रों के अनुसार, इस माह भगवान भोलेनाथ की विशेष पूजा अर्चना करने से भगवान शिव प्रसन्न होते है ।और भक्तो की मनमुराद पूरी करते है ।शायद यही वजह है इस माह में कांवड़ियों द्वारा जलाशयों से पानी कावड़ में ले जाकर भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक कर विशेष प्रथाएं की जाती है ।जिसका एक नजारा आए दिनों की तरह तीसरे सावन सोमवार को भी नगर में देखने को मिला। जहां पिछले कई वर्षों से चली आ रही परंपरा को निभाते हुए हर साल की तरह इस साल विभिन्न कावड़ यात्रा समितियो द्वारा कावड़ यात्रा निकाली गई। लांजी कोटेश्वर धाम के लिए भरवेली ,इमली टेकरा, वार्ड नं 24, व बूढ़ी मंदिर सहित अन्य क्षेत्रों से निकाली गई यह कावड़ यात्रा नगर के विभिन्न मार्गों का भ्रमण करते हुए लांजी कोटेश्वर धाम के लिए रवाना हुई। इस कावड़ यात्रा में श्रद्धालुओं का भारी हुजूम देखने को मिला और कावड़िए डीजे की धुन पर भक्ति गीतों में झूमते नाचते गाते हुए इस यात्रा में शामिल हुए। जहां लांजी कोटेश्वर धाम पहुंचकर श्रद्धालु भक्तो द्वारा पंडितों की मौजूदगी में शिव महाभिषेक, महामृत्युंजय के जाप, और रुद्राभिषेक किया जाएगा। वही पंडितों के द्वारा शिव महापुराण पाठ कराकर रात्रि को भगवान भोले की भक्ति में जगराता किया गया जाएगा ।बताया जा रहा है कि यह कावड़ यात्रा जब कोटेश्वर धाम लांजी पहुँचेगी। तब वहा विधिविधान से पूजा अर्चना के बाद नगर में सामुहिक तौर पर भंडारा सहित विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराए जाएंगे।

बोदा व जागपुर घाट से निकली कांवडयात्रा

सावन के तीसरे सोमवार को शहर के महामृत्यंजय जागपुर घाट में स्थित शंकर मंदिर से शिवभक्तों द्वारा कोटेश्वर धाम के लिये कांवडयात्रा निकाली गई। वहीं ग्राम बोदा से भव्य कांवडयात्रा निकाली गई। जो डीजे की मधुर धुनों के साथ शहर के प्रमुख मार्गो का भ्रमण करते हुये कोटेश्वर धाम के लिये रवाना हुई। ये कांवडयात्रा मंगलवार को कोटेश्वर धाम पहुंचेगी। जहां भगवान भोलेनाथ की पूजा अर्चना कर जलाभिषेक किया जाएंगा। सोमवार को कांवडयात्रा किरनापुर में पहुंचकर रात्रि विश्राम करेगी। कांवडयात्रा में भगवान शिव की झांकी आर्कषक का केन्द्र रही। कांवडयात्रा में सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालुजन उपस्थित रहे। जो भगवान भोलेनाथ व बम बम भोले की जयघोष करते हुये नंगे पांव पैदल चल रहे थे।

राष्ट्रीय फुटबॉल प्रतियोगिता

प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश का दबदबा कायम, आंध्रप्रदेश को हराया

गुजरात, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश और त्रिपुरा ने जीते अपने अपने मैच

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जिले के चार मैदानों में देश के 16 राज्यों की टीमों के बीच खेली जा रही बीसी राय जूनियर ब्यायज राष्ट्रीय फुटबाल प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश की टीम अपना दबदबा बनाए है, सोमवार को मुलना मैदान में हुए अपने दूसरे मैच में मध्यप्रदेश की टीम ने एकतरफा प्रदर्शन करते हुए आंध्रप्रदेश की टीम को हराकर प्रतियोगिता के पायदान में शीर्ष पर काबिज हो गई है। यहां दोपहर को हुए मैच में शुरु से ही मध्यप्रदेश के खिलाड़ी आंध्रप्रदेश की टीम पर हावी रहे और लगातार फुटबाल को उनके गोल पोस्ट के पास ही ले जाकर खेलते रहे। जिसका नतीजा ये रहा है कि मध्यप्रदेश की टीम ने 04 गोल मारने में सफलता हासिल की और आंध्रप्रदेश की टीम पूरे मैच के दौरान एक भी गोल नहीं कर पाई है।

उत्तरप्रदेश ने अंडमान एंड निकोबार को 18- 0 ने हराया

नगर में 26 जुलाई से 05 अगस्त तक चलने वाली जूनियर नेशनल फुटबॉल प्रतियोगिता के तीसरे दिन 28 जुलाई को 04 मैच खेले गए ।सोमवार को प्रतियोगिता का पहला मैच रेंजर कालेज मैदान में उत्तरप्रदेश व अंडमान एंड निकोबार के बीच खेला गया। इस मैच में उत्तरप्रदेश की टीम ने एक तरफा प्रदर्शन करते हुए अंडमान एंड निकोबार के विरुद्ध 18 गोल मारने में सफलता हासिल की वहीं पूरे मैच के दौरान डिफेंस मुद्रा में रही अंडमान एंड निकोबार की टीम एक गोल भी नहीं मार पाई। इस तरह यह मैच उत्तर प्रदेश ने 18-0 से अपने नाम कर प्रतियोगिता के अगले चरण में प्रवेश किया।

पांडेचेरी को पछाड़कर गुजरात ने मजबूत की पकड़

नगर में आयोजित इस राष्ट्रीय फुटबॉल प्रतियोगिता में तीसरे दिन का तीसरा मैच पांडेचेरी बनाम गुजरात के मध्य खेला गया ।नगर के मुलना स्टेडियम मैदान में खेले गए इस मैच में गुजरात की टीम ने पिछली हार से सबक लेते हुए बेहतर खेल का प्रदर्शन किया। जहा गुजरात की टीम ने अपने पैरों का जादू दिखाते हुए पांडेचेरी के विरुद्ध 07 गोल दागे। वहीं पांडेचेरी की टीम अपने मैच के दौरान कुछ खास प्रदर्शन नही कर सकी ।जो पूरे मैच के दौरान गुजरात के खिलाफ महज 02 ही गोल मार पाई है ।इस तरह गुजरात की टीम ने 7-2 से मैदान मारकर प्रतियोगिता में अपनी पकड़ मजबूत की।

काटे का रहा हिमाचल प्रदेश बनाम त्रिपुरा का मुकाबला, त्रिपुरा ने मारा मैदान

प्रतियोगिता के दिन का चौथा मैच शानदार रहा है, यहां हिमाचल प्रदेश व त्रिपुरा टीम के बीच मैच खेला गया। दोनों ही टीमों ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया लेकिन त्रिपुरा ने दमखम लगाकर दो गोल मारने में सफल रही और हिमाचल प्रदेश की टीम महज एक गोल ही कर पाई। इस तरह त्रिपुरा की टीम 2-1 ने यह मैच अपने नाम कर लिया।

इन टीमों के बीच होगी आज भिडंत

बीसी राय जूनियर ब्यायस राष्ट्रीय फुटबाल प्रतियोगिता में आज मंगलवार को दो अलग-अलग मैदान में चार मैच खेले जाएंगे। यहां सुबह के समय रेंजर कालेज मैदान में जम्मू एंड कश्मीर की टीम की भिड़ंत असम की टीम के साथ होगी ।तो वहीं अगला मैच हरियाणा व राजस्थान के बीच खेला जाएगा। साथ ही पुलिस लाइन मैदान में पहला मैच सिक्किम बनाम अरुणाचल प्रदेश के बीच खेला जाएगा और दूसरा मैच उत्तराखंड बनाम बिहार के बीच खेला जाएगा। मुलना मैदान में हुए मैच के दौरान पूर्व मंत्री गौरीशंकर बिसेन अतिथि के रुप में शामिल हुए। इस दौरान आयोजन कमेटी अध्यक्ष रमेश रंगलानी, संरक्षक तपेश असाटी, आशीष मिश्रा, डा. जसबीर सिंह सौंधी, गणेश अग्रवाल, नरेश धुवारे सहित अन्य मौजूद रहे।

एक महिला को फोन पर अपनी नातिन को डांट फटकार लगाना महंगा पड़ा

पड़ोसन ने महिला को डंडे से मारपीट कर घायल कर दी

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) ।मलाजखंड थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम कोल्हिया टोला में एक महिला को अपनी नातन को फोन पर डांट फटकार लगाना उसे समय महंगा पड़ गया जब उसकी पड़ोसन समझी की मुझे गालियां दे रही और पड़ोसन ने इस महिला के घर पहुंच कर उसे बांस के डंडे से मारपीट कर उसे जान से मार डालने की धमकी दे दी। मलाजखंड पुलिस ने इस अनुसूचित जनजाति की महिला शांतिबाई पति स्वर्गीय सुरेंद्र उइके 64 वर्ष द्वारा की गई रिपोर्ट पर उसकी पड़ोसन छोटी बाई सोनवाने के विरुद्ध मारपीट जान से मारने की धमकी और जातिगत रूप से अपमानित करने के आरोप में अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार शांति उइके मजदूरी करती है ।जिसके पति सुरेंद्र उइके का निधन हो चुका है। शांति उइके के पड़ोस में छोटी बाई सोनवाने रहती है। और दोनों के बीच दोनो के बीच बोलचाल नही है। शांति उइके की मझली बेटी सीमा परते जिसकी शादी ग्राम केसरवाड़ा महाराष्ट्र से हुई है। आठ दिन पहले सीमा परतेअपनी मां शांति उइके घर मेहमानी में आई है। 28 जुलाई को सुबह 11:00 बजे शांति उइके अपने घर के अंदर कमरे में बैठकर खाना खा रही थी। इसी समय उसकी नातन कुमकुम ने सीमा परते के मोबाइल में फोन की थी। कुमकुम फोन से बात करते समय अपनी दादी शांति उइके से बोल रही थी कि स्कूल में पैसा लग रहे हैं। मुझे पैसा चाहिए, शांति उइके ने उसे बोली की स्कूल में फीस बाद में जमा कर देंगे अभी मेरे पास पैसे नहीं है कह कर वह कुमकुम को फोन पर डांट फटकार लगा रही थी ।शांति उइके द्वारा अपनी नातन को लगाए जा रही डांट फटकार की आवाज उसकी पड़ोसन छोटी बाई सोनवाने ने सुनी और वह समझी कि शांति उइके मुझे गालियां दे रही है और यह सोचकर छोटी बाई सोनवाने शांति उइके के घर के अंदर आई और बोलने लगी क मुझे गाली क्यों दे रही है और वह विवाद करने लगी। शांति उइके उसे समझा रही थी की गाली में तुझे नहीं दे रही थी अपनी नातन से फोन पर बात कर रही थी। तभी छोटी बाई सोनवाने, शांति उइके को जातिगत रूप से गालियां देकर अपमानित करते हुए हाथ में रखे बांस के डंडे से मारपीट करने लगी। छोटी बाई सोनवाने द्वारा बांस के डंडे से मारपीट करने से शांति उइके हाथ और कोहनी के अलावा उसे अंदरूनी चोंटे आई। शांति उइके की लड़की सीमा परते तथा घर पड़ोसी कार्तिक यादव रोड के तरफ से दौड़ते आए और बीच बचाव कर झगड़ा छुड़ाएं। इसके बाद छोटी बाई सोनवाने ने शांति उइके को दोबारा मेरे संबंध में बोलने पर जान से मार डालने की धमकी दे दी। जिसके बाद शांति उइके रिपोर्ट करने के लिए मलाजखंड थाना पहुंची। मलाजखंड पुलिस ने शांति उइके का इलाज बिरसा के अस्पताल में करवाये और उसके द्वारा की गई रिपोर्ट पर छोटी बाई सोनवाने के विरुद्ध शांति उइके को जातिगत गालियां देते हुए मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में धारा 296 115(2) 351(भारतीय न्याय संहिता 2023 के अलावा अनुसूचित जाति जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है ।

शासकीय आवासीय भवन जीर्णशीर्ण, कभी भी हो सकता है क्षतिग्रस्त

भवन क्षतिग्रस्त होने पर घटित हो सकता है बड़ा हादसा, जिम्मेदार मौन, क्षतिग्रस्त शासकीय आवासीय भवन को डिस्मेंटल करने की शासन-प्रशासन से की मांग

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय स्थित जनपद पंचायत कार्यालय के सामने पीडब्ल्यूडी विभाग के द्वारा 40 से 45 वर्ष पूर्व शासकीय आवासीय भवन (क्वाटर) का निर्माण किया गया था। जहां राजस्व विभाग के कर्मचारी रहते थे परन्तु उक्त भवन का समय-समय पर मरम्मत कार्य नही होने के कारण शासकीय आवासीय भवन जीर्णशीर्ण हो चुका है एवं दीवारों में दरारे भी आ चुकी है और कुछ कमरे क्षतिग्रस्त भी हो चुके है। जल्द शासकीय भवन को डिस्मेंटल नही किया गया तो वह किसी भी समय भवन धराशाही होने के साथ ही क्षतिग्रस्त हो सकता है। वहीं भवन धराशायी होने पर अगर मार्ग के साईड में भवन टूटकर गिरता है, तो बहुत बड़ा हादसा घटित होने की संभावना बनी हुई है क्योंकि सामने में जनपद पंचायत कार्यालय है एवं जीर्णशीर्ण भवन के सामने में जनपद पंचायत में प्रवेश करने का गेट है। साथ ही जीर्णशीर्ण भवन से लगकर विद्युत का पोल लगा हुआ है और इस विद्युत पोल ने निवासरत लोगों के घरों में विद्युत कनेक्शन भी गया हुआ है। साथ ही मार्ग से स्थानीयजन एवं जनपद पंचायत कार्यालय में काम से आने वाले जनप्रतिनिधि, ग्रामीणजन एवं शासकीय कर्मचारी भी आते है। अगर भवन अचानक क्षतिग्रस्त होकर रोड़ के ऊपर गिरता है तो मार्ग से आने-जाने वाले लोग उसकी चपेट में आ सकते है, जिससे बड़ी दुर्घटना घटित हो सकती है। वही लंबे समय से जागरूक नागरिक एवं स्थानीयजनों के द्वारा पीडब्ल्यूडी विभाग से राजस्व विभाग के कर्मचारियों के लिए बनाये गये शासकीय आवासीय भवन (क्वाटर) जो पुरी तरह से जीर्णशीर्ण हो चुका है उसे डिस्मेंटल करने की मांग कर चुके है परन्तु प्रशासन के द्वारा कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। जिससे ऐसा लगता है कि पीडब्ल्यूडी विभाग किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है। स्थानीयजनों एवं जनपद पंचायत में आने वाले ग्रामीण व जनप्रतिनिधियों ने जीर्णशीर्ण (जर्जर) हो चुके राजस्व विभाग के शासकीय आवासीय भवन को जल्द डिस्मेंटल करने की शासन-प्रशासन से मांग की है।

पीडब्ल्यूडी विभाग की उदासीनता से कभी भी घटित हो सकती है बड़ी दुर्घटना

आपकों बता दे कि जनपद पंचायत कार्यालय के सामने पीडब्ल्यूडी विभाग के द्वारा विगत 40 से 45 वर्ष पूर्व राजस्व विभाग के कर्मचारी एवं अधिकारियों के रहने के लिए लाखों रूपयों की लागत से शासकीय आवासीय भवन (क्वाटर) का निर्माण किया गया था परन्तु देख-रेख के अभाव में भवन जीर्णशीर्ण होने के साथ ही दीवारों में दरारे आ चुकी है और तेज बारिश होने के कारण पानी का रिसाव भी हो रहा है। साथ ही दरवाजे, खिड़की एवं सडन भी सड़ चुके है जो किसी भी समय क्षतिग्रस्त हो सकता है। वहीं प्रशासन के द्वारा 40 से 45 वर्ष पूर्व बने शासकीय भवन की देख-रेख करने के साथ ही मरम्मत कार्य समय-समय पर करवाते रहते तो भवन जीर्णशीर्ण नही होता परन्तु भवन की ओर विशेष ध्यान नही देने के कारण वर्तमान में भवन की स्थिति जर्जर हो चुकी है जो किसी भी समय क्षतिग्रस्त हो सकती है। साथ ही जीर्णशीर्ण भवन के सामने जनपद पंचायत कार्यालय है जहां रोजाना जिम्मेदार जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी-कर्मचारी भी आते है परन्तु उनके द्वारा भी जीर्णशीर्ण हो चुके शासकीय आवासीय भवन की ओर ध्यान नही दिया जा रहा है। जबकि रोड़ किनारे से दीवारों में दरारे आने के साथ ही दीवार का झुकाव भी एक साईड में आ चुका है रोड़ की ओर, अगर दीवार का जाईंड अलग होता है तो वह किसी भी समय क्षतिग्रस्त होकर रोड़ की साईड में गिर सकता है। साथ ही भवन रोड़ साईड में गिरता है तो विद्युत पोल एवं विद्युत तार भी क्षतिग्रस्त हो सकते है। वहीं इस दौरान मार्ग से कोई गुजरते रहता है तो वह उसकी चपेट में आ सकते है जिससे बड़ी दुर्घटना घटित हो सकती है। जबकि लंबे समय से पीडब्ल्यूडी विभाग से इस शासकीय आवासीय भवन जो पूरी तरह से जीर्णशीर्ण हो चुका है जिससे डिस्मेंटल करने की मांग की जा रही है लेकिन प्रशासन के द्वारा कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। इस तरह से पीडब्ल्यूडी विभाग की उदासीनता से कभी भी बड़ी दुर्घटना घटित हो सकती है क्योंकि जीर्णशीर्ण भवन जर्जर स्थिति में है और भवन का झुकाव रोड़ की ओर अधिक है। अगर भवन धराशायी होकर रोड़ की ओर गिरता है तो बहुत बड़ा हादसा घटित होने की संभावना बनी हुई है। लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा इस समस्या की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिससे लोगों में शासन-प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है। वहीं पीडब्ल्यूडी विभाग के प्रभारी एसडीओं अरूणा सिरसाम से दूरभाष पर जनपद पंचायत कार्यालय के सामने शासकीय आवासीय भवन जो जीर्णशीर्ण हो चुका है उसे डिस्मेंटल करने के संबंध में चर्चा करने का प्रयास किया गया किन्तु संपर्क नही हो पाया।

भवन को जल्द डिस्मेंटल करे प्रशासन - दिलीप

दिलीप अजीत ने बताया कि जनपद पंचायत कार्यालय के सामने बना पुराना शासकीय आवासीय भवन पूरी तरह से जर्जर हो चुका है जो किसी भी समय क्षतिग्रस्त हो सकता है। वहीं जनपद पंचायत में 77 ग्राम पंचायत के लोग विभिन्न काम से जनपद पंचायत कार्यालय में आते है जिनके द्वारा भवन के समीप वाहन खड़े किये जाते है। अगर भवन अचानक गिरता है तो जनहानि होने के साथ ही बड़ा हादसा घटित हो सकता है। श्री अजीत ने बताया कि भवन विगत वर्ष से जीर्णशीर्ण हो चुका है जो कभी भी धराशायी हो सकता है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी एवं जनप्रतिनिधियों के द्वारा भवन को डिस्मेंटल करवाने की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। जबकि भवन खण्डहर में तब्दील हो चुका है, प्रशासन से मांग है कि जीर्णशीर्ण भवन को तोड़कर उस स्थान पर अन्य शासकीय भवन का निर्माण करवाये।

जीर्णशीर्ण भवन दुर्घटना को दे रहा आमंत्रण - सतानंद

नगपुरा पूर्व सरपंच सतानंद दमाहे ने बताया कि जनपद पंचायत के सामने बना शासकीय आवासीय भवन पूरी तरह से जर्जर हो चुका है, दीवारों में दरारें आ चुकी है एवं दीवार भी पूरी तरह से कमजोर हो चुकी है। जो किसी भी समय धराशायी होकर गिर सकती है, लेकिन प्रशासन के द्वारा अब तक जीर्णशीर्ण भवन को डिस्मेंटल नही किया गया है। जबकि भवन के समीप से गुजरे मार्ग से स्कूल के छोटे बच्चे सहित विभिन्न ग्राम के ग्रामीणजन आना-जाना करते है और जीर्णशीर्ण भवन दुर्घटना को आमंत्रण दे रहा है। श्री दमाहे ने बताया कि जीर्णशीर्ण भवन के समीप में जनपद पंचायत का कार्यालय है जहां रोजाना जिम्मेदार जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी भी आते है उनके द्वारा भी कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। साथ ही जीर्णशीर्ण भवन के समीप वाहन भी खड़े रहते है, बिजली के पोल लगे है एवं तार भी गुजरा है। अगर भवन गिरता है तो बहुत बड़ी दुर्घटना घटित हो सकती है, लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा इस ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। जिससे ऐसा लगता है कि प्रशासन किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है।

महाविद्यालय में स्नातक की कक्षा में सी.एल.सी. राउन्ड -2 में प्रवेश प्रारंभ

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार शासकीय महाविद्यालय लालबर्रा में यूजी सी.एल.सी. राउन्ड-2 में प्रवेश प्रारम्भ हो चुका है जो कि 16 जुलाई से 31 जुलाई तक जारी रहेगा। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. सुरेन्द्रकुमार खण्डायत ने बताया कि उ॑च शिक्षा विभाग यूजी सी.एल.सी. राउन्ड-2 में प्रवेश प्रक्रिया की समय सारणी अनुसार विद्यार्थी 28 जुलाई, 30 जुलाई को अपना प्रवेश फार्म (पंजीकरण) दोपहर 1 बजे से 3 बजे तक कर सकते है एवं पंजीकृत विद्यार्थियों का हेल्प सेन्टर द्वारा सत्यापन उपर्युक्त तिथि में ही 4 बजे तक किया जायेगा। साथ ही उक्त तिथि को ही समय 5 बजे तक चयनित विद्यार्थियों को आवंटन (ऑफर) जारी हो जायेगा। डॉ. खण्डायत ने बताया कि चयनित (आवंटित) विद्यार्थियों को प्रवेश शुल्क जमा करने की अन्तिम तिथि प्रवेश फार्म (पंजीकरण) से अगले दिन 29 से 31 जुलाई को समय 5 बजे तक रहेगी। इसके उपरान्त च्वाइस हटाने की तिथि और समय अगले दिन समय 12 बजे से प्रारम्भ होगा। छात्र-छात्राएं यूजी सी.एल.सी. राउन्ड-2 की प्रवेश प्रक्रिया के माध्यम से अपना प्रवेश महाविद्यालय में आसानी से करवा सकते है। साथ ही यह भी बताया कि उ॑च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार शासकीय महाविद्यालय लालबर्रा में बी.ए/बी.एस.सी. स्नातक द्वितीय वर्ष, तृतीय वर्ष एवं चतुर्थ वर्ष के एवं स्नातकोत्तर एक वर्षीय, स्नातकोत्तर तृतीय सेमेस्टर की कक्षा में प्रमोशन करने के लिए संबंधित कक्षाओं के विद्यार्थी वर्तमान परीक्षा परिणाम के अंकसूची की छायाप्रति एवं ए.बी.सी. आईडी. की छायाप्रति अपने साथ महाविद्यालय लेकर महाविद्यालय में शीघ्र उपस्थित होवें।

डोंगरगढ़ धाम के लिए युवाओं का जत्था हुआ रवाना

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। डोंगरगढ़ में स्थित माँ बम्लेश्वरी के दर्शनार्थ लालबर्रा क्षेत्र के पवन पुत्र सेवा समिति घटोलगांव के युवाओं का जत्था सोमवार को प्रातः 11 बजे रवाना हुआ है। चर्चा में पदयात्री संतलाल शेंडे ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी युवाओं का दल डोंगरगढ़ के लिए रवाना हुआ है। यह जत्था 175 किमी. तक पदयात्रा कर डोंगरगढ़ पहुंचेंगे, जहां माँ बम्बलेश्वरी की पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की सुख-शांति व समृध्दि के लिए कामना करेंगे। श्री शेन्डे ने बताया कि उनका पहला पड़ाव रूखमणी मंदिर रजेगांव एवं दूसरा पड़ाव दरेकसा होगा एवं माता-रानी दर्शन हेतु इन पदयात्रियों को 175 किमी. का सफर पूरे ढाई दिन तय करना होगा तब जाकर इन्हे मातारानी के दर्शन होगें। जिसके पश्चात मातारानी का दर्शनकर विधि-विधान से पूजा अर्चना कर क्षेत्र व जिले की सुख-समृध्दि की कामना करेंगे। इस जत्थे में सरपंच संजय नगपुरे, संतलाल शेन्डे, अमन बेस, संजय नगपुरे, अनिल सोलाखे, राधे सोलाखे, राहुल शेन्डे, संदीप पटले, लोकेश सोलाखे, दलपत शेन्डे, राहुल सौलाखे, दुर्गेश नगपुरे, राजकिरण, माखन सरते, सोलाखे, अभिषेक सोलाखे, शिवकुमार लिल्हारे, सावन ठकरेले, महेश बलोने, रवि यादव, शिवराम नगपुरे सहित लगभग 45 पदयात्री शामिल है।

उदासीटोला-अतरी पहुंच मार्ग पर बना जानलेवा गड्ढा

दे रहा दुर्घटना को आमंत्रण, मरम्मत कार्य करवाने की उठी मांग

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। ग्राम पंचायत पांढरवानी के अंतर्गत आने वाले ग्राम उदासीटोला से अतरी पहुंच मार्ग के समीप बने पुल के पास रोड़ के बीच से गत दिवस हुई तेज बारिश के कारण सड़क के नीचे की मिट्टी धसक कर बह चुकी है। जिसके कारण सड़क के बीच में एक बड़ा सा जानलेवा गड्ढा बन चुका है। जिससे कभी भी दुर्घटना घटित होने का अंदेशा बना हुआ है लेकिन प्रशासन के द्वारा अब तक किसी तरह का कोई भी मरम्मत कार्य नहीं करवाया गया है और यह जानलेवा गड्ढा दुर्घटना को आमंत्रण दे रहा है। किन्तु जिम्मेदार ध्यान नही दे रहे है जिससे ग्रामीणजन एवं राहगीरों में शासन-प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है। आपकों बता दें कि उदासीटोला से अतरी पहुंच मार्ग से रोजाना चंदनटोला, आमाटोला, अतरी, घोटी सहित अन्य ग्राम के ग्रामीणजन व राहगीर बड़ी संख्या में आवागमन करते है और यह एक व्यस्तम मार्ग है जो अनेक गांव को आपस में जोड़ता है। वहीं गत दिवस हुई तेज बारिश के कारण नदी में बाढ़ आने एवं तेज बारिश के कारण सड़क के ऊपर से पानी बहने के कारण अतरी के समीप बना पुल के पास सड़क किनारे की मिट्टी धसक चुकी है। साथ ही सड़क भी क्षतिग्रस्त हो चुकी है और सड़क के बीच में जानलेवा गड्ढा बन चुका है। जिसके कारण आने-जाने वालों को खासा परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही इस मार्ग पर प्रकाश की भी कोई व्यवस्था नहीं है जिससे यह जानलेवा गड्ढा रात्रि में दिखाई नहीं देता है यदि तेजी से कोई वाहन गुजरता है और इस गड्ढे में वाहन अनियंत्रित होता है तो बड़ी दुर्घटना घटित हो सकती है। लेकिन ग्राम पंचायत व सड़क विभाग के द्वारा भी इस समस्या की ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है, ना ही कोई सूचना बोर्ड लगाया गया है और ना ही गड्ढे का किसी तरह का कोई मरम्मत कार्य करवाया गया है। जिससे लोगों को आवागमन में परेशानी हो रही है और दुर्घटना घटित होने का डर भी सता रहा है। ग्रामीणजन एवं राहगीरों ने शासन-प्रशासन से उदासीटोला से अतरी पहुंच मार्ग के बीच में बने जानलेवा गड्ढे का जल्द मरम्मत कार्य करवाने की मांग की है।

अयोध्यावासी अवधिया महिला मंडल का सावन महोत्सव कार्यक्रम का हुआ आयोजन

सावन झुला सहित विभिन्न कार्यक्रम हुए आयोजित, राधा-कृष्ण की झांकी रही आकर्षण का केन्द

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय के बालाघाट रोड़ स्थित लॉन में अवधिया महिला मंडल लालबर्रा के द्वारा सावन मास के तीसरे सोमवार 28 जुलाई को सावन महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम अयोध्यावासी अवधिया महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती श्रीमती उमा अवधिया की अध्यक्षता में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने भगवान श्रीगणेश की पूजा अर्चना करने के पश्चात गणेश वंदना कर कार्यक्रम की शुरूआत की। इस अवसर पर संपूर्ण अवधिया समाज की महिलाओं ने अपनी उपस्थिति देकर कार्यक्रम को अलौकिक आभा से बिखरे दिया। साथ ही सभी महिलाओं ने राधा-कृष्ण की झांकी के समक्ष गीत, संगीत की शानदार प्रस्तुतियां दिये एवं सावन झुला झुलकर सावन महोत्सव का आनंद लिया। साथ ही बुजुर्ग महिला श्रीमती दुर्गा अवधिया, राजमती गुप्ता का श्रीफल देकर सम्मान भी किया। वहीं आयोजित कार्यक्रम से प्रकृति और नारी की समरूपता का परिचायक सावन का भरपूर आनंद उठाकर पूर्ण उत्साह के साथ महिलाओं ने अपनी कला की प्रस्तुति दी। सौम्यता, सौंदर्यता की देवियां कभी लहर की तरह तो, कभी हवा के झोंके की तरह, कभी हिरनी की चाल सी, कभी पहाड़ो की श्रृंखला को तोड़ते हुए झरने सी बहती नदी सी .. इठलाती,.. नारियों की प्रस्तुतियां देखने लायक थी...। ऐसा प्रतीत हो रहा था मानो आसमां से अप्सराएं उतर आई हो इस तरह की कविताएं भी महिलाओं ने सुनाये। साथ ही मंडल संस्थापिका श्रीमती सरोज अवधिया ने अपनी कविता के माध्यम से सावन के माह में नारी के मनोभावों को संजो कर समस्त नारी शक्ति को बधाई दी। वहीं उपस्थित महिलाओं ने कहा कि नारी और प्रकृति का अद्भुत सौंदर्यीकरण करता है सावन का माह। इस सावन माह सभी के लिए विशेष रहता है। इस अवसर पर छाया गुप्ता, ममता अवधिया, अजीता गुप्ता, अर्चना गुप्ता, दीपिका अवधिया, उ%जवला गुप्ता सहित अन्य अयोध्यावासी अवधिया महिला मंडल के पदाधिकारी, सदस्यगण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

चिचगांव शास. हाई स्कूल के विद्यार्थियों को वितरित की गई साइकिल

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से लगभग 8 किमी. दूर ग्राम पंचायत चिचगांव स्थित शासकीय हाई स्कूल में अध्ययनरत कक्षा 9 वीं के छात्र-छात्राओं को साइकिल वितरित की गई। वहीं साइकिल पाकर छात्र-छात्राएं खुश नजर आये। इस नि:शुल्क साइकिल वितरण योजना के तहत 29 छात्र-छात्राओं को साइकिल वितरित किये गये है। यह साइकिल वितरण कार्यक्रम चिचगांव सरपंच गोंविद पटले, विद्यालय प्राचार्य अरूणकुमार भगत की प्रमुख उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। जिसके बाद उपस्थित अतिथियों के हस्ते 29 पात्र छात्र-छात्राओं को साइकिल वितरित की गई। सरपंच गोंविद पटले ने परीक्षा में सफलता प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को शुभकामनायें देते हुए प्रतिदिन विद्यालय आने हेतु प्रोत्साहित किया एवं विद्यालय की दैनिक गतिविधि, अनुशासन और छात्राओं की अच्छी उपस्थिति के लिए स्टॉफ की प्रशंसा करते हुए पढ़ाई पर विशेष ध्यान देते हुए परीक्षा परिणाम बेहतर लाने की बात कही है। साथ ही यह भी कहा कि शासन की नि:शुल्क साइकिल वितरण योजना के तहत जिन छात्र-छात्राओं को साइकिल मिली है अब उन्हे विद्यालय आने में सुविधा होगी इसलिए छात्र-छात्राएं भी अच्छी पढ़ाई कर अपने माता-पिता व विद्यालय का नाम रौशन करें। प्राचार्य अरूणकुमार भगत ने विद्यालय में छात्र-छात्राओं की निरंतर उपस्थिति पर जोर देते हुए अच्छे परिणाम के लिए लगन से पढ़ाई के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर स्कूल के शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

नगर पालिका ने हैंड पंप को करवाया अतिक्रमण मुक्त

वार्डवासियों की शिकायत पर नगर पालिका ने की कार्यवाही

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज) ।नगर पालिका परिषद के द्वारा नगर के वार्ड नंबर २ में २८ जुलाई की दोपहर में अतिक्रमण हटाकर शासकीय संपत्ति हैंडपंप को अतिक्रमण मुक्त करवाया गया। यह कार्यवाही मुख्य नगर पालिका अधिकारी सूर्य प्रकाश उके के नेतृत्व में की गई। जिसमें अवैध अतिक्रमण को तोड़कर नगर पालिका के जल प्रदाय शाखा के द्वारा हैंडपंप का सुधार कार्य किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार नगर के वार्ड नंबर २ के वार्डवासियों को नगर पालिका की नल जल योजना के माध्यम से पानी उपलब्ध कराया जाता है। किंतु कभी कभी समस्या होने पर या कुछ ऐसे परिवार जिनके घर नल नहीं हैं वह अपनी पानी की किल्लत को दूर करने हैंडपंप के माध्यम से पानी प्राप्त करते थे। परंतु वार्डवासी नाजिया मेमन के द्वारा अपने घर के पास स्थित हैंडपंप पर अतिक्रमण कर बाउंड्रीवॉल से उसे अपने कब्जे में ले लिया गया था। जिसके बाद से वार्ड वासियों को पानी की समस्या हो रही थी उन्हें इसके लिए काफी दूरी से पानी लाना पड़ रहा था। जिसकी शिकायत वार्डवासियों के द्वारा नगर पालिका में की गई थी ।जिस पर मुख्य नगर पालिका अधिकारी के निर्देश पर नगर पालिका अमला और पुलिस बल के साथ जेसीबी लेकर सोमवार की दोपहर मौके पर पहुंचा। जहां नाजिया मेमन के द्वारा बाउंड्री वॉल बनाकर शासकीय संपत्ति हैंड पंप पर अतिक्रमण कर अपने कब्जे में ले लिया गया था। जेसीबी के माध्यम से अतिक्रमण तोड़कर हैंड पंप को अतिक्रमण मुक्त करवाया गया। वहीं जल शाखा के कर्मचारियों के द्वारा तत्काल हैंड पंप का सुधार कार्य प्रारंभ कर दिया गया नगर पालिका के द्वारा शांतिपूर्वक यह कार्यवाही पूर्ण की गई। मौके पर नगर पालिका अधिकारी कर्मचारी पुलिस बल मौजूद रहा।

इनका कहना है

नाजिया मेमन वार्डवासी वार्ड नंबर २ की है उन्होंने शासकीय भूमि में दीवार बनाकर अतिक्रमण किया था। वहां पर नगर पालिका का हेंडपम्प था जिससे रहवासियों को पानी लेने में समस्या हो रही थी। इसे देखते हुए अतिक्रमण हटाया गया है हेंडपम्प शासकीय संपत्ति है जिसे बाउंड्री वॉल बनाकर अपने कब्जे में कर लिया गया था।

सूर्य प्रकाश उके
नगर पालिका अधिकारी वारासिवनी

सोसायटी शिव मंदिर में श्री रामलीला का हुआ समापन

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज) । नगर के वार्ड नंबर ३ स्थित सोसायटी शिव मंदिर में श्रावण मास के पावन अवसर पर जारी भव्य श्री रामलीला का २७ जुलाई को समापन किया गया है। यह रामलीला १४ जुलाई से प्रारंभ की गयी थी जिसमें शाम ७.३० से १०.३० बजे तक श्री रामायण प्रचारक मंडल विध्यांचल धाम काशी उत्तर प्रदेश से पधारे कलाकारों के द्वारा रामलीला का नाट्य मंचन किया गया। जिसमें प्रतिदिन रामलीला के कलाकारों के द्वारा राजा दशरथ ,पुत्र यष्टी यज्ञ ,श्रीराम जन्मोत्सव, मुनि आगमन, ताड़का मारिज ,सुबाहु वध ,सीता.राम स्वयंवर, रावण बाणासुर संवाद, धनुष्य यन, श्री परसुराम लक्ष्मण संवाद ,श्री सीताराम विवाह ,श्री राम राज्य अभिषेक की तैयारी, श्रीराम वनवास ,सुर्पणखा नाकाच्छेदन, सीताहरण ,शबरी भेंट ,सम.सुग्रीव ,मित्रता, बाली वध ,लक्ष्मण शक्ति ,रामविलाप ,कुंभकरण ,मेघनाथ ,रावण वध, राम राज्याभिषेक का नाटक मंचन के माध्यम से मनमोहक प्रस्तुति दी गयी। रामलीला का रविवार को नाट्य मंचन के साथ पूजा अर्चना आरती कर महाप्रसादी का वितरण किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में लोगों ने उपस्थिति दर्ज कराकर धर्म लाभ अर्जित किया। यह रामलीला १४ से २२ जुलाई तक आयोजित की गई थी। किंतु वर्षा काल के कारण २७ जुलाई को आयोजन का समापन किया गया। इस दौरान प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोगों के द्वारा उपस्थिति दर्ज कराकर रामलीला का दर्शन एवं श्रवण कर धर्म लाभ लिया गया। मंदिर के सदस्यों ने बताया कि श्रावण मास के पावन अवसर पर रामलीला का आयोजन किया गया था। जिसमें बहार से आये कलाकारों के द्वारा मनमोहक और शानदार रामलीला की प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम में प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोगों ने उपस्थिति दर्ज कराई। यह रामलीला आयोजन का उद्देश्य लोगों को नाट्य मंचन के माध्यम से रामायण का ज्ञान करवाना था। युवाओं को बताना था कि किस प्रकार भगवान राम को भी संघर्ष करना पड़ा वनवास के बाद वह मर्यादा पुरुषोत्तम राम हुए। किस प्रकार भगवान ने मानव अवतार लेकर मर्यादाएं स्थापित की यह ज्ञान करवाने के लिए रामलीला आयोजित की गई थी। जिसका लाभ अनेकों लोगों के द्वारा लिया गया।

नगर में आवारा श्वान के आतंक से नगरवासी परेशान

नगर वासी और आवारा मवेशियों पर भी कर रहे हमला हो रहे घायल

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। नगर सहित क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर आवारा श्वान का आतंक बढ़ गया है। जहां यह झुंड बनाकर लोगों के पीछे दौड़ रहे हैं तो वहीं आवारा मवेशियों पर भी हमला कर रहे हैं। आवारा श्वान को लेकर लोगों में काफी डर बना हुआ है जिससे लोगों को कई प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। वर्तमान में बारिश का मौसम चल रहा है ऐसे में लोगों को समस्या बढ़ गई है यह दिन भर नगर के विभिन्न चौक चौराहों में लोगों के लिए खतरा बने हुए हैं। तो वहीं मटन मार्केट में इनकी भीड़ लगी हुई है जहां निवासरत लोगों के द्वारा उक्त आवारा श्वान पर कार्यवाही करने की मांग नगर पालिका से की जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार नगर के वार्ड नंबर १ ,२,३,४ एवं रामपायली रोड़ ,बालाघाट रोड़ ,सब्जी बाजार, मटन मार्केट, वार्ड नंबर ९ सहित अनेक स्थानों पर बीते कुछ समय से आवारा श्वान की संख्या बढ़ गई है। यह दिन के समय अलग.अलग विचरण करते हैं और रात्रि के समय करीब एक दर्जन से अधिक की संख्या में एकत्रित होकर सड़कों गलियों एवं चौक चौराहा पर विचरण करते रहते हैं। इनके द्वारा मवेशियों पर हमला भी किया जा रहा है हाल ही में वार्ड नंबर १ में गाय के बछड़े को नाली में करीब एक दर्जन से अधिक श्वान के द्वारा लहू लुहान कर दिया गया था जिसे वार्ड वासियों के द्वारा बचाया गया। तो वहीं साइकिल मोटरसाइकिल से अकेले जा रहे व्यक्तियों पर आवारा श्वान का झुंड अचानक दौड़ने लगता है। ऐसे में यह व्यक्ति को नुकसान पहुंचा सकते हैं या दुर्घटनाग्रस्त होने की भी संभावनाएं बढ़ जाती है। इस प्रकार की समस्या से नगरवासी परेशान है तो वहीं कुछ दिनों से नगर के मटन मार्केट में आवारा श्वान की संख्या बढ़ गई है। जो आसपास निवासरत लोगों पर भी दौड़ रहे हैं जिससे लोग काफी चिंतित है। विदित हो कि बारिश का मौसम चल रहा है ऐसे में आवारा श्वान के व्यवहार में काफी बदलाव आते हैं बारिश में भीगना ठंड लगना,खाना ना मिलने से उनके अंदर चिड़चिड़ापन और आक्रामकता बढ़ गयी है। यह लोगों के लिए खतरा बन सकते हैं इसलिए ऐसे समय में उनसे दूर रहने और सावधानी बरतने की सलाह दी जाती है। यह सड़कों पर घूम रहे है आवारा श्वान की समस्या से निजात दिलाने के लिए नगरवासियों के द्वारा नगर पालिका से इन्हें पड़कर दूसरे स्थान पर छोड़ने की मांग की जा रही है।

आवारा श्वान के आंतक से नगरवासी बहुत ज्यादा परेशान है-तुलसी व्यास

पूर्व पार्षद तुलसी व्यास ने बताया कि आवारा श्वान नगर के वार्ड नंबर १,२,३ में बहुत ज्यादा हो गए हैं तीन दिवस पूर्व ही एक गाय के बच्चे को इन्होंने पूरा लोच कर खून से लहू लुहान कर दिया था। बरसात में वैसे भी आवारा श्वान का मानसिक संतुलन खराब रहता है । राहगीरों के पीछे दौड़ते हैं ऐसी घटनाएं दो चार बार हो चुकी है। हालांकि अभी तक किसी व्यक्ति को लहूलुहान नहीं किया गया है और यदि ऐसी घटना होगी तो वह बहुत खराब होगा। नगर पालिका को जल्द इधर ध्यान देकर इन्हें उठाकर दूसरे स्थान पर ले जाना चाहिए।

नगर में आवारा श्वानों की संख्या बहुत ज्यादा बढ़ने से लोग परेशान है-राजेश सतपुड़े

नगर वासी राजेश सतपुड़े ने बताया कि हम मटन मार्केट के पास में रहते हैं यहां पर बहुत ज्यादा आवारा श्वान हो गए हैं। जो सुबह और शाम जमा होते हैं हमारे यहां मोहल्ले में छोटे.छोटे बच्चे हैं उनके पीछे यह दौड़ते हैं। क्योंकि बच्चे घर में रहते हैं या बाहर खेलते रहते हैं ऐसे में डर लगा हुआ है। यहां संजीवनी में भी लोग आते हैं यदि किसी को काट ले तो दिक्कत हो जाएगी । पूरे आवारा श्वान पागल हो गए हैं अभी चार.पांच दिन से इनकी संख्या बढ़ रही है और ५० से ज्यादा यहां पर घूमते रहते हैं।

आवारा श्वान से आम आदमी भयभीत है-मनोज चौधरी

नगर वासी मनोज चौधरी ने बताया कि मैं वार्ड नंबर ९ रहता हूं रात भर आवारा श्वान हमारे यहां परेशान करते हैं घरों की दीवारों को खोदते हैं। बैठने के लिए जमीन में गड्ढा करते हैं हमें रोज मिट्टी डालकर मेहनत करना पड़ रहा है बच्चों पर यह दौड़ते भी है। एक दर्जन से अधिक की संख्या आवारा श्वान की गैंग है। दरवाजा खोलते ही यह भाग जाते हैं अभी तो मेरे द्वारा अपनी दीवार के पास में ईट रख दी गई है नगर पालिका को इस पर कुछ करना चाहिए ताकि इनका खतरा कम हो सके।

इनका कहना है

आवारा श्वान का मामला हमारे संज्ञान में आया है इसमें योजना तैयार की जा रही है। संभवत बधीयाकरण करने का प्रयास रहेगा इसके लिए कार्यवाही की जा रही है ताकि इन्हें यहां से दूर ले जाया जा सके।

सूर्य प्रकाश उके
मुख्य नगर पालिका अधिकारी
वारासिवनी

जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा के प्रचार प्रसार हेतु बैठक आयोजित

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा २०२६-२७ के प्रचार प्रसार के लिए बीआरसी कार्यालय कटंगी में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में अयाज़ अंसारी लाइब्रेरियन,दीपेश कुमार जैन सहित बीआरसी के कर्मचारियों और अन्य सहकर्मियों की सक्रिय भागीदारी रही। अयाज़ अंसारी ने कक्षा ६ की प्रवेश परीक्षा के लिए फॉर्म भरने के दिशा निर्देश साझा किए। उन्होंने बताया कि फ ॉर्म ऑनलाइन वेबसाइट पर २९ जुलाई २०२५ तक भरे जा सकते हैं औऱ पात्रता के लिए छात्र को कक्षा ५ में पढ़ाई करनी चाहिए। दीपेश कुमार जैन कहा कि १०० प्रतिशत बच्चों का रजिस्ट्रेशन सुनिश्चित करना ग्रामीण क्षेत्रों के मेधावी बच्चों के लिए सुनहरा अवसर है। उन्होंने कहा की जवाहर नवोदय विद्यालय एक अनूठा संस्थान है जो नि:शुल्क आवास,भोजन, और ् आधारित गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करता है जिससे बच्चों का भविष्य उज्ज्वल होता है।

मिशन शक्ति के अंतर्गत बड़गांव (क) व टेमनी में महिला सशक्तिकरण कार्यशाला का किया आयोजन

लांजी (पद्मेश न्यूज)। मिशन शक्ति योजना के अंतर्गत महिलाओं एवं बालिकाओं को सशक्त बनाने की दिशा में एक प्रभावी पहल करते हुए तहसील लांजी के ग्राम पंचायत बड़गांव (क) व टेमनी में जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम कलेक्टर मृणाल मीणा एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग बालाघाट श्रीमती दीपमाला सोलंकी व जिला मिशन समन्वयक श्रीमती रचना चौधरी के मार्गदर्शन एवं दिशा-निर्देशन में संपन्न हुआ। खुशबू महिला मंडल की अध्यक्ष हाफिजा मिर्जा के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यशाला में ग्रामीण महिलाओं एवं युवतियों को शासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं और सुविधाओं की जानकारी दी गई। कार्यशाला के दौरान लिंग आधारित हिंसा की रोकथाम, लिंग समानता, महिलाओं एवं बच्चों से संबंधित योजनाओं जैसे वन स्टॉप सेंटर, महिला हेल्पलाइन 181, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध एवं प्रतितोष) अधिनियम 2013, तथा यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम इत्यादि के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान आंगनवाड़ी केन्द्र के कार्यकर्ताओं एवं ग्राम पंचायत के सरपंच व पदाधिकारियों को आपातकालीन संपर्क नंबरों से अवगत कराया, जिससे आमजन इन सेवाओं का आवश्यकता पड़ने पर तत्काल लाभ ले सकें। इस अवसर पर ग्राम पंचायत बड़गांव क सरपंच श्रीमती कविता खेमराज खेरे, जयवंती बल्लारे, अंजनी घोरमारे, संतकला नागदेवे, मीना बाहे, दीपीका नंदनवार, प्रतिमा भौतिक, ज्योति कावड़े, यशोदा श्रीवास, पद्मावती श्रीवास, लता चौधरी सहित आदि महिलाएं तथा ग्राम पंचायत टेमनी में सरपंच लक्ष्मण कावरे, श्रीमती त्रिवेणी कटरे, संगीता भोंडेकर, महेश मातरे, हेमंत येरपुड़े, संतोष पंचाले, खेमलाल मातरे, मुन्नालाल मेश्राम, अमन दोनाड़कर आदि की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

पौराणिक काल से ही होती रही है नागों की पूजा

श्रावण मास की शुक्ल पक्ष की पंचमी को प्रतिवर्ष देशभर में नाग पंचमी का त्योहार मनाया जाता है, जो इस वर्ष 29 जुलाई को मनाया जा रहा है। हालांकि कुछ राज्यों में चैत्र तथा भाद्रपद शुक्ल पंचमी के दिन भी 'नाग पंचमी' मनाई जाती है। ज्योतिष के अनुसार पंचमी तिथि के स्वामी नाग हैं, इसीलिए मान्यता है कि नाग पंचमी के दिन भगवान शिव के आभूषण नाग देवता की पूजा पूरे विधि-विधान से करने से घर में सुख, शांति और समृद्धि के अलावा आध्यात्मिक शक्ति, अपार धन और मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है और सर्पदंश के भय से भी मुक्ति मिलती है। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार नाग पंचमी इस बार हस्त नक्षत्र के शुभ संयोग में मनाई जाएगी। नाग पंचमी के दिन कुछ स्थानों पर 'कुश' नामक घास से नाग की आकृति बनाकर दूध, घी, दही इत्यादि से इनकी पूजा की जाती है जबकि कुछ अन्य स्थानों पर नागों के चित्र या मूर्ति को लकड़ी के एक पाट पर स्थापित कर मूर्ति पर हल्दी, कुमकुम, चावल, फूल चढ़ाकर पूजन किया जाता है और पूजन के पश्चात् कच्चा दूध, घी, चीनी मिलाकर नाग मूर्ति को अर्पित की जाती है। मान्यता है कि ऐसा करने से नागराज वासुकि प्रसन्न होते हैं और पूजा करने वाले परिवार पर नाग देवता की कृपा होती है। कुछ धर्म ग्रंथों में नागों को पूर्वजों की आत्मा के रूप में भी माना गया है। हिन्दू धर्म की मान्यताओं के अनुसार नागों को पौराणिक काल से ही देवता के रूप में पूजा जाता रहा है और नाग पंचमी के दिन नाग पूजन करने का तो काफी ज्यादा महत्व माना गया है। भारत में कई स्थानों पर नाग देवता के कई प्राचीन मंदिर हैं और नागालैंड, नागपुर, अनंतनाग, शेषनाग, नागवनी, नागारखंड, भागसूनाग इत्यादि देश में कई स्थानों का तो नाम ही नागों के नाम पर ही रखा गया है। नागालैंड को तो नागवंशियों का मुख्य स्थान माना गया है और कुछ ग्रंथों में कश्मीर को भी नागभूमि कहा गया है। भारत में दक्षिण भारत के पर्वतीय इलाकों के अलावा उत्तराखण्ड, हिमाचल प्रदेश, अरूणाचल प्रदेश, असम इत्यादि में नाग पूजा प्रमुखता से होती है। जिस प्रकार हमारे कुल देवताओं में देवी-देवता शामिल होते हैं, ठीक उसी प्रकार विभिन्न क्षेत्रों में नागों को भी 'स्थान देवता' माना जाता है। कई जगहों पर तो नागों को कुल देवता, ग्राम देवता और क्षेत्रपाल भी कहा जाता है। हमारे धर्म शास्त्रों के अनुसार कुल 33 कोटि देवी-देवता हैं, जिनमें नाग भी शामिल हैं। नागों की उत्पत्ति और उनके पाताललोक वासी होने को लेकर महाभारतकालीन एक कथा प्रचलित है। वराहपुराण के अनुसार, महर्षि कश्यप की तेरह पत्नियां थी, जिनमें से एक थी राजा दक्ष की पुत्री कद्रू, जिसने महर्षि कश्यप की बहुत सेवा की, जिससे प्रसन्न होकर महर्षि ने कद्रू को वरदाने मांगने के लिए कहा। कद्रू ने उनसे एक हजार तेजस्वी नाग पुत्रों का वरदान मांगा। महर्षि कश्यप के वरदानस्वरूप कद्रू से ही नाग वंश की उत्पत्ति हुई लेकिन जब इन नागों ने धरती पर लोगों को डसना शुरू किया तो नागों से रक्षा के लिए सभी ने ब्रह्माजी से प्रार्थना की। तब ब्रह्माजी ने सभी नागों को श्राप देते हुए कहा कि जिस तरीके से तुम लोगों पर अत्याचार कर रहे हो, अगले जन्म में तुम सभी का नाश हो जाएगा। यह श्राप सुनकर नाग भयभीत हो गए और उन्होंने कातर स्वर में ब्रह्माजी से प्रार्थना की कि जिस प्रकार मनुष्यों के रहने के लिए उन्हें पृथ्वी दी गई है, उसी प्रकार उन्हें भी इस ब्रह्माण्ड में कोई अलग स्थान दिया जाए, जिससे इस समस्या का भी समाधान हो जाएगा। तब ब्रह्माजी ने उन्हें रहने के लिए पाताल देते हुए कहा कि अब से तुम सभी भूमि के अंदर पाताललोक में ही रहोगे। उसके बाद सभी नाग पाताललोक में निवास करने लगे। माना जाता है कि ब्रह्राजी ने मनुष्यों की नागों से रक्षा के लिए जिस दिन उनके पाताल में रहने की व्यवस्था की, उस दिन सावन महीने की शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि थी और तभी से इसी तिथि पर नागों की पूजा के

ऐसी वाणी बोलिए मन का आपा खोय, औरन को शीतल करे आपहुं शीतल होय

विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र भारत पूरी दुनियाँ में बेबाकी से अपनी राय रखने के लिए जाना जाता है, क्योंकि यह आवाज 142.6 करोड़ जनसांख्यिकीयतंत्र की आवाज होती है इसलिए पूरी दुनियाँ के प्रमुख व्यक्तित्व गंभीरता से भारत के बयानों पर ध्यान देकर उसका उचित विवेकपूर्ण मंथन कर सकारात्मक समझ निकालते हैं।हालांकि अपवाद स्वरूप कुछ देश ऐसे भी हैं जो भारत की बातों को विवादों में भी ले जाने की कोशिश करते हैं। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि हम भारत माता के वंशज हैं। संस्कृति, सभ्यता हमारे लहू में समाई हुई है। हम दैनिक जीवन में भी अपनी राय बेबाकी से रखने में विश्वास रखते हैं क्योंकि हम लोकतंत्र की छत्रछाया में रहने के आदी हैं, परंतु हम में से कई लोग ऐसे भी हैं जो अपनी राय बनाने में गंभीर नहीं हैं बिना सोचे समझे बयान बाजी, राय देना सलाह देना, किसी भी बात का नकारात्मक मतलब निकालना, बिना बात के झगड़ा बढ़ाना, सहनशीलता संवेदनशीलता और सहिष्णुता की कमी के कारण जीवन में छोटी-छोटी बातों का परिणाम विभित्सक रूप धारण कर लेता है जिससे हमारी जान के लाले भी पड़ जाते हैं इसलिए हमें चाहिए कि किसी भी विषय वस्तु, बात,स्थिति पर अपनी राय बनाते,शब्दों का चयन करते द्य समय विवेकपूर्ण हाजर मंथन कर उस बात को रखना अपेक्षाकृत सटीक होगा, उस राय की सटीकता का विचार भी कुछ पलों में कर नपी तुली समझ का परिचय देना जरूरी है। चूंकि हम वैश्विक स्तरपर भारत की राय और भारत माता के सपूतों की राय प्रकट करने की बात कर रहे हैं, इसीलिए आज हम इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे आओ सोच समझकर अपनी राय बनाए, वाणी बोले।

साथियों बात अगर हम अनेक मुद्दों पर मनीषियों की राय की करें तो दरअसल, हर मुद्दे को लेकर सबकी राय अलग अलग होती है, ऐसे में कई लोग सही तरह से राय व्यक्त न कर पाने के कारण भीड़ का हिस्सा बन जाते हैं, तो कुछ लोग दिलचस्प तरीके से अपनी बात रखकर भीड़ से अलग पहचान बनाने में कामयाब हो जाते हैं,आमतौर पर हर चीज को लेकर सभी लोगों कि अपनी अपनी राय होती हैं, ऐसे में ज्यादातर लोग नुक्कड़ पर राजनीतिक चर्चा से लेकर सामाजिक मुद्दों पर विचार-विमर्श करने और घरेलू मामलों में अपनी राय देने से पीछे नहीं हटते हैं। हालांकि, इस दौरान कुछ लोगों की राय भीड़ से बिल्कुल अलग होती है. वहीं अगर हम चाहें तो कुछ इंप्रेसिव तरीकों से अपनी राय को सबसे अलग बना सकते हैं।

साथियों कई बार जल्दी जल्दी में राय देने के चक्कर में हम अपनी बात को सही तरीके से पेश नहीं कर पाते हैं, ऐसे में न सिर्फ हम सामने वाले को अपनी बात समझाने में असफल हो जाते हैं बल्कि सामने बैठे लोग हमारी बात का गलत मतलब भी निकाल सकते हैं, इसलिए, हमें अपनी राय रखने से पहले शब्दों का चुनाव काफी सोच-समझ कर ही करना है। वैसे तो हर मुद्दे पर सभी का अलग राय होती है, वहीं राय सही या गलत भी हो सकती है, मगर राय रखते समय कई लोग अपनी बात को इतने खास अंदाज में बयां करते हैं कि हम चाहकर भी उनकी बात का विरोध नहीं कर पाते हैं। हालांकि, अगर हम चाहें तो राय देने के इस दिलचस्प तरीके को अपनी व्यक्ति्तत्व में भी शामिल कर सकते हैं।

साथियों बात अगर हम राय देने में शब्दों के चयन की करें तो हमारी रोजमर्रा की जिंदगी में भी हमें शब्दों का चयन सोच समझ कर करना चाहिए, चाहे किसी से बात करने के क्रम में हो या किसी समारोह में या किसी वाद विवाद में। ऐसा माना जाता है कि हथियार या चोट के घाव तो भर जाते हैं पर शब्दों के घाव हमेशा ताजा रहते हैं। किसी मित्र की टांग खिंचाई में बड़ा मजा आता है पर ऐसा करने में हम इतने मशगूल हो जाते हैं कि कुछ अनचाहा कह जाते हैं। कुछ ऐसा ही क्रोध के समय भी होता है। इसीलिए क्रोध के समय अप्रिय बातें करने से बचना चाहिए। इसके अलावा यदि किसी को सलाह दी जाए तो इस बात का ध्यान रखा जाए कि हमारे शब्दों से उसके आत्मसम्मान को ठेस ना पहुंचे। यदि सही शब्दों का चयन किया जाए तो आदेश भी निवेदन लगेगा और बिना किसी के अहम को ठेस पहुंचे सब का काम हो जाएगा।

साथियों इसके साथ ही हमें अपने कहे गए शब्दों की जिम्मेदारी भी लेनी चाहिए। चाहे अनचाहे यदि आपकी बातों से किसी की भावनाएं आहत हो तो हमें उन बातों की जिम्मेदारी लेनी चाहिए, ना कि तरह-तरह के बहाने बनाकर अपनी बातों को सिद्ध करना चाहिए। ऐसा करके हम अनावश्यक बहस से निजात पा सकेंगे और सामने वाले के मन में भी सम्मान के पात्र बनेंगे। वास्तव में हमारे शब्द हमारे हृदय की प्रेम की अभिव्यक्ति हैं। अब यह हमारे ऊपर है कि हम इस प्रेम को संसार में लुटाएं या प्रेम की जगह घृणा फैलाएं। प्रेम पूर्वक की गई आलोचना किसी को सही मार्ग पर ला सकती है या अप्रिय शब्दों से युक्त अच्छी सलाह उसे गलत रास्ते को चुनने की ओर प्रेरित कर सकती है। इसलिए हमें शब्दों के खजाने को निरंतर बढ़ाने की आवश्यकता है ताकि इनका प्रयोग संसार में खुशियां बांटने में किया जा सके।अतएव सोच समझकर शब्दों का चयन करें।

साथियों बात अगर हम अपनी राय शाब्दिक अभिव्यक्ति के बाद तीसरे सबसे कीमती सोने पर सुहागा वाणी की करें तो, कबीर दास जी का यह दोहा और उसका अर्थ सबने सुना होगा, ऐसी वाणी बोलिए मन का आपा खोय,औरन को शीतल करे आपहुं शीतल होय,हम सब इसका अर्थ भी जानते हैं पर हम में से ऐसे कितने हैं जो इन पर अपनी मौजूदा जिंदगी में अमल करते हैं। यह सिर्फ एक दोहा नहीं है,एक फिलॉसफी है कि हम अपने शब्द का चुनाव सोच समझकर करें। आखिर शब्द ही हैं जो दोस्त को दुश्मन और दुश्मन को दोस्त बनाने की काबिलियत रखते हैं। द्रौपदी के कहे तीखे शब्द, जो उसने दुर्योधन को कहे, महाभारत के युद्ध का एक कारण बने। दूसरी तरफ दुर्योधन के शब्दों ने कर्ण को अपना मित्र बना लिया। यह दिखाता है कि किस प्रकार शब्द अपना महत्वपूर्ण स्थान रखता है। हम बिना सोचे-समझे किसी की बात को गलत कह देते हैं, क्या यह कहना इतना आसान होता है, बिना यह जाने कि पूरी बात क्या है?

साथियों एक प्रख्यात कहावत के कुछ इस तरह बोल हैंःशब्द तीर की तरह होते हैं, एक बार जुबान की कमान से निकल गए तो आप उन्हें दोबारा वापिस नहीं ले सकतें।हम बिना सोचे समझे किसी की बात को गलत कह देते हैं- आखिर क्यों?क्योंकि हम समझने के लिए नहीं बल्कि प्रतिक्रिया देने के लिए सुनते हैं। हम मन ही मन धारणाएं बना लेते हैं और हमारी प्रतिक्रियाओं के साथ तैयार होते हैं। हम सामने वाले की बातों को समझकर नहीं सुनते। और इसकी कई वजहें हैं जिनके बारे में मैं इस उत्तर में नहीं समझा सकतीं।

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि आओ सोच समझ कर अपनी राय बनाएं, वाणी बोले। किसी भी विषय वस्तु पर अपनी राय बनाते, शब्दों का चयन करते समय विवेकपूर्ण हाजिर मंथन जरूरी है। जीवन में छोटी-छोटी बातें विभित्सक रूप धारण कर सकती है इसलिए निर्णय से पहले सटीकता परखना जरूरी है।

- किशन सनमुखदास भावनानीं

राजाबाबू के राम, नई पहल, नया विवाद

1994 बैच के आईपीएस अधिकारी अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक ट्रेनिंग राजा बाबू सिंह ने एक सलाह क्या दी उस पर विवाद शुरू हो गया, यद्यपि राजा बाबू सिंह की ये सलाह कि जिन सिपाहियों की नई भर्ती हो रही है और जिन्हें पुलिस कार्यप्रणाली की ट्रेनिंग दी जा रही है वे सोने के पूर्व रामचरितमानस का पाठ करें यद्यपि ये निर्देश किसी के लिए अनिवार्य नहीं बल्कि स्वैच्छिक हैं लेकिन धर्म निरपेक्षता की दुहाई देने वाले इस निर्देश को विवादास्पद बनाने में जुट गए हैं।

दरअसल यह विवाद उस वक्त शुरू हुआ जब अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक ट्रेनिंग राजा बाबू सिंह ने वीडियो कांफ्रेंस के जरिए सभी पुलिस अधीक्षकों को ये निर्देश दिए कि नई भर्ती होने वाले सिपाहियों को ये बताएं कि यदि वे सोने के पूर्व रामचरितमानस का पाठ करते हैं तो न केवल उनमें नैतिक साहस की बढ़ोतरी होगी बल्कि वे मानसिक रूप से भी मजबूत भी होंगे, इधर ये निर्देश जारी हुआ ही था कि कि इस निर्णय पर सवाल उठने लगे ।. वहीं राजा बाबू सिंह की सोच ये थी कि प्रदेश में जो नई भर्ती सिपाहियों के रूप में हो रही है उन्हें रामचरितमानस में भगवान राम के चौदह वर्ष के वनवास का हिस्सा पढ़ना चाहिए कि घर से दूरी कई बार क्यों जरुरी हो जाती है. और इस सोच के पीछे भर्ती होने वाले सिपाहियों की होमसिकनेस सबसे बड़ा मुद्दा था उनके मुताबिक अनेक सिपाहियों ने इस बात के आवेदन उन्हें दिए थे कि उन्हें घर के पास ही ट्रेनिंग के लिए भेज दिया जाए क्योंकि वे घर से दूर नहीं रहना चाहते। इस मुद्दे पर राजा बाबू सिंह ने इन नए रंगरूटों को यह शिक्षा देने की कोशिश की की कि जिस तरह भगवान श्री राम ने अपने परिवार से दूर जंगल में चौदह वर्ष बिताए, अपनी पत्नी को खो दिया, शबरी के झूठे बेर खाए उसी तर्ज पर इन नए रंगरूटों को अपने घर से दूर रहने की शिक्षा रामचरितमानस के पाठ से मिल सकती है, मर्यादा का पालन करना भगवान राम का सबसे प्रमुख गुण था इसीलिए उन्हें मर्यादा पुरुषोत्तम राम कहा जाता है पुलिस के सिपाहियों की भी एक मर्यादा होती है और यदि वे रामचरितमानस का पठन करेंगे तो उन्हें अपनी मर्यादा का एहसास होगा लेकिन. कांग्रेस ने इस निर्देश को गैर संवैधानिक बता दिया उधर जमीअत ए उलेमा संगठन ने सुझाव दे दिया है कि अगर पुलिस वालों को धार्मिक ग्रंथ पढ़ाना ही है तो, फिर बाकी धर्म ग्रंथ भी इस ट्रेनिंग में शामिल किये जाने चाहिए।

राजा बाबू सिंह के इस निर्देश पर यदि अमल होने लगेगा तो मध्य प्रदेश में पुलिस की नौकरी में भर्ती के लिए आरक्षक अब फिजीकल और मेंटल ट्रेनिंग के साथ प्रतिदिन रामचरितमानस का पाठ भी करेंगे. यह उनकी ट्रेनिंग का ही हिस्सा होगी. इसके पीछे वजह ये बताई गई है कि ट्रेनिंग के दौरान ये पाठ उन्हें परिवार से दूर रहने पर भी आत्मबल देगा. जब भगवान होकर श्रीराम चौदह वर्ष वनों में गुजार सकते हैं, तो ये चंद दिनों की ट्रेनिंग क्या मुश्किल है.।

इस संदर्भ में जब राजा बाबू सिंह से चर्चा की गई तो उन्होंने बताया कि रामचरितमानस की चौपाइयों के जरिए पुलिस जवान उनके अर्थों को अपने जीवन में उतार सकें, इसलिए पुलिस ट्रेनिंग सेंटर के सभी जवानों के लिए रात में सोने से पहले एक साथ बैठकर चौपाइयों के सामुहिक पाठ के निर्देश दिए गए हैं. इसके लिए सभी पुलिस अधीक्षकों को श्री रामचरितमानस की हर केंद्र पर एक प्रति रखवाने के लिए भी निर्देश दिए गए हैं.उनका कहना था कि पुलिस के जवानों को भगवान श्री राम के चरित्र से इसलिए भी सीखने की सलाह दी है ताकि घर से दूर रहकर भी अपने जीवन को सशक्त सार्थक करें और नए दौर की अपराधों से निपटने के लिए हर विधा में मजबूती से पारंगत हो सके. जिस तरह भगवान श्रीराम ने अपने वनवास काल के दौरान जंगलों में रहने और वानरों की सेना बनकर महायोद्धा रावण से युद्ध कर उसे परास्त किया था उसी तर्ज पर ये सिपाही अपनी नई भूमिका का निर्वाह करते हुए अपराध रूपी रावण का अंत करने में सफल होंगे। राजाबाबू सिंह ने कहा कि रामानंद सागर के विश्वप्रसिद्ध सीरियल रामायण में भगवान राम का चरित्र निभाने वाले अभिनेता अरुण गोविल ने भी कहा था कि रामचरितमानस केवल एक धार्मिक ग्रंथ नहीं एक सोशल गाइड है।

राजाबाबू सिंह के इस निर्देश और सलाह को कांग्रेस ने बेहद विवादास्पद शुरुआत बताया है. कांग्रेस का कहना है कि क्या संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति को इस तरह की असंवैधानिक बात करनी चाहिए. ना हमारी पार्टी को रामचरितमानस पढ़ाए जाने से आपत्ति है और ना किसी व्यक्ति को किसी तरह का एतराज है, लेकिन पुलिस का एक ही धर्म है और वह संविधान का पालन करना है. सवाल ये खड़ा होना चाहिए कि क्यों घर से दूर ट्रेनिंग में पुलिस कर्मियों को दिक्कत हो रही है.।

जमीअत ए उलेमा के मध्य प्रदेश प्रमुख हाजी हारून ने भी इस निर्णय पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि हर धर्म में जो अच्छी शिक्षा है. वो पुलिस कर्मियों तक पहुंचनी चाहिए. फिर चाहे वो कुरान की बात हो या बाइबिल की.।.दूसरी तरफ हिंदुत्व का मुद्दा लेकर चलने वाली भारतीय जनता पार्टी ने राजाबाबू सिंह की इस पहल का स्वागत किया है । प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल ने कहा कि विरोध कर रही कांग्रेस रामचरितमानस का पाठ कर लें. भगवान राम का जीवन कैसे समाज के हर वर्ग के लिए दिशा देता है, ये जान लें. भगवान राम के चरित्र में त्याग, कत्तर्व्यपरायणता, अनुशासन सबका समावेश है उनका जीवन एक प्रकाश स्तंभ की तरह सबको आलोकित करता है।

1994 बैच के आईपीएस अधिकारी राजा बाबू सिंह का भगवान राम और श्रीमद भगवतगीता के प्रति बेहद लगाव रहा है 1992 में उन्होंने अयोध्या में बन रहे राम मंदिर के निर्माण में सहयोग भी दिया था। 94 में आईपीएस बने उसके बाद अनेक जिलों में एसपी डीआईजी रहते हुए उन्होंने कई नवाचार भी किए जबलपुर में भी वे अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के रूप में पदस्थ रहे वहीं ग्वालियर में आईजी के पद पर रहते हुए उन्होंने गीता की हजारों प्रतियां वितरित की थी। कश्मीर में आईजी बीएसएफ, आइटीबीपी जैसे महत्वपूर्ण विभागों में उन्होंने अपनी सेवाएं दी थी इस मसले पर भले ही विवाद शुरू हुआ हो लेकिन यदि देखा जाए तो जो सिपाही होमसिकनेस से पीडत़ि है उनके लिए भगवान राम की यह अमर कथा उन्हें मानसिक रूप से संबल प्रदान कर सकती है।

-चैतन्य भट्ट

एनसीईआरटीः नफरत को बढ़ावा देने इतिहास का इस्तेमाल

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) वह संस्था है जो स्कूली पाठ्यपुस्तकों की सामग्री के संबंध में अंतिम निर्णय लेती है। पिछले कुछ दशकों से विद्यार्थियों को तार्किक व निष्पक्ष ढंग से हमारे अतीत के बारे में ज्ञान देने की बजाए इसकी किताबें साम्प्रदायिक नजरिया पेश करने का जरिया बन गई हैं। चूंकि इतिहास युवा दिमागों की समझ को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, इसलिए पाठ्यक्रम को साम्प्रदायिक रंग देने से विभिन्न तरीकों से पहले ही बेगाने बना दिए गए समुदाय (मुसलमानों) के प्रति मौजूदा नफरत और बढ़ेगी।

अंग्रेजों ने जो इतिहास लेखन किया वह राजाओं को उनके धर्म के चश्मे से देखता था। राजा केवल दौलत और सत्ता की खातिर राज करते थे मगर उन्हें इस तरह पेश किया गया मानो उनका एकमात्र एजेंडा अपने-अपने धर्म को ब ?ावा देना था। इस तथ्य को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया गया कि बहुत से युद्ध एक ही धर्म के राजाओं के बीच हुए थे। उनकी सेनाओं में दोनों धर्मों के सैनिक होते थे। उन्होंने बहुत से ऐसे काम किए, बल्कि ज्यादातर ऐसे काम किए, जिन्हें आज के दौर के पैमानों पर स्वीकार नहीं किया जा सकता। अपने साम्राज्य के विस्तार के लक्ष्य को हासिल करने के लिए कई बार दो प ?ौसी राज्यों के राजाओं के बीच युद्ध होते थे। युद्ध सबसे अमानवीय कृत्य होता है, और इन युद्धों में बरती गई निर्दयता या राजाओं के अन्य बुरे काम किसी एक धर्म के राजाओं तक सीमित नहीं थे।

जहां शिवाजी ने पहला युद्ध चन्द्र राव मोरे के खिलाफ लड़ा, वहीं बाबर को अपना राज स्थापित करने और भारत में अपने वंश की नींव डालने के लिए इब्राहिम लोधी को पराजित करना प ?ा। महान चोल और चालुक्य राजाओं के बीच भी एक युद्ध हुआ। राजाओं को उनके दौर से अलग करके नहीं देखा जा सकता। आज के भारत में मुगल राजाओं द्वारा ढाए गए जुल्मों को उनके संदर्भ, उनके दौर से अलग करके प्रस्तुत किया जा रहा है ताकि उन्हें कलुषित किया जा सके। एक अन्य बात भी समझनी जरूरी है और वह यह कि राजाओं के प्रशासनिक ढांचे में दोनों धर्मों के लोग होते थे, लेकिन एक जटिल प्रक्रिया के माध्यम से मुस्लिम राजाओं को आज के मुसलमानों के साथ और हिंदू राजाओं को आज के हिंदुओं के साथ जोड़कर देखा जा रहा है। मुसलमान राजाओं के दानवीकरण का हर नया दौर, आज के मुसलमानों को और अलग-थलग कर देता है और उनकी मुसीबतें बढ़ा देता है।

ये सारी बातें एक बार फिर दोहराने की जरूरत इसलिए पड़ी क्योंकि एनसीईआरटी की कक्षा 8 की सामाजिक विज्ञान की पुस्तक सार्वजनिक हो गई है। इसमें 13वीं से 17वीं शताब्दी तक भारत के इतिहास का पुनरीक्षित विवरण दिया गया है। यह पुस्तक 'समाज का अध्ययन: भारत और उसके आगे' श्रृंखला का हिस्सा है। यह एनसीईआरटी द्वारा दिल्ली सल्तनत और मुगलकाल के बारे में विद्यार्थियों को बताने वाली पुस्तकों की श्रृंखला में पहली है।

इस बार एनसीईआरटी ने मुस्लिम राजाओं का दानवीकरण करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। उसके अनुसार मंदिरों को ध्वस्त करने का उद्देश्य मूर्तियों को तोड़ना था। लेकिन यदि हम मंदिरो को ध्वस्त किए जाने की घटनाओं का गहराई से अध्ययन करेंगे तो एक अलग ही कहानी सामने आएगी। हम जानते हैं कि कल्हण रचित 'राजतरंगिणी; में राजा हर्षदेव के बारे में बताया गया है कि उन्होंने देवोत्तपतन नायक पदनाम से एक विशेष अधिकारी की नियुक्ति की थी जिसकी जिम्मेदारी थी देवताओं की मूर्तियों को नष्ट करना। उन्हांने ऐसा दौलत हासिल करने के लिए किया था, क्योंकि मूर्तियों के नीचे अक्सर सोने-चांदी के जवाहरात दबे होते थे। हर्षदेव संभवत: सबसे ज्यादा मंदिरों को नष्ट करने वाले राजा थे।

अब किसी विश्वसनीय स्त्रोत से पुष्टि के बिना औरंगजेब द्वारा नष्ट किए गए मंदिरों की संख्या को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जा रहा है। यह सच है कि औरंगजेब ने कुछ मंदिरों को तोड़ने का आदेश दिया था लेकिन उसके द्वारा नष्ट किए गए मंदिरों की संख्या से ज्यादा बड़ी संख्या ऐसे मंदिरों की है जिन्हें उसने दान दिया। 'फरमान्स ऑफ किंग औरंगजेब' शीर्षक डॉ. विश्वम्भरनाथ पांडे द्वारा लिखित पुस्तक में उन असंख्य मंदिरों की सूची दी गई है जिन्हें औरंगजेब ने दान दिए। जहां तक बाबर का सवाल है, उसके द्वारा राम मंदिर नष्ट किया जाना, दोनों समुदायों के बीच खाई को गहरा करने वाला मुख्य मुद्दा बन गया। इलाहबाद उच्च न्यायालय ने हिंदुओं को मस्जिद का एक हिस्सा दिए जाने का फैसला 'आस्था' के आधार पर दिया, ना कि किसी विधिक तर्क के आधार पर। सर्वोच्च न्यायालय के फैसले में भी मस्जिद के नीचे मंदिर होने की बात को सही नहीं माना गया। राष्ट्रीय संग्रहालय दिल्ली में मौजूद बाबर की वसीयत के मुताबिक बाबर ने हुमांयू को यह सुनिश्चित करने का आदेश दिया था कि मंदिरों को नष्ट न किया जाए और गौवध न हो क्योंकि यहां बहुसंख्यक लोग हिंदू हैं और उनकी आस्था और भावनाओं का सम्मान किया जाना चाहिए। यह इस बात का सबूत था कि बाबर एक व्यवहारिक शासक था।

एनसीईआरटी की पुस्तक में चित्तौड़गढ़ में 30,000 लोगों के कत्ल और अकबर के मंदिरों को नष्ट करने के आदेश का हवाला दिया गया है। चित्तौड़गढ़ की घेराबंदी में राजपूत राजा भगवंत दास, अकबर के सहयोगी थे। यह पक्के तौर पर कहा जा सकता है कि बहुत से हिन्दू राजाओं ने भी इसी तरह के काम किए थे। चोलों और चालुक्यों के बीच हुए युद्ध में विजयी चोलों ने पूरे शहर को नष्ट कर दिया था और बहुत से जैन मंदिरों को भी जमींदोज किया था। पुष्यमित्र शुंग ने बौद्ध भिक्षुओं की हत्या और बौद्ध विहारों और स्तूपों को नष्ट करने का अभियान चलाया था। बाल सामंत की पुस्तक 'शिवकल्याण राजा' हमें शिवाजी की सेना द्वारा सूरत में की गई लूटपाट, आगजनी और लोगों पर हमलों के बारे में बताती है। यह सब राजशाही के उस दौर में आम था।

युद्धों में निर्ममता बरती जाती थी और इसका राजा के धर्म से कोई संबंध नहीं था। जिस सबसे बड़े तथ्य को नजरअंदाज किया जाता है या छुपाया जाता है वह यह है कि मुगल राजाओं की सेनाओं में हिंदू राजपूत सैनिक होते थे और हिंदू राजाओं की सेनाओं में मुस्लिम सैनिक। अन्यों के अलावा अकबर की सेना में मानसिंह थे और औरंगजेब की सेना में जयसिंह और जसवंत सिंह थे। राणा प्रताप की सेना के सेनापति हाकिम खान सूर थे और दौलत खान, इब्राहिम गर्दी और बहुत से सिद्दी शिवाजी महाराज के साथ थे। इस पुस्तक में इतिहास का विवरण चुन-चुनकर दिया गया है, और कई मामलों में मुसलमानों के हिंदू राजाओं के साथ होने या हिंदुओं के मुस्लिम राजाओं के साथ होने की बात को छिपाया गया है।

जहां बाबर, अकबर और औरंगजेब की क्रूरता का विवरण दिया गया है वहीं उनके प्रशासन और सेना में दोनों धर्मों के लोगों के होने का जरा सा भी जिक्र नहीं है। इसी तरह तथ्य यह है कि मुगल साम्राज्य के पूरे दौर में जड़िया लागू नहीं था। अकबर 1560 में राजगद्दी पर बैठा और उसने दो-तीन साल के अंदर ज ?िया हटा दिया। जड़िया धर्म-परिवर्तन को प्रोत्साहित नहीं करता था, बल्कि वह गैर-मुसलमानों पर लगाया जाने वाला एक कर था, जिन्हें धिम्मी कहा जाता था अर्थात वह समुदाय जिसे मुस्लिम राज्य का संरक्षण हासिल था। ब्राम्हणों और महिलाओं को इस कर से छूट थी। इससे धर्म परिवर्तन को प्रोत्साहन इसलिए नहीं मिलता था क्योंकि मुसलमानों को जकात का भुगतान करना होता था, जो लगभग जड़िया के बराबर थी।

इस काल को इतिहास का काला दौर कहा जा रहा है। इतिहास के हर दौर के कुछ उजले पहलू होते हैं और कुछ शर्मनाक। इस काल में अति मानवीय सूफी और भक्ति परंपराओं का उदय हुआ। इस काल में ही सिक्ख धर्म की स्थापना हुई और वह फला-फूला। इतिहास के इस काल में ही दोनों प्रमुख धर्मों की परंपराओं के सामाजिक और सांस्कृतिक मेलमिलाप से एक मिश्रित संस्कृति - गंगा-जमुनी तहजीब - का उदय हुआ। इस काल में ही दोनों धर्मों की कई प्रथाओं के संश्लेषण से इस सरजमीं के रीति-रिवाजों ने आकार लिया।

-राम पुनियानी

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। लेवाली अटकने से सोमवार को अनाज मंडी में चने में बाजार मंदी के रहे। उड़द व मूंग में टिकाव रहा। खाद्य तेलों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। तिलहनों में सरसो व रायडा घटाकर बोला गया। किराना जिंसों में शक्कर में मजबूती रही। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार चने में पूछपरख के अभाव में बाजार मंदी के रहे। चना 6350 रू. प्रति क्विंटल पर कमजोर रहा। मसूर में सुस्ती बनी। खाद्य तेलों में कारोबारी सुस्ती आयी। तिलहनों में लेवाल ठंडे रहने से सरसो व रायडा घटाकर बोला गया। किराना जिंसों में शक्कर मजबूत बनी रही। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4120-4180, खोपरा गोला 320-390, खोपरा बूरा 4400-6600 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 250-265, मीडियम 280-285, ऊंझा हल्का 270-275, बेस्ट 290-320, हल्दी निजामाबाद 170-210, सांगली 265-270, साबूदाना हल्का 4500-4600, मीडियम 4650-4850, बेस्ट 5100-5500, ग्लास 6100, वरलक्ष्मी 5350, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 110-250, एस्ट्रा बेस्ट 300-400, सौंफ बारिक 280-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 770-800, गरबल 740-750, मटरदाना 825-850, खसखस अनक्लीन 900-1200, क्लीन 1300-1500, दालचीनी 250-265, जायफल 725-750, बेस्ट 780-790, वाद्यान फूल 440-495, शाहजीरा 385, तेजपान 90-95, पत्थर फूल 340-425, बेस्ट 475-500, जावत्री 1675-1750, बेस्ट 1850-1890, केसर 175-185, सौंठ 375-400, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 765-775, बेस्ट 800-810, हींग (वनदेवी 751) 2600, पाउच 2650, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 100-135, सिंदूर 6600, देशी कपूर 720-770, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरि इलायची शंकर 2850-2950, विरूद्ध नगर 2950-3025, मीडियम 2975-3050, बोल्ड 3075-3150, एक्ट्रा बोल्ड 3250-3450, पानबार 2450, बड़ी इलायची 1550-1800, बेस्ट 1850-1950, तरबूज मगज 480-500, काजू (240) 950-960, काजू (210) 950-1000, काजू (320) 830-860, काजू एस. डब्ल्यू 800-810, जे.एच. 840-860, टुकड़ी 780-850, बादाम मगज 860-880, अमेरिकन 750-780, सिंगापुरी 795-815, अखरोट 510-800, जर्दालु 250-350, बेस्ट 450-600, किशमिश कंधारी 420-470, बेस्ट 550-650, इंडियन 140-150, बेस्ट 170-190, चारौली 1550-1650, बेस्ट 1700, मुनक्का 450-550, बेस्ट 650-900, अंजीर 750-1450, मखाना 1100-1625, खारक 115-135, मीडियम 140-180, बेस्ट 225-250, एक्ट्रा बेस्ट 300-310, पिस्ता 1400-1600, कंधारी 1750-1900, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 3300-3350, (160) 4100-4150, (200) 4800-4850, (250) 5000-5100

तेल- सींगदाना 1430-1440, मुम्बई 1450, राजकोट तेलिया 2250-2260, सोया साल्वेंट 1140-1150, सोया रिफाइंड 1200-1210, कपास्या 1320, धूलिया 1325, कड़ी 1325,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1380-1405, मुम्बई पाम 1210, मुम्बई सोया 1230,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2300, देवास-उज्जैन 2300, खंडवा-बुरहानपुर 2275, अकोला 3175 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 6800-6900, रायडा 6600-6700, सोयाबीन 4350-4400, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 6300-6350, एवरेज 6150-6200, विशाल 5450-5550, काबूली डॉलर 8500-9000, काबुली रशियन 5600-5800, बिटकी 5300-5400, मसूर बेस्ट 6100-6200, एवरेज 6050-6100, मूंग देशी 7400-7500, पाला 7500-7600, चमकी 7500-7600, नायलोन 7600-7700, तुअर निमाड़ी बेस्ट 6600-6700, एवरेज 6500-6600, हल्की 6400-6500, तुअर महाराष्ट्र 6600-6700, महाराष्ट्र लाल 6600-6900, उड़द बेस्ट 7400-7500, एवरेज 7200-7300, शंकर 7000-7100, हल्की 6900-7000,

दाल- चना दाल एवरेज 7700-8300, बोल्ड 8600-8800, तुअर दाल सवा नं. 7300-7400, तुअर दाल फूल 9000-9100, तुअर दाल बोल्ड 9900-10100, मसूर दाल एवरेज 7750-7850, बेस्ट 7950-8100, मूंग दाल 9500-9600, बोल्ड 9800-10000, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल- चावल हंसा सफेद 3000-3200, सेला 3500-3800, परमल 3400-3500, दुबराज 4000-4500, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8900, बासमती दुबार 9000-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 4500-6000, तिबार 10500-11000, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

मावा- इन्दौर 320, उज्जैन 280, रतलाम 280 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। सोमवार को विदेशी बाजारों की अगुवाई में स्थानीय सराफा बाजार में दोनों मूल्यवान धातुओं में बाजार तेजी के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 114300, चाँदी (99) 114200, टंच 113600, सिक्का 1200, सोना 10 ग्राम 98300,

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया 17 पैसे की गिरावट के साथ ही 86.69 रुपये पर बंद हुआ। आज सुबह शुरुआती कारोबार में नौ पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.43 पर पहुंच गया। अमेरिका-भारत शुल्क वार्ता के केंद्र में बने रहने के कारण स्थानीय मुद्रा में तेजी हालांकि सीमित रही। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि रुपया सीमित दायरे में कारोबार कर रहा है, क्योंकि आयातकों की ओर से डॉलर की मांग जारी रहने से अमेरिकी डॉलर, रुपये के मुकाबले मजबूत बना हुआ है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया सकारात्मक रुख के साथ खुला और शुरुआती कारोबार में डॉलर के मुकाबले 86.43 के स्तर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से नौ पैसे की बढ़त दिखाता है।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। आप अपने शत्रुओं को आसानी से मात देने में कामयाब रहेंगे और आप अपनी पारिवारिक जिम्मेदारियां को लेकर भी काफी सतर्क रहेंगे। आपको एक साथ कई काम हाथ लगने से व्याग्रता बढ़ सकती है। आप संतान के मन में चल रही उलझनों को जानकर दूर करने की कोशिश करें। यदि उनको किसी विषय में कोई समस्या आ रही है, तो उसके लिए आप उनके गुरुजनों से बातचीत कर सकते हैं।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए किसी काम को लेकर सावधान रहने के लिए रहेगा। आपके मित्र आपके शत्रु बन सकते हैं, जिन्हें आपको पहचान की आवश्यकता है। भगवान की भक्ति में आपका खूब मन लगेगा। आप किसी जरूरी काम को लेकर अक्समात यात्रा पर जा सकते हैं। आप अपने माताजी के दी गई जिम्मेदारियों में ढील देने से बचना होगा। परिवार में किसी सदस्य के स्वास्थ्य में गिरावट आ सकती है, जिसको लेकर आपका मन परेशान रहेगा।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए धैर्य और साहस से काम लेने के लिए रहेगा। आप कार्यक्षेत्र में किसी से जबरदस्ती अपनी बात मनवाने की कोशिश न करें, नहीं तो आपके बॉस से आपके रिश्ते खराब हो सकते हैं। आप वाहनों का प्रयोग थोड़ा सावधान रहकर करें। आपके आसपास में यदि कोई वाद-विवाद की स्थिति उत्पन्न हो, तो आप उसमें चुप रहें। आपका कोई पुराना रोग उभर सकता है, जिसको लेकर लापरवाही करना आपको नुकसान देगा।

कर्क- आज आपके निर्णय लेने की क्षमता भी बेहतर रहेगी। आप कामकाज को लेकर कहीं यात्रा पर जा सकते हैं। आपको इसके बाद एक के बाद एक शुभ सूचना सुनने को मिल सकती है। आपको काम के चक्कर में अत्यधिक धन लगाने से बचना होगा। आप अपने कीमती सामानों के सुरक्षा आवश्यक करें। आपकी किसी नए काम को करने की इच्छा हो, तो आप किसी अनुभवी व्यक्ति से सलाह मशवरा किये बिना बिल्कुल आगे ना बढ़ें।

सिंह- आज का दिन आपके लिए धन धान्य में वृद्धि लेकर आने वाला है। परिवार में किसी मांगलिक कार्यक्रम का आयोजन हो सकता है, जिससे आपका मन काफी खुश रहेगा। आप दिल से लोगों का भला सोचेंगे, लेकिन लोग इसे आपका स्वार्थ समझ सकते हैं। आपको अपने कामों को किसी दूसरे पर टालने से बचना होगा। बैंकिंग क्षेत्रों में कार्यरत लोगों के लिए कोई अच्छा ऑफर आ सकता है।

कन्या- आज का दिन आपके लिए रचनात्मक कार्यों से जुड़कर नाम कमाने के लिए रहेगा। आप किसी से कोई वादा बहुत ही सोच समझकर करें। आपको किसी पैतृक संपति की प्राप्ति होने से आपका मन काफी खुश रहेगा। संतान को भी उनकी पढ़ाई के लिए कोई पुरस्कार मिल सकता है। आपकी कुछ महत्वपूर्ण लोगों से मुलाकात होगी, जो आपके बिजनेस में आपकी काफी मदद करेगा।

तुला- आज का दिन व्यवसाय कर रहे लोगों के लिए अच्छा रहने वाला है। आपको अपने कामों को धैर्य और साहस से निपटाने की आवश्यकता है। आप कोई निवेश थोड़ा सोच समझकर करें। घूमने-फिरने के दौरान कोई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी। आपको अपने मन में चल रही समस्याओं को लेकर अपने पिताजी से सलाह मशवरा कर सकते हैं। आपकी तरक्की की राह में आ रही बाधाएं दूर होगी। कोई नए काम की शुरुआत करना आपके लिए अच्छा रहेगा।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए उन्नति की राह पर आगे बढ़ने के लिए रहेगा। प्रतिस्पर्धा का भाव आपके मन में बना रहेगा। मित्रों के साथ आप अपने आगे के भविष्य को लेकर कोई फैसला ले सकते हैं। किसी कानूनी मामले में आपको थोड़ा ध्यान देना होगा। आप किसी से प्रलोभन में ना आए, नहीं तो आपका धन फंस सकता है। किसी सरकारी योजना का आपको पूरा लाभ मिलेगा। आपको अपनी संतान की संगति पर विशेष ध्यान देना होगा।

धनु- आज का दिन विद्यार्थियों के लिए अच्छा रहने वाला है। उच्च शिक्षा के मार्ग प्रशस्थ होंगे। आपकी आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर होगी, क्योंकि यदि आपने किसी को धन उधार दिया था, तो वह आपको वापस मिल सकता है। जीवनसाथी से भी यदि किसी बात को लेकर अनबन चल रही थी, तो वह भी दूर हो सकती हैं। आपका कोई परिजन आपके घर दावत पर आ सकता है। आपको अपनी शारीरिक समस्याओं को नजरअंदाज करने से बचना होगा।

मकर- आज का दिन आपके लिए भाग्य के दृष्टिकोण से अच्छा रहने वाला है। मामा पक्ष से आपको धन लाभ मिलेगा। आपके बिजनेस की योजनाओं को गति मिलेगी। आप अपने कामों को लेकर काफी गंभीरता दिखाएंगे, तभी वह समय से पूरे होंगे। आपको किसी पुरानी गलती से आपको सबक लेना होगा। जिस काम में आप हाथ डालेंगे, उसमें आपको सफलता अवश्य मिलेगी।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। आप अपने पिताजी से किसी चीज को लेकर जिद कर सकते हैं। संतान के मन में चल रही उलझनों को आपको जानने की कोशिश करनी होगी। आप उन पर कोई जबरदस्ती जिम्मेदारी ना डालें। परिवार में चल रही कलह फिर से शुरू हो सकती है, लेकिन आप उसे दूर करने की पूरी कोशिश करेंगे।

मीन- आज आपको कामों को लेकर थोड़ा सावधान रहने की आवश्यकता है। आप किसी से कोई जरूरी जानकारी शेयर ना करें और अपने अधूरे कामों को समय से पूरा करने की कोशिश करें। आपको अपने खानपान में सुधार लाना होगा, क्योंकि आपकी शारीरिक समस्याएं बढ़ सकती हैं। आपको छोटों की गलतियों को बड़प्पन दिखाते हुए माफ करना होगा। दाम्पत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी।

शब्दजाल - 7974

शब्द जाल में अरुणा इरानी की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम ऊपर से नीचे एवं तिरछे भी हो सकते हैं.

प्र	अ	मे	जि	मि	ल	न	का	र	प	श
न	का	क	ग	इं	डो	ने	ग	ति	मा	म
अ	दा	र	री	मा	ग	ब	द	ह	प	शी
जी	ग	ल	दो	भा	न	स	च	ह	लि	र
त	अ	अ	स्त	न	ई	मे	ह	प	न	दे
अ	नो	खी	रा	त	प	भा	त	ह	न	बां
ह	मा	ल	मा	व	मे	ला	ई	मा	न	ग
सा	न	भा	र	न	प	रे	रा	ल	वि	ला
न	न	बा	आ	ग	का	र	दो	न	जू	दे
र	का	ति	मा	न	सिं	ब्रा	स	स्त	प	श
ब	र	ब	ड़ी	दी	दी	स	त्ता	प	र	र

अनोखी रात, बड़ी दीदी, मेरे दोस्त, मिलन, शमशीर, आग, भाई भाई, बचपन, अहसान, जिगरी दोस्त

शब्दजाल - 7973 का हल

मे	म	सा	ब	सी	ब	से	ज	ग	ल	व
म	रे	ली	प्रे	शा	न	स	व	ज	कां	ड़
स	मे	हु	बा	दी	छ	मि	आ	क	ब	क
इं	नौ	ब	जु	बा	वा	स	थ	ह	ष	रा
डि	आ	शि	का	र	चा	न	सा	न	भ	जा
या	ल	मि	र	रा	क	ब	ती	ण	घ	रा
द	सिं	प	ल	छ	वा	र	स	बा	व	नी
ह	ह	ऊ	ई	न	ब	क	फ	चो	श	क
म	म	तु	ला	र	की	स	या	औ	र	आ
दो	गॉ	ल	प	लि	जी	रा	भ	म	प	द
नों	ड	क	र्क	य	क	र	त	सं	ता	न

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 6918

ऊपर से नीचे:-

१. नसीर, शाहरूख, रीनाराय की फिल्म-३
२. 'एक लड़की हो गई राजी' गीत वाली राहुल राय, शीबा की फिल्म-३
३. जीतेंद्र, विश्वजीत, मुमताज की 'हमें तुमसे तुम्हें हमसे' गीत वाली फिल्म-३
४. 'एक हसीना थी एक' गीत वाली ऋषिकपूर, टीना मुनीम की फिल्म-२
५. किशोरकुमार, माला की 'प्यार का जहाँ हो छोटा सा' गीत वाली फिल्म-४
६. 'बेदर्दी बालमा तुझको मेरा मन' गीत वाली फिल्म-३
८. राज बब्बर, राजीव कपूर, डिम्पल की 'जीने दे ये दुनिया' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'अली अली मैं जोगन बन गई' गीत वाली अम्पित पटेल, मीरा की फिल्म-३
१२. सुनीलदत्त, रेखा की 'हाय मेरी मजबूर जवानी' गीत वाली फिल्म-२,३
१४. 'उंगली में अंगूठी' गीत वाली सनी, अनिल कपूर, श्रीदेवी की फिल्म-२,४
१६. गोविंदा, आदित्य, नीलम, मंदाकिनी की अजय कश्यप निर्देशित फिल्म-४
१७. 'सगरे जगत का इक' गीत वाली अमिताभ, हेमा मालिनी की फिल्म-३
२५. राजेश खन्ना, पूनम ढिल्लों की 'ऐसी हसीन चाँदनी' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'पर्दे में कोई बैठा है' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'तू सामने जब आता है' गीत वाली फिल्म-३
२८. फिल्म 'मेहबूबा' में नायिका कौन थी-२
२९. रितिक रोशन, करिश्मा की फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. सनी, रजनीकांत, श्रीदेवी की फिल्म-४
३. किरणकुमार, राधा सलूजा की 'दिल का नजराना ले ओ' गीत वाली फिल्म-३
६. 'आजा रे अब मेरा दिल पुकारा' गीत वाली राज कपूर, नर्गिस की फिल्म-२
७. राजेंद्रकुमार, शर्मिला की 'खाई है रेहमने कसम संग रहने' गीत वाली फिल्म-३
९. करण दीवान, स्वर्णलता की सुपरहिट फिल्म-३
११. गुरूदत्त, वहीदा की फिल्म-२
१२. फिल्म 'जीत' में सलमान का नाम-२
१३. अजय, सोनाली की 'तुम आए तो आया मुझे याद' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'क्यूं मेरा दिल' गीत वाली करणनाथ, मनीषा, नतान्या सिंह की फिल्म-२
१६. सनी देओल, सुष्मिता की 'मैं अपना नाम भूला' गीत वाली फिल्म-२
१८. अजय, आफजाब, विवेक, रितेश, लारा, अमृताराव की फिल्म-२
१९. 'दिल जंगली कबूतर' गीत वाली फिल्म-३
२०. सचिन खेडेकर, तब्बू, स्मिता की अंडरवर्ल्ड पर बनी एक फिल्म-३
२१. 'फूलों से जो खुशबू आए' गीत वाली प्रशांत, ऐश्वर्या की फिल्म-३
२२. अक्षयकुमार, रवीना की 'क्यूं आँचल हमारा गिरा जा' गीत वाली फिल्म-२
२३. राजकुमार, शशि, साधना की फिल्म-२
२४. 'परदेसी तो हैं' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'दिल मेरे ना और इंतजार कर' गीत वाली शाहिद, करीना की फिल्म-२
३०. फिल्म 'रंगदे बसंती' के संगीतकार कौन थे?-४
३१. 'दिल है छोटा सा छोटी सी आशा' गीत वाली फिल्म-२
३२. अभिषेक, उदय, जॉन, ईशा, रिमी सेन की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 6917

मु	सा	फि	र		प्या	र	ही	प्या	र
क्ति		जा	न	म		प्ता		सी	
	प			ज	ह	र		शा	न
प्र	ति	ज्ञा		बू	म		उ	म	र
	ता		स	र		फू	ल		सि
सा		खो	फ		न		झ		म्हा
व	क्त		र		म	हा	न	ता	
न		दी		नौ	क	र		ल	की
भा	ग्य	वा	न			जी	त		म
दो		ना		स	पू	त		भू	त

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

29 जुलाई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कर्क में	सिंह	06.55 बजे से
चंद्र	कन्या में	कन्या	09.07 बजे से
मंगल	कन्या में	तुला	11.17 बजे से
बुध	कर्क में	वृश्चिक	13.32 ब.से
गुरु	मिथुन में	धनु	15.48 बजे से
शुक्र	मिथुन में	मकर	17.53 बजे से
शनि	मीन में	कुंभ	19.40 बजे से
राहु	कुंभ में	मीन	21.13 बजे से
केतु	सिंह में	मेष	22.43 बजे से
राहुकाल 3.00 से 4.30 बजे तक		वृष	00.23 बजे से
		मिथुन	02.21 बजे से
		कर्क	04.35 बजे से

मंगलवार 2025 वर्ष का 210 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** श्रावण **पक्ष** शुक्ला **तिथि** पंचमी 00.47 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** उत्तराफाल्गुनी 19.28 बजे को समाप्त। **योग** शिव 03.05 बजे रात्र को समाप्त। **करण** बव 12.01 बजे तदनन्तर बालव 00.47 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 04.2 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 18° 44' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872420 **जूलियन दिन** 2460885.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** सफर **तारीख** 03 **विशेष** नाग पंचमी, मंगला गौरी व्रत।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: दार्शनिक का संदेश

दार्शनिक हिक्री के पास रोज ढेरों लोग परामर्श लेने आते थे। लोग प्राय: उन्हें अपने पारिवारिक जीवन की उलझनें बताते और उनसे उनका कोई समाधान पूछते। हिक्री सबको समान भाव से सलाह दिया करते थे। एक दिन एक व्यक्ति अपनी पत्नी के साथ उनके पास आया और पत्नी के आलस्य और कंजूसी की निंदा करने लगा। हिक्री ने उस औरत को स्नेहपूर्वक अपने पास बुलाया। फिर उन्होंने अपने एक हाथ की मुट्ठी बांधकर उसके सामने की और पूछा, 'यदि यह हमेशा ऐसे ही रहे तो क्या नतीजा निकलेगा?' पहले तो वह औरत सकपकाई, पर साहस कर बोली, 'अगर यह मुट्ठी हमेशा ऐसे ही बंधी रहेगी तो हाथ अकड़कर निकम्मा हो जाएगा।' उस औरत का उत्तर सुनकर हिक्री बहुत प्रसन्न हुए। फिर उन्होंने दूसरे हाथ की हथेली बिल्कुल खुली रखकर फिर पूछा, 'यदि यह हाथ ऐसे ही खुला रहे तो फिर इस हाथ का क्या होगा?' स्त्री बोली, 'ऐसी हालत में ये भी अकड़ कर बेकार हो जाएगा।' हिक्री ने लोगों से कहा, 'यह तो बुद्धिमान भी है और दूरदर्शी भी। यह तो अच्छी तरह जानती है कि मुट्ठी बंद रखने और सीधा हाथ रखने से क्या हानि होती है।' फिर उन्होंने स्त्री से कहा, 'बेटी, तुम तो सब कुछ खुद ही समझती हो। इस समझ का उपयोग अपने जीवन में भी करो, तुम्हारा सुख-सौभाग्य बढ़ेगा। किसी भी चीज की अति अच्छी नहीं होती। न खुला हाथ अच्छा, न बंद हाथ। दोनों में संतुलन होना चाहिए। न लापरवाही से खर्च करो न ही कंजूसी से।' वह स्त्री हिक्री के संदेश को समझ गई।

सूडोकु नवताल- 7227

★★★★★ कठिनतम

			4		6			
					2	7		
	6	8				9		
5	3							6
				6				
7							9	2
		9				8	5	
		2	1					
			3		4			

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7226 का हल

2	9	7	1	3	6	4	8	5
3	1	6	5	8	4	2	9	7
5	4	8	7	9	2	6	3	1
9	2	1	4	7	3	8	5	6
7	8	3	6	1	5	9	2	4
4	6	5	9	2	8	1	7	3
1	7	4	2	5	9	3	6	8
6	3	2	8	4	7	5	1	9
8	5	9	3	6	1	7	4	2

शब्द पहेली - 8442

बाएँ से दाएँ

1. लालसा, मांग-3
3. मोटरगाड़ी-4
6. दरवाजे पर दी गई थाप-3
7. मां की माता-2
8. पार्थिव देह-2
10. संजय दत्त, जैकी श्रॉफ, माधुरी की फिल्म-5
12. स्वदेश, जन्मभूमि-3
15. पाबंदी, रोक-3
17. आश्चर्यचकित होना-5
20. नासिका-2
22. आनेवाला दिन-2
23. समतल-3
24. शमशीर, कृपाण -4
25. फिजूल, व्यर्थ-3

ऊपर से नीचे

2. दुर्जन, बेइमान-5
3. जिसके सिर पर बल न हो, गंजा-3
4. साहूकार, व्यापारी-4
5. जांच, परीक्षण-3
7. मां के पिता-2
9. लाश-2
11. तरुणी, किशोरी-3
13. कार्यविधि-3
14. बेइज्जत होना-2-3
15. हाथी साधने वाला -4
16. मेहंदी-2
18. ताकत, जोर-2
19. अभिनेत्री-3
21. कमी-3

शब्द पहेली -8441 का हल

प	र	व	र	दि	गा	र		
	च		ह		ड़ी		अ	
आ	ना		मा	ल	बा		दा	म
रा		म	न		न	ल		न
म	ही	न				ल	की	र
दे		न	स		ह	क		ख
ह	त्या		र	न	र		का	ना
	ग		ह		द		फि	
		ब	द	ना	म	क	र	ना

Jagrutidaur.com, Bangalore

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुम्बई। भारतीय शेयर बाजार सोमवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बजार में ये गिरावट एशियाई बाजारों से मिलेजुले संकेतों के बीच ही बिकवाली हावी रहने से आई है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 572.07 अंकों की गिरावट के साथ ही 80,891.02 अंकों पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला एनएसई का निफ्टी भी 156.10 अंक टूटकर 24,680.90 अंकों पर बंद हुआ। वहीं पिछले सप्ताह भी बाजार में गिरावट दर्ज की गई थी। आज सेंसेक्स की 30 में से 23 कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुए और केवल सात कंपनियों के शेयर ही तेजी के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए। इसी प्रकार 50 शेयरों वाले एनएसई निफ्टी की केवल 15 कंपनियों के शेयर ही बढ़त के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए जबकि 35 कंपनियों के शेयर नुकसान के साथ ही लाल निशान में बंद हुए। आज सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयर सबसे ज्यादा 1.23 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुए। वहीं कोटक महिंद्रा बैंक के शेयरों में आज सबसे ज्यादा 7.50

फीसदी की गिरावट रही। वहीं सेंसेक्स की अन्य कंपनियों में आज एशियन पेंट्स के शेयर 1.00, आईसीआईसीआई बैंक 0.82, पावरग्रिड 0.43, एचडीएफसी बैंक 0.18, आईटीसी 0.11 और इंफोसिस के शेयर 0.03 फीसदी बढ़कर बंद हुए। दूसरी ओर बजाज फाइनेंस के शेयर 3.64, भारती एयरटेल 2.35, टाइटन 2.17, टीसीएस 1.76, बीईएल 1.48, एचसीएल टेक 1.47, एक्सिस बैंक 1.25, अडाणी पोर्ट्स 1.21, महिंद्रा एंड महिंद्रा 1.17, एसबीआई 1.16, एटरनल 1.09, टाटा स्टील 1.08, ट्रेंट 0.89, टेक महिंद्रा 0.81, टाटा मोटर्स 0.73, एलएंडटी 0.61, मारुति सुजुकी 0.57, रिलायंस इंडस्ट्रीज 0.34 फीसदी टूटकर बंद हुए। आज बीएसई मिडकैप इंडेक्स में 0.7 फीसदी और स्मॉलकैप इंडेक्स में 1.2 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। फार्मा को छोड़कर, बाकी सभी सेक्टोरल इंडेक्स लाल निशान में बंद हुए। प्रेस्टीज और ओबेरॉय रियल्टी के शेयरों में गिरावट के कारण रियल्टी शेयरों पर दबाव बना रहा। मिडकैप शेयरों में मामूली बढ़त दर्ज की गई, जबकि स्मॉलकैप शेयरों में थोड़ी गिरावट दर्ज की गई। बाजार जानकारों के अनुसार कोटक महिंद्रा बैंक में भारी बिकवाली, विदेशी कोषों की लगातार निकासी और एशियाई बाजारों से कमजोर संकेतों से भी बाजार गिरा है। इससे पहले आज सुबह सेंसेक्स 150 से ज्यादा अंक की गिरावट लेकर 81,299 पर खुला। इसी तरह निफ्टी50 भी गिरावट के साथ 24,782 पर खुला। फिलहाल यह 58.85 अंक की गिरावट लेकर 24,778 पर कारोबार कर रहा था।

सरकारी और निजी कंपनियों को हर साल कराना होगा साइबर सिक्योरिटी ऑडिट

नई दिल्ली। भारत सरकार की डिजिटल जोखिम विश्लेषण एजेंसी इंडियन कंप्यूटर इमर्जेंसी रिस्पॉन्स टीम (सीईआरटी-इन) ने साइबर सुरक्षा को मजबूत करने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। अब सभी सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के संगठनों को साल में कम-से-कम एक बार थर्ड पार्टी साइबर सुरक्षा ऑडिट कराना अनिवार्य होगा। यह पहली बार है जब निजी क्षेत्र के लिए ऐसा निर्देश जारी किया गया है। नए दिशानिर्देशों के अनुसार, यह नियम उन सभी संगठनों पर लागू होगा जिनके पास डिजिटल सिस्टम, प्रक्रियाएं या इंफ्रास्ट्रक्चर है, या वे उसका संचालन करते हैं। इसके अलावा, किसी भी बड़े तकनीकी बदलाव, सिस्टम ओवरहॉल या कॉन्फ़िग्रेशन बदलाव से पहले भी साइबर ऑडिट जरूरी होगा। सीईआरटी-इन ने कहा है कि ऑडिट प्रक्रिया जोखिम आधारित और डोमेन-विशिष्ट होनी चाहिए, जो संबंधित कंपनी के कार्य क्षेत्र, खतरे की स्थिति और परिचालन जरूरतों के अनुरूप हो। संगठनों को अब जोखिम मूल्यांकन, पेनिट्रेशन टेस्टिंग, नेटवर्क और सूचना सुरक्षा ऑडिट, सोर्स कोड समीक्षा, और एप्लिकेशन सुरक्षा परीक्षण जैसे उपायों को अपनाना होगा। इसके साथ ही न्यूनतम विशेषाधिकार नीति को लागू करना भी जरूरी होगा, ताकि कर्मचारियों को केवल उनकी भूमिका के अनुसार ही सीमित पहुंच दी जा सके। रिमोट एक्सेस देने वाले संगठनों को यह सुनिश्चित करना होगा कि सभी एक्सेस एन्क्रिप्टेड, टनल्ड और लॉग की गई हो। यह निर्णय बढ़ते साइबर खतरों और संवेदनशील इंफ्रास्ट्रक्चर की सुरक्षा के मद्देनज़र लिया गया है। इससे साइबर स्वच्छता को देशभर में एक नई मजबूती मिलने की उम्मीद है।

अगस्त में 15 दिन बैंक रहेंगे बंद

नई दिल्ली। अगस्त का महीना त्योहारों और राष्ट्रीय छुट्टियों से भरा रहेगा, जिससे देशभर में बैंकिंग सेवाएं प्रभावित होंगी। इस महीने कुल 15 दिन बैंक अलग-अलग राज्यों में बंद रहेंगे। इनमें त्योहारों के अलावा रविवार और शनिवार के नियमित अवकाश भी शामिल हैं। बैंकों में हर महीने के दूसरे और चौथे शनिवार को अवकाश होता है, साथ ही रविवार को सभी बैंकों में छुट्टी रहती है। अगस्त 2025 में त्योहारों की भरमार के कारण कई अतिरिक्त छुट्टियां भी रहेंगी। महीने की शुरुआत 3 अगस्त को रविवार के साथ होगी, जब सभी बैंकों में छुट्टी रहेगी। 8 अगस्त को सिक्किम में टेंडोंग लो रम फाट के कारण गंगटोक में बैंक बंद रहेंगे। 9 अगस्त को रक्षा बंधन और झूलन यात्रा जैसे पर्व मनाए जाएंगे। साथ ही यह दूसरा शनिवार भी होगा, जिससे देशभर के बैंकों में अवकाश रहेगा। 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस, पारसी नववर्ष और जन्माष्टमी एक साथ पड़ने के कारण पूरे देश में बैंक बंद रहेंगे। 16 अगस्त को कई राज्यों में जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में अवकाश रहेगा, जिनमें भोपाल, पटना, जयपुर, चेन्नई और अन्य प्रमुख शहर शामिल हैं। 19 अगस्त को अगरतला में महाराज बीर बिक्रम की जयंती के कारण बैंक नहीं खुलेंगे। 25 अगस्त को असम में श्रीमंत शंकर देव की तिथि पर गुवाहाटी में अवकाश रहेगा। 27 और 28 अगस्त को गणेश चतुर्थी मनाई जाएगी, जिसके कारण मुंबई, पुणे, हैदराबाद, बेंगलुरु, भुवनेश्वर और पणजी समेत कई शहरों में बैंक बंद रहेंगे। इसके अलावा 10, 17, 24 और 31 अगस्त को रविवार होने की वजह से देशभर में बैंकिंग सेवाएं बाधित रहेंगी। 23 अगस्त को चौथा शनिवार होने से भी बैंक बंद रहेंगे। इसलिए बैंक से जुड़े कार्यों की योजना बनाने से पहले अवकाश की तारीखों की जांच अवश्य कर लें। डिजिटल बैंकिंग सेवाएं हालांकि सामान्य रूप से चालू रहेंगी।

सावन के तीसरे सोमवार जल चढ़ाने कांवड़ियों का उमड़ा जनसैलाब

छोटी बाघ नदी का उदगम स्थल चहेली से कांवड़ियों ने लाया जल

लांजी (पद्मेश न्यूज)। श्रावण मास के तीसरे श्रावण सोमवार को बोलबम सेवा समिति द्वारा आयोजित कांवड़ यात्रा का तीसरा जत्था जिसमें करीब 1000 कांवड़िये थे। 28 जुलाई को प्रातः 7 बजे चहेली सीतापाला बाघनदी के उद्गम के लिये रवाना हुआ। उद्गम स्थल पंहुचकर उद्गम स्थल पर स्नान आदि कर, स्थल के समक्ष शिवलिंग की पूजन अर्चन कर कांवड यात्रियो के द्वारा अपने अपने जल पात्र मे जल लेकर संकल्प के साथ यात्रा प्रारंभ करते हुये घने कटिले जंगलो से गुजरते हुये कांन्द्रीघाट, रिसेवाडा, बम्हनवाडा, वारी, लोहार, भूरसाडोंगरी, कालीमाटी की 42 किमी की नगे पाव पद यात्रा कर शाम करीब 7 बजे कोटेश्वर धाम लांजी पंहुचें जंहा कोटेश्वर भगवान का जलाभिषेक पवित्र जल से कांवड यात्रियों के द्वारा किया गया। बोल बम सेवा समिति के द्वारा विभिन्न स्थानो पर कांवड यात्रियो के लिये विशेष व्यवस्था की गई थी। इस तीसरे जत्थे मे कांवड यात्रियों अलग उत्साह भी दिखाई दिया बोल बम के रथ के साथ झुमते नाचते गाते कांवडियों यात्रा को लेकर खासी उमंग नजर आई जो कि इन्ही कांवड यात्रियो को जल्द से जल्द कोटेश्वर धाम पंहुचने मे सहायक रही। बोल बम सेवा समिति द्वारा आयोजित कांवड यात्रा में 28 जुलाई को लगभग 1000 कांवडियों ने चहेली सीतापाला से पवित्र जल लाकर कोटेश्वर भगवान जलाभिषेक कर पूण्य लाभ अर्जित किया।

कान्द्री घाट में प्रसाद ग्रहण कर आगे की यात्रा के लिये प्रस्थान करते है कांवड़िये

बोलबम सेवा समिति के द्वारा प्रत्येक सोमवार को कांवड़ यात्रा का आयोजन किया जाता है जिसके तहत जब कांवड़िये जल लेकर कांवड़ यात्रा प्रारंभ करते है तो उनके लिये समिति के द्वारा कान्द्रीघाट में जलपान की व्यवस्था की जाती है। समिति के सदस्यों के द्वारा प्रसादी कांन्द्री घाट मे ही बनवाई जाती है एवं जब कांवड़िये कान्द्रीघाट जैसे जैसे पंहुचते है उसी प्रकार प्रसाद गहण कर अग्रिम यात्रा के लिये प्रस्थान करते है।

कावंड़ यात्रा के मार्ग पर जगह जगह कावंडियों का स्वागत वंदन, जलपान व्यवस्था

चहेली सीतापाला से लेकर लांजी तक ऐसे अनेको भक्त गण है जिनके द्वारा कावंड़ियो के विशेष रूप से व्यवस्था की गई। कान्द्री घाट में जहां बोल बम सेचा समिति के द्वारा कांवड़ियो के लिये जलपान की व्यवस्था की जाति है वहीं कुछ दुरी पर भाडरासुर मंदिर पंहुच मार्ग पर गोंडिया से आई टीम के द्वारा ब्रेड पकोड़ा, स्वीटकार्न की व्यवस्था कावंड़ियो के लिये की गई। वहीं रिसेवाड़ा में गुप्ता परिवार के द्वारा कांवड़ियो के लिये स्थान से लेकर, जलपान, फलहार की व्यवस्था परिवार के द्वारा की गई। रिसेवाड़ा में ही राधेश्याम सोनवाने एवं परिवार के द्वारा भण्डारा महाप्रसाद की व्यवस्था की गई थी जहां कावंड़ियो सहित अनेको भक्त गणो के द्वारा महाप्रसाद ग्रहण किया गया। कांवड़ यात्रा का जम्था बोल बम सेवा समिति के कार्यालय गायत्री मंदिर के सामने से रवाना होता है यहं नैवेद्यम जलपान गृह के संचालक प्रणीत दुबे के द्वारा चाय जलपान की व्यवस्था की गई थी।

गरम पानी से पैर धुलाकर कावंड़ियो का स्वागत

कावंड़ यात्रा के मार्ग में ऐसे अनेको भक्त गण है जो कि भिन्न भिन्न प्रकार से कांवड़ यात्रियों का स्वागत सत्कार कर अपनी श्रृद्धा भाव व्यक्त करते है। ऐसा ही एक अनुठा कार्य रिसेवाड़ा केसुसदास तरोने एवं उनके परिवार के द्वारा देखा गया जहां परिजनो के सभी सदस्यो के द्वारा कांवड़ यात्रा कर रहे सभी कांवड़ यात्रियो का गरम पानी से पैर धुलाकर स्वागत वंदन करते दिखाई दिये। इस कार्य के चलते कांवड़ियो में अत्यधिक प्रशंसा दिखाई दी और उनका मानना था की गरम पानी से पैर धुलने के पश्चात कावंड यात्रा में आसानी होती है। इसी कड़ी ब्रम्हनवाड़ा में बोल बम जनरल एवं किराना स्टोर्स क संचालक के द्वारा कांवड़ियो के लिये स्नान, सहित चाय जलपान की व्यवस्था की गई थी। वहीं रास्ते में ग्राम कालीमाटी, लोहारा लांजी में भी जगह जगह कांवड़ियो के लिये विशेष व्यवस्था आयोजित की गई थी।

सावन के तीसरे सोमवार सद्भावना मित्र मण्डल ने किया विशाल भण्डारा

लांजी (पद्मेश न्यूज)। सामाजिक कार्यो मे अग्रणी संस्था सद्भावना मित्र मण्डल एवं माँ काली घाट जनकल्याण समिति लांजी के द्वारा विगत 34 वर्षो से श्रावण मास के तृतीय सोमवार को विशाल भण्डारा महाप्रसाद का आयोजन गोंडवाना भवन तहसील कार्यालय के समीप में किया जा रहा है इसी कडी मे

35 वर्ष के श्रावण मास के तृतीय सोमवार 28 जुलाई 2025 को सद्भावना मित्र मण्डल एवं माँ कालीघाट जनकल्याण समिमि के द्वारा विशाल भण्डारे महाप्रसाद का आयोजन किया गया है। महाप्रसाद का शुभारंभ समिति के सचीव विधायक राजकुमार कर्राहे एवं समस्त पदाधिकारी सदस्यों के द्वारा भगवान कोटेश्वर को अन्न का भोग लगाकर किया गया। तत्पश्चात समिति के अध्यक्ष एवं अन्य पदाधिकारियो ने नगर के सभी मंदिरो मे भी अन्न भोग लगाया गया। भगवान को भोग के पश्चात भगवान के दर्शन हेतु पधारे कांवडियों एवं भक्त जनो ने प्रसाद ग्रहण कर अनुग्रहित हुये। इस दौरान समिति संरक्षक गिरधारी लाल अग्रवाल, सद्भावना मित्र मण्डल अध्यक्ष युगेश रामटेक्कर, विधायक राजकुमार कर्राहे, नितिन पशीने, मधुकर आसटकर, रुपचन्द रामटेक्कर, सचिन अग्रवाल, कैलाशपुरी गोस्वामी, देवानन्द कुर्वे, राजा महिमेहरो, सतीश दुरुगकर, राजु मोहारे, विशाल दुग्गड़, बबलु शिवालिया, हुकुमचन्द जुझार, योगेन्द्र बबली मिश्रा, विशाल दुग्गड़, डॉ.राजेश रणदिवे, मोनु पशीने, अंकित अग्रवाल, मुकेश देवगड़े, गजानन बड़घैया, अंकित शर्मा, रोशन आसटकर, संतोष भार्गव, कमलेश बड़घैया, टेकचंद बिहोने, डॉ देवेश ऐड़े, ओमप्रकाश आसटकर, लक्ष्मण किरनापुरे सहित अनेको सेवाधारी लोगो के द्वारा परोसगारी की गई। महाप्रसाद में क्षेत्र सहित दुर दराज एवं पडोसी राज्यों से आय दर्शनार्थी एवं भक्त गणो के द्वारा प्रसाद ग्रहण कर अनुग्रहित किया गया।

अन्य पिछडा आयोग की सदस्य मौसम हरिनखेड़े शामिल हुई महाप्रसाद में

मध्यप्रदेश अन्य पिछडा आयोग की सदस्य श्रीमती मौसम हरिनखेडे का पदभार गहण करने के पश्चात लांजी नगर में प्रथम आगमन हआ जहां वे कोटेश्वर धाम में महादेव से आशीर्वाद प्राप्त करने पहुची साथ ही श्रीमती मौसम हरिनखेडे सद्भावना मित्र मण्डल के द्वारा आयोजित भण्डारा महाप्रसाद में शामिल हुई। जहां विधायक राजकुमार कर्राहे, अध्यक्ष युगेश रामटेक्कर एवं समस्त पदाधिकारियों ने मौसम हरिनखेडु का स्वागत स्त्कार पुष्प गुच्छ भेंट कर किया वहीं मौसम हरिनखेडे के द्वारा महाप्रसाद में आये हजारो भक्त गणे से रूबरू हुई, उनसे चर्चा की तथा परोसगारी कर भी लोगो से मुलाकात की।

अखिल भारतीय रविदासिया धर्म संगठन का विशाल सम्मेलन सम्पन्न

लांजी (पद्मेश न्यूज)। अखिल भारतीय रविदासिया धर्म संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखदेवजी महाराज के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश में संगठन द्वारा समाज को एकजुट करने और सामाजिक जागरूकता बढ़ाने का कार्य निरंतर किया जा रहा है। इसी कड़ी में 27 जुलाई 2025 को लांजी के सिद्धेश्वर मंगल भवन में एक विशाल सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन में समाज के विभिन्न वर्गों के लोग बड़ी संख्या में शामिल हुए, जिससे कार्यक्रम की गरिमा और भव्यता में चार चाँद लग गए। सम्मेलन का शुभारंभ अतिथियों द्वारा संत शिरोमणि रविदास जी, महात्मा ज्योतिबा फुले, और बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के छायाचित्र के समक्ष पूजन व दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। अखिल भारतीय रविदासिया धर्म संगठन का यह सम्मेलन समाज में एकता, समरसता और सांस्कृतिक मूल्यों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित किया गया। संगठन का मुख्य लक्ष्य रविदासिया समुदाय को सामाजिक, धार्मिक और शैक्षिक रूप से सशक्त बनाना है। इस आयोजन के माध्यम से समाज के लोगों को एक मंच पर लाकर उनकी समस्याओं पर चर्चा की गई और समाधान के लिए ठोस कदम उठाने का संकल्प लिया गया। सम्मेलन का आयोजन अखिल भारतीय रविदासिया धर्म संगठन, भारत के प्रदेश अध्यक्ष माधोसिंह अहिरवार की मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। उनके साथ प्रदेश प्रवक्ता और अमृतवाणी प्रचारक राधाकिशनदास की प्रमुख उपस्थिति रही। इसके अतिरिक्त, बसंत कुम्हरे (पूर्व उपाध्यक्ष, अ.भा. र. धर्म संगठन, भोपाल), झाड़ुदास महाराज (आवा आश्रम, लांजी), यशवंत कनोजे (जिला प्रभारी, बालाघाट-सिवनी-मंडला), और अमीरचंद छिपेश्वर (धर्म प्रचारक, अ.भा. र. धर्म संगठन, बालाघाट) विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इन गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को और अधिक प्रभावशाली बनाया। सम्मेलन में रविदासिया धर्म संगठन की विचारधारा, उद्देश्यों और समाज के लिए किए जा रहे कार्यों पर विस्तृत चर्चा हुई। राधाकिशनदास ने अपने संबोधन में गुरु रविदास जी के जीवन और उनके दर्शन को समाज के लिए प्रेरणादायी बताया। उन्होंने कहा कि गुरु रविदास जी का संदेश समानता, भाईचारा और मानवता पर आधारित है, जिसे संगठन समाज के हर वर्ग तक पहुँचाने के लिए कटिबद्ध है। माधोसिंह अहिरवार ने अपने मुख्य भाषण में संगठन के राष्ट्रीय और प्रांतीय स्तर पर किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने समाज के उत्थान के लिए शिक्षा, रोजगार, और सामाजिक जागरूकता पर जोर दिया। साथ ही, उन्होंने युवाओं से संगठन के साथ जुड़कर सामाजिक कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। सम्मेलन में उपस्थित अन्य वक्ताओं ने भी समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करने, शिक्षा के प्रसार, और सामाजिक एकता को मजबूत करने जैसे विषयों पर अपने विचार रखे। विशेष रूप से, बसंत कुम्हरे और यशवंत कनोजे ने संगठन की गतिविधियों और भविष्य की योजनाओं पर प्रकाश डाला। इस सम्मेलन में बालाघाट जिला कोर कमेटी और रविदास सामाजिक समिति के सदस्यों ने भी सक्रिय भागीदारी निभाई। कार्यक्रम में उपस्थित स्वजातीय बंधुओं ने संगठन के प्रति अपनी निष्ठा और समर्पण को दोहराया। आयोजन के दौरान समाज के विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श हुआ, जिसमें शिक्षा, स्वास्थ्य, और सामाजिक उत्थान के लिए ठोस योजनाएँ बनाई गईं। संगठन ने भविष्य में और अधिक जागरूकता अभियान चलाने, सामाजिक एकता को बढ़ावा देने और समाज के कमजोर वर्गों के लिए विशेष योजनाएँ लागू करने का संकल्प लिया। इसके साथ ही, स्थानीय स्तर पर संगठन की इकाइयों को और मजबूत करने और युवाओं को जोड़ने पर विशेष ध्यान देने की बात कही गई।

संगठन के पदाधिकारियों का योगदान

इस सम्मेलन में अखिल भारतीय रविदासिया धर्म संगठन के जिला स्तर के कई प्रमुख पदाधिकारी शामिल रहे, जिन्होंने आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इनमें सुंदरलाल बिंझाडे (जिला संरक्षक), उमाशंकर कुंभरे (जिला सचिव), दुर्गाप्रसाद मनघटे (महासचिव), , रामप्रसाद चौधरी (जिला महामंत्री), शिवकुमार खरे (जिला संगठन मंत्री), हरिचंद मोहवे (जिला कोषाध्यक्ष), रामराज चौहान (विधिक सलाहकार, उच्च न्यायालय, जबलपुर), एम.आर. भोंडेकर (विधिक सलाहकार), और देवेंद्र बलिये (जिला मीडिया प्रभारी) शामिल थे। इसके अतिरिक्त, रमेश मोहवे, लालदास बारेकर, सुरेंद्र पटले, किशनलाल भोंडेकर, राजेश मालाधारी, आशीष वारेकर, ईश्वरी भोंडेकर, विजय कुमार दखने, शेखरबंद अहिरवार (जिला उपाध्यक्ष), सुरेंद्र कुमार राठौर (सहसचिव), कृष्णा मोहवे, परमेंद्र गाँधरे, दिलीप मोहने, यशवंतराय कोरी, विनोद कुमार मालाधारी, डॉ. राजेंद्र भोंडेकर, राजेंद्र देशराज (जिला संयोजक), परसराम विंझलेकर (जिला धर्म प्रचारक), पुनाराम छिपेश्वर (जिला धर्म प्रचारक), और फुलचंद भोंडेकर (जिला धर्म प्रचारक) जैसे कई अन्य कार्यकर्ताओं ने भी सक्रिय भागीदारी निभाई। लांजी ब्लॉक समिति के शिव खरे, धनराज भोडेंकर, फूलचंद भोडेकर, नरेन्द्र भोडेकर, नारायण टांडेकर, सतीश चौहान, धर्मेन्द्र गौधरे, दशरथ भोडेकर, लोकराम भोंडेकर, राजेंद्र भोडेकर, कन्हैयालाल टांडेकर, गुन्नू टांडेकर सहित भारी संख्या में स्वजातीय बंधु उपस्थित थे। कार्यक्रम के संचालक दिनेश चौहान ने कहा कि लांजी में आयोजित यह विशाल सम्मेलन न केवल रविदासिया समुदाय के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ, बल्कि सामाजिक एकता और जागरूकता के क्षेत्र में भी एक नया अध्याय जोड़ा। अखिल भारतीय रविदासिया धर्म संगठन के इस प्रयास ने समाज के लोगों को एकजुट करने और गुरु रविदास जी के आदर्शों को जन-जन तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह आयोजन संगठन के दृढ़ संकल्प और सामाजिक बदलाव के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का प्रतीक रहा। इस प्रकार, सिद्धेश्वर मंगल भवन, लांजी में आयोजित यह सम्मेलन न केवल एक सफल आयोजन रहा, बल्कि समाज के लिए एक प्रेरणादायी और सकारात्मक पहल के रूप में याद किया जाएगा।

विहिप व बजरंग दल के आव्हान पर 69 लोगों ने किया रक्तदान

लांजी (पद्मेश न्यूज)। रक्तदान महादान के अंतर्गत विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल के संयुक्त तत्वधान में 28 जुलाई को दिन सोमवार को कोटेश्वर मंदिर परिसर एकल संच श्री राम कथा पंडाल में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया है।जिसमें 69 लोगों द्वारा रक्तदान कर इस महादान के भागीदार बनें। रक्तदान शिविर का शुभारंभ सुबह 11 बजे संघचालक विजय रामटेककर, जिला सह प्रचार प्रमुख संतोष मोरघड़े, खंड कारवाह योगेंद्र दहीकर, नगर कारवाह मनोज किरनापुरे, एकल अभियान संच लांजी अध्यक्ष झनकार किरनापुरे, लांजी किरनापुर क्षेत्र के विधायक राजकुमार कर्राहे, पूर्व विधायक रमेश भटेरे, भाजपा मंडल अध्यक्ष लांजी आलोक चौरसिया, अविनाश रैंच, विश्व हिंदू परिषद प्रखंड संयोजक संदीप कुमार रामटेक्कर, अध्यक्ष ललित अग्रवाल, मंत्री महेंद्र कुमार रणदिवे, बजरंग दल अध्यक्ष राजू रामटेककर,

दुर्गावाहिनी प्रखंड संयोजिका मनीषा दुग्गड, बीएमओ अक्षय उपराड़े, विशाल खोंगल, बारेलाल बड़घैया, दीपक श्रीवास, राजेंद्र दुरूगकर व सामाजिक व धार्मिक संगठनों के पदाधिकारी की उपस्थिति में किया गया। सुबह 11 बजे प्रारंभ हुआ रक्तदान शिविर दोपहर 2 बजे तक अनवरत जारी रहा, जिसमें पूर्व विधायक रमेश भटेरे, नगर कारवाह मनोज किरनापुरे सहित 69 लोगों ने स्वेच्छा से पहुंचकर रक्तदान किया। शिविर को सम्पन्न कराने में सिविल हॉस्पिटल लांजी में आयोजित रक्तदान शिविर को सफल बनाने में शासकीय शहीद भगत सिंह रक्त कोष बालाघाट से परामर्शदाता श्रीमती श्यामा घालेकर, मनोज कारमेघे, कामिनी पन्द्रे, विक्की पवार, सिविल अस्पताल लांजी से बीएमओ डॉ.अक्षय उपराडे, भैयालाल हनोते, रीता मुरकुटे, हेमंत उपराड़े, दीपक श्रीवास एवं समस्त रक्तदान दाताओं का सहयोग रहा।

आज नाग पंचमी पर पूजे जाएंगे नाग देवता

लांजी (पद्मेश न्यूज)। सनातन धर्म में हर जीव को स्थान दिया गया है तो अनेक जीव जन्तुओं को भगवान के रूप में पूजा जाता है, इसी को लेकर आदि काल से लेकर नाग देवता की पूजा करने की परम्परा चली आ रही है । नगर व क्षेत्र में आज 29 जुलाई को नाग पंचमी के अवसर पर सभी शिवालयों और नाग मंदिरों में पूजा अर्चना की जावेगी । नाग पंचमी पर्व पर घरों, खेतों, शिवालयों व मंदिरों में भी नाग पंचमी के अवसर पर लोगो द्वारा भगवान नाग देवता की पूजा की जावेगी। किसान वर्ग द्वारा व नाग देवता को मानने वालों ने महुएं के पत्तों का दोना बनाकर उसमें दूध रखकर व लाही, चना एवं महुआ चढ़ाकर परम्परानुसार पूजा अर्चना की जावेगी ।

मप्र विधानसभा का मानसून सत्र

दिवंगत नेताओं को दी श्रद्धांजलि, सदन की कार्यवाही मंगलवार तक के लिए स्थगित

भोपाल। मप्र विधानसभा के मानसून सत्र की कार्यवाही सोमवार को 11 बजे शुरू हुई। सीएम डॉ. मोहन यादव सदन पहुंचे। सदन में मुख्यमंत्री ने विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर का पुष्पगुच्छ भेंट कर अभिवादन किया। पहले दिन दिवंगतों को श्रद्धांजलि दी गई। इसके बाद विधानसभा की कार्यवाही मंगलवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।

विधानसभा के मानसून सत्र का आगाज सोमवार को हुआ। सदन की कार्यवाही से पहले विधानसभा के बाहर कांग्रेस ने ओबीसी आरक्षण को लेकर जमकर हंगामा किया। कांग्रेस विधायक गिरगिट का कटआउट लेकर विधानसभा पहुंचे। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने विधानसभा में नारेबाजी पर रोक लगाने को लेकर कहा कि जो परंपराएं हैं, वो सत्र में देखने को मिलेगी। बीजेपी ओबीसी का वोट चाहती है, लेकिन हक देना नहीं चाहती है। प्रदेश में किसानों को हक नहीं मिल रहा है। आदिवासी, दलित पर अत्याचार लगातार बढ़ रहे हैं। सीएम डॉ. मोहन यादव भी विधानसभा पहुंचे। मुख्यमंत्री ने सदन में विधानसभा अध्यक्ष का पुष्प गुच्छ भेंट कर उनका अभिवादन किया।

सदन के अंदर मानसून सत्र की कार्यवाही शुरू होने के बाद विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने पूर्व विधायक राजा सुरेंद्र बहादुर सिंह, रघुनाथ चौधरी, शंकर लाल मुन्नाखेड़ी, सरदार सुखदेव सिंह, पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. गिरिजा व्यास, गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय कुमार रुपाणी, फिल्म अभिनेता मनोज कुमार, लोक कलाकार रामसहाय पांडे को श्रद्धांजलि दी। विधानसभा सदस्यों ने 22 अप्रैल को कश्मीर के अनंतनाग के पहलगाम में आतंकी हमले में शहीद नौसेना अधिकारी और पर्यटकों समेत 12 जून को अहमदाबाद में एयर इंडिया विमान हादसे के मृतकों को भी श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद सदन की कार्यवाही मंगलवार (29 जुलाई) सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।

पहले ही दिन कांग्रेस ने भाजपा सरकार को गिरगिट की तरह रंग बदलने वाला बता घेरा, किया प्रदर्शन

मध्य प्रदेश विधानसभा का मानसून सत्र आज सोमवार से शुरु हुआ। इससे पहले नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के नेतृत्व में कांग्रेस विधायकों ने ओबीसी आरक्षण और जातिगत जनगणना में पारदर्शिता रखने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। विधानसभा परिसर में स्थित गांधी प्रतिमा के सामने प्रदर्शन कर रहे कांग्रेस विधायकों ने अपने हाथों में नारे लिखी तख्तियां और सांकेतिक गिरगिट ले रखे थे।

मध्य प्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र के पहले दिन 28 जुलाई को नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के नेतृत्व में कांग्रेस विधायकों ने ओबीसी को 27 फीसदी आरक्षण देने की मांग के साथ ही जातिगत जनगणना में पारदर्शिता को लेकर विधानसभा परिसर में स्थित गांधी प्रतिमा के सामने प्रदर्शन किया। प्रदर्शन कर रहे विधायकों ने हाथों में सांकेतिक प्लास्टिक के गिरगिट लेकर भाजपा सरकार को गिरगिट से कहीं ज्यादा रंग बदलने वाला बता घेरा है।

12 दिनी सत्र में होंगी 10 बैठकें

मध्य प्रदेश विधानसभा का मानसून सत्र आज सोमवार से शुरू हो गया, जो कि 8 अगस्त 2025 तक चलेगा। मानसून सत्र 12 दिनों का होगा जबकि सदन में कुल 10 बैठकें होंगी। यहां कांग्रेस विधायकों ने पहले ही दिन विधानसभा परिसर में प्रदर्शन कर सरकार को घेरने की पूरी कोशिश की है।

पूर्व आईएएस राजीव शर्मा को मिली डॉक्टरेट की उपाधि

भोपाल। पूर्व आईएएस और लेखक राजीव शर्मा को नई दिल्ली में आयोजित इंडिया इंटेलेक्चुअल कॉन्क्लेव में डॉक्टरेट की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया। यह उपाधि उन्हें इटली के क्यूनो विश्वविद्यालय ने प्रदान की। कार्यक्रम का आयोजन इंडिया हैबिटेट सेंटर में किया गया, जिसमें कई देशों के प्रतिनिधियों और भारत की प्रमुख हस्तियों ने हिस्सा लिया। राजीव शर्मा मूल रूप से भिंड शहर के रहने वाले हैं। शहडोल संभाग के आयुक्त पद से सेवानिवृत्त होने के बाद वे भिंड में समाजसेवा के क्षेत्र में सक्रिय हैं। विशेष रूप से वे युवाओं को रोजगार और नेतृत्व के क्षेत्र में मार्गदर्शन दे रहे हैं।

आईएएस रहते हुए राजीव शर्मा ने फुटबॉल क्रांति की नींव रखी, जिसके तहत आदिवासी और ग्रामीण युवाओं को फुटबॉल के माध्यम से नशा, बेरोजगारी और हताशा से बाहर निकाला गया। यह अभियान आज चंबल से महाकौशल तक फैला हुआ है। फुटबॉल क्रांति फाउंडेशन के जरिए प्रशिक्षण, प्रतियोगिताएं और संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। राजीव शर्मा की इस पहल की सराहना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद 'मन की बात' में कर चुके हैं। हाल ही में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भी स्पेन में आयोजित वैश्विक मंच पर इसका उल्लेख करते हुए इसे 'मध्यप्रदेश मॉडल' बताया था।

कई देशों के प्रतिनिधि सम्मेलन में शामिल

इस सम्मेलन में ऑस्ट्रेलिया, रूस, श्रीलंका, जिम्बाब्वे और इटली के प्रतिनिधियों के साथ उत्तरप्रदेश के पूर्व उपमुख्यमंत्री प्रो. दिनेश शर्मा मौजूद रहे। कार्यक्रम में न्याय, प्रशासन, सैन्य सेवा और मीडिया के विशेषज्ञों ने भी भाग लिया। सम्मान ग्रहण करते हुए राजीव शर्मा ने कहा कि यह डॉक्टरेट सिर्फ मेरी नहीं, उन हजारों युवाओं की जीत है जिन्होंने फुटबॉल को अपने जीवन की दिशा बनाने में भरोसा दिखाया।

प्रदेश के कमचारियों को शासन बड़ी हुई ग्रेच्युटी का लाभ दे

भोपाल । मध्यप्रदेश विधुत कर्मचारी संघ फेडरेशन के महामंत्री राकेश डी पी पाठक ने कहा कि 07 वें वेतन आयोग के अनुसार कर्मचारियों को मंहगाई भत्ता में 50 प्रतिशत की वृद्धि होने पर ग्रेच्युटी की राशि में 25 प्रतिशत की राशि की वृद्धि का प्रावधान रखा गया है। भारत सरकार द्वारा 01 जनवरी 2024 से अधिकारियों,कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति पर या मृत्यु उपरांत मिलने वाली ग्रेच्युटी की राशि की अधिकतम सीमा जो पूर्व में 20 लाख थी उसमें वृद्धि करते हुए अधिकतम सीमा 25 लाख हो गई है। इसके आदेश केंद्र सरकार द्वारा प्रसारित कर दिए गए हैं।

राकेश डी पी पाठक ने कहा कि मध्यप्रदेश शासन द्वारा 01 जनवरी 2016 से राज्य में लागू 07 वें वेतन आयोग के निर्णय के अनुसार कर्मचारियों को 55 प्रतिशत मंहगाई भत्ते के आदेश प्रसारित किए जाने के उपरांत आज तक ग्रेच्युटी की अधिकतम सीमा 25 लाख रुपए किए जाने के आदेश प्रसारित नहीं किए गए हैं।

फेडरेशन के महामंत्री राकेश डी पी पाठक ने राज्य के मुख्यमंत्री माननीय मोहन यादव जी को 25 जुलाई को पत्र प्रेषित कर मांग की है कि जब केंद्र सरकार ने अधिकारियों,कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति पर या मृत्यु उपरांत ग्रेच्युटी की अधिकतम सीमा 25 लाख कर दी है तो मध्यप्रदेश के सभी विभागों के सेवानिवृत्त हो रहे अधिकारियों ,कर्मचारियों के लिए भी मिलने वाली ग्रेच्युटी की अधिकतम सीमा 25 लाख रुपए अतिशीघ्र की जाएं।

27 फीसदी आरक्षण को लेकर सड़कों पर उतरा ओबीसी समाज

- सीएम हाउस के घेराव को निकले ओबीसी कार्यकर्ताओं को रंगमहल टॉकीज पर पुलिस ने रोका

भोपाल । 27 फीसदी आरक्षण की मांग को लेकर ओबीसी महासभा का उग्र प्रदर्शन सोमवार को राजधानी में हुआ। कार्यकर्ता मुख्यमंत्री निवास का घेराव करने के लिए निकले थे, लेकिन पुलिस ने उन्हें रंगमहल टॉकीज के पास ही रोक दिया। इस दौरान तेज बारिश होती रही, लेकिन ओबीसी कार्यकर्ता सड़कों पर डटे रहे और सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते रहे। प्रदर्शनकारी जवाहर चौक से नारे लगाते हुए मुख्यमंत्री निवास की ओर बढ़े, लेकिन रंगमहल टॉकीज के पास भारी पुलिस बल ने बैरिकेड लगाकर उन्हें रोक लिया। यहां महासभा के पदाधिकारियों ने मौके पर मौजूद अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा।

बारिश में भीगते हुए भी ओबीसी महासभा के कार्यकर्ताओं का जोश कम नहीं हुआ। सैकड़ों कार्यकर्ता

सड़कों पर बैठ गए और सरकार के खिलाफ नारे लगाए। इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच कई बार हल्की धक्का-मुक्की की स्थिति भी बनी। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेता उमंग सिंगार भी पहुंचे और ओबीसी महासभा की मांगों का समर्थन करते हुए कहा कि सरकार पिछड़े वर्ग के हक को लगातार नजरअंदाज कर रही है। कांग्रेस इस लड़ाई में ओबीसी वर्ग के साथ खड़ी है।

महासभा ने तीन प्रमुख मांगें रखीं

ओबीसी महासभा ने तीन प्रमुख मांगे रखी है। शासकीय नौकरी में होल्ड किए गए 13 प्रतिशत आरक्षण को तत्काल अनहोल्ड कर 27 प्रतिशत आरक्षण के अनुसार नियुक्तियां की जाए। शासकीय सेवा में पदोन्नति में आरक्षण लागू किया जाए। जातिगत जनगणना कराई जाए, जनसंख्या आंकड़े सार्वजनिक हों और जनसंख्या के अनुपात में आरक्षण लागू किया जाए।

आधे से ज्यादा आबादी ओबीसी, उस अनुपात में भागीदारी नहीं

महासभा का आरोप है कि प्रदेश की आधे से ज्यादा आबादी ओबीसी वर्ग की होने के बावजूद सरकारी नौकरी, प्रशासन, पुलिस, शासन और निजी क्षेत्र तक में उनकी भागीदारी नहीं है। महासभा के नेताओं ने कहा कि 90 के दशक में 27 फीसदी आरक्षण लागू करने की बात कही गई थी, लेकिन आज तक मध्यप्रदेश में यह पूर्ण रूप से लागू नहीं हो सका। एड. धर्मेंद्र कुशवाह ने कहा कि वर्तमान में सरकार ने 13 फीसदी ओबीसी आरक्षण होल्ड कर रखा है, जिससे कई अभ्यर्थी ओवरएज हो चुके हैं। यह न सिर्फ संविधान की भावना के खिलाफ है, बल्कि सामाजिक न्याय का खुला उल्लंघन भी है। सरकार रोजगार के वादे कर सत्ता में आई थी, लेकिन अब बेरोजगारी को नजरअंदाज कर रही है। उन्होंने बताया कि 10 जुलाई को प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों पर महासभा ने प्रदर्शन कर सरकार को चेताया था कि यदि होल्ड वापस नहीं लिया गया तो बड़ा आंदोलन होगा।

संविधान विरोधी मानसिकता के खिलाफ लड़ाई

प्रवक्ता एड. विश्वजीत रतौनिया ने कहा कि हाईकोर्ट ने ओबीसी आरक्षण के खिलाफ दायर सभी याचिकाएं खारिज कर दी हैं, इसके बावजूद सरकार ने अब तक ठोस कदम नहीं उठाया। यह सरकार की संविधान विरोधी मानसिकता को दर्शाता है। हम इस मानसिकता के खिलाफ अंतिम दम तक लड़ते रहेंगे। वहीं प्रदेश अध्यक्ष राकेश लोधी ने सवाल उठाया कि सरकार ने 7 फीसदी अपर कास्ट को 10 फीसदी ईडब्ल्यूएस आरक्षण तो दे दिया, लेकिन 27 फीसदी ओबीसी आरक्षण को लागू करने से पीछे क्यों हट रही है। सरकार को तत्काल प्रभाव से यह आरक्षण देना चाहिए।

वर्दी में रील बनाने वाले पुलिसकर्मी सावधान!

भोपाल। मध्य प्रदेश पुलिस को अब रील प्रेम भारी पड़ सकता है! वर्दी पहनकर रील बनाने वाले पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई होगी। प्रदेश के डीजीपी ने पुलिस अधीक्षकों को निर्देश दिए है। अब ऐसा करने पर सिविल सेवा आचरण संहिता का उल्लंघन माना जाएगा। दरअसल, वर्दी में रील बनाकर सोशल मीडिया में प्रसारित करने का चलन बढ़ता जा रहा है। व्यूज, लाइक और कमेंट के चक्कर में रील बनाकर इंटरनेट पर अपलोड कर रहे हैं। जबकि वर्दी वाली सेवाओं में इसे अनुशासनहीनता माना जाता है। इसे लेकर अब एमपी के डीजीपी कैलाश मकवाना ने सभी पुलिस अधीक्षकों को सख्ती से रील पर रोक लगाने के निर्देश दिए हैं।

मप्र में पर्यवेक्षक भर्ती प्रक्रिया अंतिम चरण में

भोपाल में 4 से 7 अगस्त तक होगा दस्तावेज़ परीक्षण कार्यक्रम

भोपाल। मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल (ईएसबी) द्वारा आयोजित पर्यवेक्षक भर्ती परीक्षा 2024 की मेरिट सूची अंतर्गत चयनित अभ्यर्थियों की नियुक्ति प्रक्रिया अंतिम चरण में पहुंच गई है। महिला एवं बाल विकास द्वारा चयनित प्रतिभागियों के मूल दस्तावेजों का परीक्षण 4 से 7 अगस्त तक भोपाल स्थित संचालनालय, महिला एवं बाल विकास, विजया राजे वात्सल्य भवन, अरेरा हिल्स में किया जाएगा। दस्तावेज़ सत्यापन कार्यक्रम को दो भागों – सीमित सीधी भर्ती और खुली सीधी भर्ती के तहत विभाजित किया गया है, जिसमें कुल 560 चयनित प्रतिभागियों को आमंत्रित किया गया है। सीमित सीधी भर्ती के अंतर्गत दस्तावेज़ सत्यापन की प्रक्रिया 4 और 5 अगस्त को होगी। 4 अगस्त को पूर्वाह्न 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक अनारक्षित श्रेणी के 87 अभ्यर्थियों का और दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक अनुसूचित जाति वर्ग के 54 अभ्यर्थियों का दस्तावेज़ परीक्षण किया जाएगा। इसके बाद 5 अगस्त को पूर्वाह्न में 69 अनुसूचित जनजाति वर्ग के अभ्यर्थियों का सत्यापन होगा, जबकि अपराह्न में 47 अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) और 32 ई.डब्ल्यू.एस. (आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग) के अभ्यर्थियों का दस्तावेज़ परीक्षण किया जाएगा। इस श्रेणी में कुल 289 अभ्यर्थी शामिल हैं। खुली सीधी भर्ती के तहत दस्तावेज़ परीक्षण 6 और 7 अगस्त को किया जाएगा। 6 अगस्त को सुबह 10 बजे से 1 बजे तक अनारक्षित वर्ग के 87 तथा दोपहर 2 बजे से 5 बजे तक अनुसूचित जाति वर्ग के 49 अभ्यर्थियों का सत्यापन निर्धारित है। इसी तरह 7 अगस्त को पूर्वाह्न में अनुसूचित जनजाति वर्ग के 62 अभ्यर्थियों और अपराह्न में 44 अन्य पिछड़ा वर्ग एवं 29 ई.डब्ल्यू.एस. वर्ग के अभ्यर्थियों के दस्तावेजों का परीक्षण होगा। इस श्रेणी में कुल 271 अभ्यर्थी शामिल किए गए हैं। चयनित अभ्यर्थियों को निर्देशित किया गया है कि वे निर्धारित तिथि और समय पर दस्तावेजों की मूल प्रति तथा एक स्वप्रमाणित छायाप्रति सेट सहित अनिवार्य रूप से उपस्थित हों।

17 विश्वविद्यालयों में 74 प्रतिशत असिस्टेंट प्रोफेसर के पद खाली

भोपाल। राष्ट्रीय शिक्षा नीति को सबसे पहले लागू करने का दावा करने वाले मध्यप्रदेश में 17 सरकारी विश्वविद्यालयों में असिस्टेंट प्रोफेसर के 1069 स्वीकृत पदों में से 793 खाली पड़े हैं, यानी 74 प्रतिशत पदों पर नियुक्ति नहीं हो पाई है। इतना ही नहीं, पांच विश्वविद्यालयों में तो एक भी असिस्टेंट प्रोफेसर नहीं है। 93 विषयों में पढ़ाने के लिए कोई शिक्षक ही नहीं है। यह खुलासा विधानसभा में उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने विधायक संजय उइके के सवाल के लिखित जवाब में किया।

वहीं प्रदेश के 17 सरकारी विश्वविद्यालयों में पढ़ाई की जिम्मेदारी केवल 276 असिस्टेंट प्रोफेसर निभा रहे हैं। जबकि शैक्षणिक गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए 1069 पद स्वीकृत हैं। इनमें से 793 पद रिक्त हैं। इससे छात्रों की पढ़ाई और पाठ्यक्रम की गुणवत्ता सीधे तौर पर प्रभावित हो रही है। राज्य सरकार ने बीते कुछ वर्षों में कई नए विश्वविद्यालय खोले हैं, लेकिन उनमें जरूरी स्टाफ की नियुक्ति नहीं हो सकी। राजा शंकर शाह विश्वविद्यालय (छिंदवाड़ा), क्रांतिवीर तात्या टोपे विश्वविद्यालय (गुना), क्रांति सूर्य टंट्या भील विश्वविद्यालय (खरगोन), महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय (छतरपुर) और रानी अवंतीबाई लोधी विश्वविद्यालय (सागर) में एक भी असिस्टेंट प्रोफेसर पदस्थ नहीं है।

तीन दर्जन से अधिक विषय बिना शिक्षक

मंत्री के मुताबिक, 17 विश्वविद्यालयों में 93 ऐसे कोर्स चलाए जा रहे हैं, जिनके लिए कोई असिस्टेंट प्रोफेसर उपलब्ध नहीं है। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर में अर्थशास्त्र, अंग्रेजी, इतिहास, संस्कृत, समाजशास्त्र, कंप्यूटर साइंस जैसे विषयों में एक भी असिस्टेंट प्रोफेसर नहीं है। विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन में दर्शनशास्त्र, पर्यावरण प्रबंधन, सांख्यिकी, वाणिज्य, संस्कृत में शिक्षक नहीं है। तात्या टोपे विश्वविद्यालय गुना में बीएससी, एमएम, एमकॉम, पीजीडीसीए, बीलिब, एमलिब जैसे कोर्स में कोई शिक्षक नहीं है। अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा में व्यवसायिक अर्थशास्त्र, रूसी भाषा, मनोविज्ञान के लिए शिक्षक नहीं है। देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर में जनजातीय अध्ययन, एविएशन टूरिज्म, कृषि विज्ञान जैसे विभागों में शिक्षकों की भारी कमी है। चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय में योग, समाजशास्त्र, कंप्यूटर साइंस, एग्री बिजनेस मैनेजमेंट, फूट टेक्नोलॉजी सहित कई विषय बिना शिक्षक के चल रहे हैं।

उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने माना कि असिस्टेंट प्रोफेसर के अधिकांश पद रिक्त हैं। जिन विषयों में स्थायी शिक्षक नहीं हैं, वहां अतिथि विद्वानों या समानधर्मी विषयों के शिक्षकों से पढ़ाई करवाई जा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि अन्य विभागों के कोर्स में शिक्षकों की स्थिति का आकलन किया जा रहा है।

वित्तीय अनियमितता पर आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में पदस्थ 7 सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों की सेवा समाप्त

सेवाएं दिए बिना ही भुगतान लेकर आम जनता से भी की नैतिक धोखाधड़ी

भोपाल। आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में पदस्थ 7 सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों की सेवा समाप्ति राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन मध्यप्रदेश द्वारा की गई है। इन सभी पर वित्तीय धोखाधड़ी के आरोप प्रमाणित होने पर मिशन संचालक द्वारा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के संविदा मानव संसाधन मैनुअल के तहत यह कार्रवाई की गई है। इन सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों द्वारा शासन द्वारा दी जाने वाली प्रदर्शन आधारित प्रोत्साहन राशि को पात्रता न होने पर भी कूटरचित दस्तावेज प्रस्तुत कर राशि प्राप्त की गई थी।

आमजन को मूलभूत स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाने के लिए आयुष्मान आरोग्य मंदिरों की स्थापना की गई है। इन केंद्रों में मातृ स्वास्थ्य, शिशु स्वास्थ्य, असंचारी रोग, क्षय रोग सहित विभिन्न स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया करवाने के लिए

सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों की पदस्थापना की गई है। सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों को मानदेय के साथ साथ प्रदर्शन आधारित प्रोत्साहन राशि भी दी जाती है, जो बीमारियों की स्क्रीनिंग, उपचार और फॉलोअप के लिए मानदेय के अलावा अतिरिक्त रूप से दी जाती है।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन मध्यप्रदेश द्वारा समीक्षा के दौरान ये पाया गया था कि प्रदर्शन आधारित प्रोत्साहन राशि को पात्रता न होने पर भी निकाल लिया गया है। जिन 7 सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों को मिशन द्वारा सेवा से पृथक किया गया है,उनके द्वारा अप्रैल 2024 से मार्च 2025 के बीच में उच्च रक्तचाप, मधुमेह, कैंसर स्क्रीनिंग, उपचार और फॉलोअप के लिए दी जाने वाली प्रोत्साहन राशि को कूटरचित दस्तावेजों के माध्यम से निकाल लिया गया था। राज्य स्तरीय अधिकारियों द्वारा इन कर्मचारियों के प्रदर्शन आधारित प्रोत्साहन राशि अभिलेखों, प्राप्त राशि, वास्तविक रूप से किए कार्य और इस हेतु पात्र राशि की जांच की गई थी। जांच के दौरान इन कर्मचारियों ने भी स्वीकार किया कि उनके द्वारा कूटरचित दस्तावेजों के माध्यम से अतिरिक्त लाभ प्राप्त किया गया।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन मध्यप्रदेश 2025 के मानव संसाधन मैनुअल के अनुरूप संविदा अधिकारी, कर्मचारी द्वारा कदाचरण करने और अनियमितता में सम्मिलित होने पर सेवा समाप्ति की कार्यवाही की गई है। इनके द्वारा कार्य किए बिना ही राशि निकाल कर गरीब जनता के साथ भी नैतिक धोखाधड़ी की गई है।

इनकी हुई सेवाएं समाप्त

उज्जैन जिले के महिदपुर ब्लॉक स्थित स्वास्थ्य केंद्र महुदी न्यू में पदस्थ ज्योति निम्बड़वा, सागर जिले के शाहगढ़ ब्लॉक स्थित स्वास्थ्य केंद्र नारवा में पदस्थ निधि बोस, अनूपपुर जिले के अनूपपुर ब्लॉक स्थित स्वास्थ्य केंद्र मौहरी में पदस्थ पूजा पनिका, जबलपुर जिले के शाहपुरा ब्लॉक स्थित स्वास्थ्य केंद्र सूखा में पदस्थ पूनम महतो, धार जिले के तिरला ब्लॉक स्थित स्वास्थ्य केंद्र भूतिबावड़ी में पदस्थ आशीष पटेल, अशोकनगर जिले के मुंगावली ब्लॉक स्थित स्वास्थ्य केंद्र बमौरी टांका में पदस्थ गौरी दामोर, बैतूल जिले के आठनेर ब्लॉक स्थित स्वास्थ्य केंद्र भिवापुर में पदस्थ योगिता है।

नाराज छात्र व कर्मचारियों का राजधानी में जगह-जगह प्रदर्शन

भोपाल। स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली से नाराज नर्सिंग छात्रों से लेकर एनएचएम और आउटसोर्स कर्मचारियों का धरना प्रदर्शन राजधानी के अलग-अलग स्थानों पर चल रहा है। एक तरफ जहां नर्सिंग छात्र संगठन का अंबेडकर पार्क में और मध्य प्रदेश संविदा आउटसोर्स स्वास्थ्य कर्मचारी संघ का शाहजहानी पार्क में प्रदर्शन जारी है। वहीं, महिला बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कार्यकर्ता एएनएम मध्य प्रदेश की ममता हिरवे अपने साथियों के साथ 1250 परिसर में आमरण अनशन पर बैठी हैं। मध्य प्रदेश संविदा-आउटसोर्स स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के आव्हान पर सोमवार को शाहजहानी पार्क में आउटसोर्स और रोगी कल्याण समिति के स्वास्थ्य कर्मचारियों ने धरना प्रदर्शन किया। ये कर्मचारी शोषण प्रथा के खिलाफ नारेबाजी कर रहे हैं और आउटसोर्स-रोगी कल्याण समिति कर्मचारियों के लिए नीति बनाने और न्यूनतम वेतन 21,000 रुपए तय करने समेत 10 सूत्रीय मांग कर रहे हैं। कर्मचारियों का आरोप है कि प्रदेश के 30 हजार से अधिक आउटसोर्स स्वास्थ्य कर्मचारी, जिनमें सपोर्ट स्टाफ, डेटा एंट्री ऑपरेटर, वार्ड आया-बॉय, ऑक्सीजन टेक्नीशियन, सुरक्षा कर्मी और सफाई कर्मी कई सालों से सरकारी अस्पतालों में काम कर रहे हैं। सरकार ने 10 साल में भी उनके लिए, ठोस नीति नहीं बनाई है। निजी आउटसोर्स एजेंसियां मनमर्जी से वेतन तय कर रही हैं, कई जिलों में 4-5 महीने से वेतन का भुगतान भी नहीं किया गया। आउटसोर्स कंपनियां और जिला अधिकारी वेतन में हर महीने करोड़ों रुपए का घोटाला कर रहे हैं। कुशल और अर्द्ध-कुशल श्रमिक दर तय होने के बावजूद कर्मचारियों को केवल 60-70 प्रतिशत वेतन दिया जा रहा है। वेतन न मिलने से कर्मचारियों के परिवार आर्थिक संकट में हैं।मध्य प्रदेश की लगभग 500 महिला बहुउद्देश्यीय स्वास्थ्य कार्यकर्ता (एएनएम) अभ्यर्थी सोमवार से भोपाल के 1250 जेपी अस्पताल परिसर में आमरण अनशन पर बैठ गई हैं। इस आंदोलन का नेतृत्व ममता हिरवे कर रही हैं।

महिला फुटबॉल: स्पेन से वर्ल्ड कप की हार का लिया बदला

स्पेन को हराकर इंग्लैंड ने लगातार दूसरी बार जीता यूरो कप का खिताब

बसेल,एजेंसी। डिफेंडिंग चैंपियन इंग्लैंड ने एक बार फिर से महिला यूरोपीय फुटबॉल चैंपियनशिप (यूरो कप)की ट्रॉफी जीत ली है। इंग्लैंड ने पेनल्टी शूटआउट में स्पेन को हराकर अपना यूरोपीय खिताब बरकरार रखा। वहीं खिताबी हैट्रिक बनाने में भी सफल रहा।

फाइनल में फुल टाइम के बाद गेम 1-1 से बराबर था। इंग्लैंड ने शूटआउट 3-1 से जीता। इंग्लैंड के लिए क्लोई केली ने विनिंग पेनल्टी किक लगाई। स्पेन के लिए मारियोना कालडेंटे ने 25वें मिनट में गोल किया। दोनों टीमों ने शुरूआत में एक दूसरे पर हमले किए। लेकिन गोल के बाद स्पेन मजबूत दिखा।

स्पेन ने ज्यादातर समय गेंद को अपने कब्जे में रखा। उन्होंने इंग्लैंड को ज्यादा मौके नहीं दिए। लेकिन इंग्लैंड ने मैच के 57वें मिनट में बराबरी की। अलेसिया रूसो ने गोल कर-के स्कोर 1-1 कर दिया। क्लोई केली ने बाईं ओर से बॉक्स में क्रॉस किया। रूसो ने डिफेंस के ऊपर से हेडर मारकर गोल कर दिया। इंग्लैंड की गोलकीपर हन्ना हैम्पटन ने मैरियोना काल्डेंटे और स्पेन की सुपरस्टार ऐटाना बोनमाटी के किक बचाए, लेकिन सलमा पारलुएलो का शॉट गोल से दूर चला गया। इंग्लैंड पहले हाफ में पिछड़ गया, दूसरे हाफ में वापसी की, ठीक वैसे ही जैसे उसने नॉकआउट दौर में इटली और स्वीडन के खिलाफ किया था।

टूर्नामेंट में खराब रही थी इंग्लैंड की शुरुआत, अब जीता खिताब

डिफेंडिंग चैंपियंस इंग्लैंड ने टूर्नामेंट की शुरूआत खराब रही। उन्हें फ्रांस से 2-1 से हार मिली। वे महिला यूरो में अपना पहला मैच हारने वाली पहली मौजूदा चैंपियन बन गईं। टीम ने नीदरलैंड पर 4-0 से जीत और वेल्स पर 6-1 से जीत के साथ वापसी की। फिर स्वीडन के खिलाफ क्वार्टर फाइनल में रोमांचक पल देखने को मिला। वे 12 मिनट शेष रहते 2-0 से पीछे थे। फिर उन्होंने बराबरी की और मैच को एक्स्ट्रा टाइम और पेनल्टी शूटआउट में ले गए। इंग्लैंड के अंत में 3-2 से जीतने से पहले नौ पेनल्टी प्रयास विफल रहे। इंग्लैंड ने इटली के खिलाफ सेमीफाइनल में और भी देर से बराबरी की। क्लोई केली ने 119वें मिनट में गोल करके अपनी टीम को 2-1 से जीत दिलाई थी। ऐसा लग रहा था कि एक और पेनल्टी शूटआउट होने वाला है, लेकिन ऐसा हुआ नहीं।

यह मैच 2023 वर्ल्ड कप फाइनल का रीमैच था

यह 2023 वर्ल्ड कप फाइनल का रीमैच था। उस फाइनल में स्पेन ने इंग्लैंड को 1-0 से हराया था। संयोग से, पिछले साल पुरुषों के यूरोपीय चैंपियनशिप फाइनल में भी यही टीमें खेली थीं। उस मैच में स्पेन 2-1 से जीता था। हाफ टाइम तक स्पेन ने मैच में 1-0 से बढ़त बना ली थी। यह पहला मौका था जब 1984 के पहले संस्करण के बाद यूएफा विमेंस यूरो का फाइनल पेनल्टी शूटआउट में तय हुआ। उस समय इंग्लैंड को स्वीडन के हाथों हार झेलनी पड़ी थी, लेकिन इस बार इंग्लिश शेरनियों ने इतिहास रच दिया।

सुदर्शन तीसरे नंबर के लिए बेहतर बल्लेबाज -पोंटिंग

मैनचेस्टर। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने युवा भारतीय बल्लेबाज साई सुदर्शन की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह तीसरे नंबर पर काफी अच्छी बल्लेबाजी कर सकते हैं। इसलिए प्रबंधन उन्हें इसके लिए अवसर दे। मैनचेस्टर में भारत की दूसरी पारी की खराब शुरुआत के बाद एक तीसरे नंबर पर किये उतारा जाये ये सवाल एक बार फिर उठा है। सुदर्शन इस मैच में पहली पारी में तो रन बनाने में सफल रहे थे पर दूसरी पारी में असफल रहे। भारत ने तीसरे स्थान पर चेतेश्वर पुजारा को हटाये जाने के बाद से ही के शुभमन गिल से लेकर एल राहुल, करुण नायर को भी आजमाया पर कोई भी सफल नहीं रहा।

पोंटिंग ने कहा कि तीसरे नंबर पर इतने सारे विकल्पों को खिलाने से किसी भी खिलाड़ी पर दबाव पैदा होता है। एक ऐसा दबाव जिसकी सुदर्शन जैसे एक युवा खिलाड़ी को जरूरत नहीं है। पोंटिंग ने कहा, आपको हर समय इस चिंता में डूबे रहने की जरूरत नहीं है कि आपको दूसरा मौका मिलेगा या नहीं। उन्होंने सुदर्शन को पहले टेस्ट के लिए शामिल किया फिर बाहर किया और मैनचेस्टर में फिर उसके पास ही आ गये। एक युवा खिलाड़ी के लिए, और आप जानते हैं, जब मैं तीसरे नंबर पर आया था तब मैं इतना युवा नहीं था, लेकिन आप बस अपने कप्तान और अपने कोचों से थोड़ा सा आश्वासन चाहते थे कि ठीक है, अब हम तुम्हें चुन रहे हैं, हम तुम्हें अच्छा अवसर देंगे और देखेंगे कि तुम कैसा प्रदर्शन करते हो। क्योंकि मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि सुदर्शन काफी अच्छा प्रदर्शन करेंगे पर उन्हें उन पर अपना विश्वास दिखाना होगा।

पोंटिंग ने भारतीय प्रबंधन से अपने खिलाड़ियों का समर्थन करने का आग्रह किया, जैसे इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स और कोच ब्रेंडन मैकुलम अपने खिलाड़ियों का समर्थन करते हैं, जिसमें सलामी बल्लेबाज जैक क्रॉली और ओली पोप प्रमुख उदाहरण हैं। अपनी असंगतियों और अक्सर खराब फॉर्म के बावजूद वे सलामी बल्लेबाज और तीसरे नंबर के रूप में टीम का अहम हिस्सा बने हुए हैं। उन्होंने कहा, अगर आप उन पर भरोसा करते हैं और उनका समर्थन करते रहेंगे, तो वे किसी न किसी मोड़ पर आपके लिए बड़ी, मैच विजेता पारियां जरूर खेलेंगे।

19 साल की दिव्या बनीं शतरंज की वर्ल्ड चैम्पियन

नई दिल्ली। भारतीय शतरंज के इतिहास में एक नया अध्याय जुड़ गया है। 19 वर्षीय दिव्या देशमुख ने फिडे वूमेन्स वर्ल्ड कप 2025 का खिताब अपने नाम कर लिया है। उन्होंने दुनिया की शीर्ष महिला शतरंज खिलाडि़यों में शुमार कोनेरू हम्पी को हराकर यह उपलब्धि अपने नाम किया। फाइनल मुकाबले में दोनों भारतीय दिग्गजों के बीच जबरदस्त टक्कर देखने को मिली। दोनों क्लासिकल गेम्स ड्रॉ रहे, जिसके बाद फैसला रैपिड टाईब्रेकर में हुआ। दिव्या देशमुख ने हम्पी को 1.5-0.5 से हराकर न केवल खिताब जीता बल्कि एक नया इतिहास भी रच दिया। वह शतरंज विश्व कप जीतने वाली पहली भारतीय महिला बन गई हैं। इस शानदार जीत के साथ ही दिव्या देशमुख भारत की 88वीं ग्रैंडमास्टर भी बन गई हैं। ग्रैंडमास्टर की उपाधि शतरंज की दुनिया में सबसे प्रतिष्ठित मानी जाती है और इसे हासिल करना किसी भी खिलाड़ी के करियर की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक होता है। इस जीत के बाद दिव्या को इनामी राशि के रूप में लगभग 43 लाख रुपये मिलेंगे। वहीं हम्पी को करीब 30 लाख रुपये मिलेंगे। यह पहली बार है, जब इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के फाइनल में दो भारतीय शतरंज खिलाड़ी आमने-सामने थीं। दोनों ही खिलाड़ी अब 2026 में होने वाले महिला कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए क्वालिफाई कर चुकी हैं, 8 खिलाडि़यों के कैंडिडेट्स टूर्नामेंट से अगले विश्व महिला चैम्पियनशिप मैच में मौजूदा विश्व चैम्पियन चीन की जू वेनजुन की प्रतिद्वंद्वी का फैसला होगा।

ऋषभ ने टीम को दिया संदेश, अंतिम टेस्ट जीतकर सीरीज बराबरी पर लायें

मैनचेस्टर। भारतीय टीम के विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत ने टीम के साथी खिलाड़ियों से कहा है कि वे अंतिम टेस्ट में अच्छा प्रदर्शन कर सीरीज को बराबरी पर समाप्त करें। अभी इस सीरीज में भारतीय टीम 1-2 से पीछे चल रही है। पैर में फ्रैक्चर के कारण ऋषभ पांचवें टेस्ट से बाहर हो गये हैं। भारतीय टीम की पहली पारी के दौरान ऋषभ ने दाहिने पैर में फ्रैक्चर के बाद भी जबरदस्त बल्लेबाजी कर अर्धशतक लगाया था। वह तेज गेंदबाज क्रिस वोक्स की यॉर्कर पर चोटिल हुए थे। चोट के कारण वह रिटायर हो गये थ पर जरुरत पड़ने पर दोबारा मैदान पर उतरे। अंतिम दिन टीम इंडिया ने दूसरी पारी में जबरदस्त बल्लेबाजी कर मैच बराबरी पर ला दिया। कप्तान शुभमन गिल, रवींद्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर के शतकों और केएल राहुल की जुझारू 90 रनों की पारी की बदौलत मेजबान इंग्लैंड को ड्रॉ के लिए मजबूर कर दिया।

बीसीसीआई ने अंतिम टेस्ट के लिए जगदीशन को शामिल किया

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने 31 जुलाई से ओवल में इंग्लैड के खिलाफ होने वाले पांचवे और अंतिम क्रिकेट टेस्ट मैच के लिए विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की जगह पर तमिलनाडु के के एन जगदीशन को शामिल किया है। ऋषभ चोटिल होने के कारण इस सीरीज से बाहर हो गये हैं। उन्हें चौथे टेस्ट के पहले ही दिन पैर के अंगूठे पर गेंद लग गयी थी। जिससे उनका अंगूठा फ्रैक्चर हो गया था। उन्हें इसके बाद छह सप्ताह के आराम के लिए कहा गया है। बीसीसीआई ने कहा ऋषभ पंत, जिन्हें मैनचेस्टर में इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट के दौरान दाएं पैर में फ्रैक्चर हुआ, उन्हें सीरीज के पांचवें और आखिरी टेस्ट मैच में शामिल नहीं किया गया है। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया के इस बयान में कहा गया, 'बीसीसीआई मेडिकल टीम उनके ठीक होने की प्रक्रिया पर नजर रखेगी और टीम उनकी शीघ्र स्वस्थ होने की उम्मीद करती है। ऋषभ चौथे टेस्ट के पहले दिन 37 रन बनाकर रिटायर हर्ट हुए थे! इंग्लैंड के तेज गेंदबाज क्रिस वोक्स की गेंद पर रिवर्स स्वीप खेलते हुए उनके दाएं पैर में चोट लगी थी, जिसके बाद उन्हें स्कैन के लिए भेजा गया। वह शार्दुल ठाकुर का विकेट गिरने के बाद फिर से बल्लेबाजी के लिए उतरे और उन्होंने शानदार अर्धशतक लगाया।

भारतीय दल इस प्रकार है -

शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, अभिमन्यु ईश्वरन, करुण नायर, रवींद्र जडेजा, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), वॉशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाशदीप, कुलदीप यादव, अंशुल कंबोज, अर्शदीप सिंह और एन. जगदीशन (विकेटकीपर)।

यूपीओए पेश करेगा नेशनल यूथ गेम्स के लिए दावेदारी

लखनऊ। नेशनल यूथ गेम्स की मेजबानी उत्तर प्रदेश में कराने के लिए उत्तर प्रदेश ओलंपिक संघ (यूपीओए) ने कमर कस ली है। आयोजन को कराये जाने के लिए यूपीओए जल्द ही भारतीय ओलंपिक संघ को प्रस्ताव भेजेगा। यह जानकारी यूपीओए के महासचिव डॉ. आनंदेश्वर पाण्डेय ने देते हुए बताया कि यह निर्णय आज यूपीओए की वार्षिक साधारण सभा (एजीएम) की बैठक में लिया गया। नेशनल यूथ गेम्स में 15 खेलों के आयोजन आसानी से किये जा सकते हैं। इनमें अधिकांश प्रतियोगिताएं राजधानी और गोरखपुर में आयोजित की जा सकती हैं। इन खेलों का इंफ्रास्ट्रक्चर यहां मौजूद है। नेशनल यूथ गेम्स के पहला संस्करण वर्ष 2027 किये जाने की तैयारी है। अब तक इन खेलों के आयोजन यहां नहीं हो सके हैं।

महासचिव आनंदेश्वर पाण्डेय ने कहा कि आगामी नेशनल गेम्स से पहले यूपी के खिलाड़ियों की तैयारी को बेहतर बनाने के लिए यूपी स्टेट गेम्स का आयोजन भी किया जाएगा। उन्होंने आगे बताया कि भविष्य में उत्तर प्रदेश नेशनल गेम्स की मेज़बानी का दावा भी पेश करेगा जिसके लिए प्रदेश में आवश्यक आधारभूत सुविधाएं मौजूद हैं। शहर के निजी होटल में आयोजित हुई बैठक की अध्यक्षता यूपीओए के चेयरमैन उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने की। इस मौके पर उन्होंने भी नेशनल यूथ गेम्स के आयोजन को सहमति दी। वहीं कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. नवनीत सहगल ने कहा कि एकलव्य क्रीड़ा कोष से प्रदेश के खिलाड़ी आर्थिक सहायता पा सकते है। इसके साथ ही आयुष्मान भारत योजना का लाभ भी प्रदेश के उभरते खिलाड़ियों तक पहुंचे, इसके लिए सभी जरूरी प्रयास किए जाएंगे।

इसके बाद चेयरमैन ब्रजेश पाठक ने एसोसिएशन को 51 हजार रुपये का अनुदान देने की घोषणा की। उसके उपरान्त यूपी रोइंग एसोसिएशन के संरक्षक पवन सिंह चौहान (एमएलसी), यूपीओए के उपाध्यक्ष विजय बहादुर पाठक (एमएलसी), एसोसिएट उपाध्यक्ष ओपी सिंह (पूर्व खेल मंत्री), एसोसिएट उपाध्यक्ष वीके सिंह (आईपीएस, एडीजी), यूपी जिम्नास्टिक एसोसिएशन से यूके मिश्रा और यूपीओए कोषाध्यक्ष डॉ. सैयद रफत जुबैर रिजवी ने भी 51-51 हजार रुपये की सहयोग राशि देने की घोषणा की।

इंग्लैंड ने पांचवें टेस्ट के लिए ओवरटन को शामिल किया

लंदन। इंग्लैंड ने 31 जुलाई से ओवल में शुरु हो रहे पांचवें व अंतिम क्रिकेट टेस्ट मैच के लिए ऑलराउंडर जेमी ओवरटन को 15 सदस्यीय टीम में शामिल किया है। ओवरटन के चयन में हैरानी की बात ये है कि उन्होंने अब तक केवल एक मैच ही खेला है। सरे के इस ऑलराउंडर ने साल 2022 में लीड्स में न्यूजीलैंड के खिलाफ अपना एकमात्र टेस्ट मैच खेला था। अपने डेब्यू मैच में उन्होंने दो विकेट लिए थे और 97 रन बनाए थे। उन्होंने इस साल इंडियन प्रीमियर लीग में चेन्नई सुपर किंग्स की तरफ से तीन मैच खेले थे। ओवरटन को अलावा अन्य कोई बदलाव नहीं किया गया है। इस सीरीज में सीरीज में भारतीय टीम 1-2 से पीछे चल रही है। एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के पहले मुकाबले में इंग्लैंड ने जीत हासिल की थी। लीड्स में खेले गए उस टेस्ट में भारतीय टीम की तरफ से दोनों पारियों में रिकॉर्ड 5 शतक लगो थे उसके बावजूद टीम को हार का सामना करना पड़ा था।

लीड्स टेस्ट में हार के बाद भारतीय टीम ने बर्मिंघम में 336 रनों से इंग्लैंड को हराया। लॉर्ड्स में खेले गए तीसरे टेस्ट में भारतीय टीम जीत के लिए 193 रनों के लक्ष्य का पीछा नहीं कर पाई और 170 रन ही सिमट गयी थी। वहीं मैनचेस्टर में खेले गए चौथे मैच में कप्तान शुभमन गिल, रविंद्र जडेजा और वॉशिंगटन सुंदर के शानदार शतकों और केएल राहुल की 90 रनों की जानदार पारी की बदौलत भारतीय टीम मैच ड्रॉ कराने में सफल रही है। अब भारतीय टीम का प्रयास अंतिम मैच को जीतकर सीरीज 2-2 से बराबरी पर लाना रहेगा।

इंग्लैंड टेस्ट टीम- बेन स्टोक्स (कप्तान), जोफ्रा आर्चर, गस एटकिंसन, जैकब बेथेल, हैरी ब्रुक, ब्रायडन कार्स, जैक क्रॉली, लियाम डॉसन, बेन डकेट, जेमी ओवरटन, ओली पोप, जो रूट, जेमी स्मिथ, जोश टंग, क्रिस वोक्स।

स्टोक्स ने की थी जडेजा से मैच समाप्त करने की पेशकश

मैनचेस्टर। यहां भारत के खिलाफ हुए चौथे टेस्ट मैच में ड्रॉ के साथ ही भारतीय बल्लेबाजों ने मेजबान इंग्लैंड के सीरीज जीतने का सपना तोड़ दिया। इस टेस्ट में एक समय मेजबान टीम की जीत तय मानी जा रही थी पर कप्तान शुभमन गिल सहित अन्य खिलाड़ियों के शतकों से भारतीय टीम इस मैच को ड्रॉ कराने में सफल रही। इस मैच में रवींद्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर के बीच 303 गेंदों में 203 रन की रिकार्ड साझेदारी हुई। मैच में एक समय ऐसा भी आया जब हालात बेहद तनावपूर्ण हो गए। चौथे दिन भारतीय टीम के शुरुआत में ही दो विकेट गिरने के बाद लग रहा था कि हार तय है पर जडेजा और सुंदर की शानदार साझेदारी ने इंग्लैंड की उम्मीदों पर पानी फैर दिया। ऐसे में जब मैच का परिणाम निकलना असंभव नजर आ रहा था। तो थकान से परेशान मेजबान टीम के कप्तान बेन स्टोक्स ने मैच सामप्त करने के पेशकश की पर भारतीय पक्ष ने ठुकरा दिया। जिससे मेजबान टीम और भी झल्ला गयी।

स्टोक्स मैच समाप्त करने के लिए जडेजा से कहने लगे पर उन्होंने साफ कर दिया कि इस प्रकार के फैसले लेने का अधिकार उनके हाथ में नहीं है। ड्रॉ पर सहमति का कोई भी फैसला वह नहीं ले सकते। इस दौरान ड्रेसिंग रुम में खड़े भारतीय कप्तान शुभमन गिल हंसते नजर आए। वहीं चौथे दिन तक लग रहा था कि मेजबान टीम आसानी से मैच जीत जाएगी पर कप्तान शुभमन 103 और केएल राहुल 90 के बीच तीसरे विकेट के लिए 188 रन की साझेदारी के बाद जडेजा नाबाद 107 और वाशिंगटन सुंदर नाबाद 101 ने पांचवें विकेट के लिए 203 रन की साझेदारी की।

शुभमन सीख रहे हैं उनपर भरोसा बनाये रखें - कपिल

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव ने कहा है कि युवा बल्लेबाज शुभमन गिल का ये कप्तान के तौर पर पहला दौरा है, इसलिए ये स्वाभाविक है कि वह सीख रहे है और ऐसे में गलतियां करेंगे ही। इसलिए हमें उनपर भरोसा बनाये रखते हुए उनका समर्थन करते रहना होगा। कपिल ने आलोचकों से कहा कि कप्तानी के मामले में परिपक्व होने के लिए कुछ समय देने दिया जाना चाहिये। गिल को रोहित शर्मा और विराट कोहली के अचानक संन्यास लेने के कारण इंग्लैंड दौरे के ठीक पहले कप्तान बनाया गया था। बतौर कप्तान इस सीरीज में उन्होंने काफी अच्छी बल्लेबाजी की है।

कपिल कहा, "उसे समय दो। यह उसकी पहली सीरीज है, वह गलतियां करेगा और समय के साथ कई सकारात्मक बातें भी होंगी, वह सीखेगा। वह अगर सीख रहा है तो कोई समस्या नहीं है। वह अपनी गलतियों से सीख रहा है, यह बहुत महत्वपूर्ण है।" उन्होंने कहा, "यह एक युवा टीम है, इन्हें खेलने का मौका मिल रहा है और आने वाले दिनों में ये खिलाड़ी जीतेंगे। यह बस एक नई टीम है। दुनिया में किसी भी नई टीम को तालमेल बिठाने में समय लगता है। गिल एक नए कप्तान हैं, और वे बहुत कुछ सीखेंगे और मुझे लगता है कि यह सीरीज सीखने का एक कदम होगी।" कपिल ने तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को लेकर कहा कि उसने चोट से बचने के लिए पांच मैचों की इस सीरीज के केवल तीन टेस्ट खेलने का विकल्प चुना था। जो उसके अनुसार सही है। साथ ही कहा, "मुझे लगता है कि हर कोई अलग है। समय बदल गया है। सब का शरीर अलग है। वे अलग तरह से काम कर रहे हैं। सब को एक ही प्रकार के देखना सही नहीं होगा। वह हमारे पास मौजूद तेज गेंदबाजों में से एक है पर उसका एक्शन काफी अलग है और ऐसे में फिटनेस बनाए रखना मुश्किल होता है।"

उन्होंने कहा, "हमने नहीं सोचा था कि उसका करियर इतना लंबा होगा क्योंकि वह शरीर पर बहुत अधिक जोर डालता है। इसके बावजूद भी वह भारतीय टीम के लिए शानदार प्रदर्शन कर रहा है। " वहीं डेब्यू करने वाले युवा तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि किसी खिलाड़ी से पहले ही मैच में प्रदर्शन में चमत्कार की उम्मीद करना सही नहीं है।

कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला-बालाघाट (म.प्र.)

07632-241099(Office), E-Mail-cmhobal@mp.nic.in,Visit us at www.health.mp.gov.in

क्रमांक/निविदा/07/2025/ 6302 बालाघाट, दिनांक 25 जुलाई 2025

:: द्वितीय निविदा आमंत्रण सूचना ::

लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के अंतर्गत बालाघाट जिले में संचालित समस्त कार्यालय एवं समस्त चिकित्सा संस्थाओं यथा-जिला चिकित्सालय बालाघाट, सिविल अस्पताल वारासिवनी, बैहर, लांजी, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र(समस्त), प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द(समस्त), हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर्स आदि में आऊटसोर्स के आधार पर साफ-सफाई सेवा, सुरक्षा कर्मी सेवा, आऊटर्सोस मानव संसाधन सेवा एवं मोबिलिटी सर्पोट (वाहन) सेवा हेतु आगामी 12 माह के लिए https://www.mptenders.gov.in के माध्यम से निम्नानुसार विभिन्न प्रवर्गो में जिला स्तर पर निविदा आमंत्रित की जाना है:-

प्रवर्ग कमांक	प्रवर्ग का प्रकार	निविदा कार्य का अनुमानित मूल्य (रू.)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू.) (ऑनलाईन)	EMD (3% of Tender Cost) राशि(रू.) Online
प्रवर्ग एक	साफ-सफाई सेवा	1,90,85,897.00	रू. 2000.00	5,72,577.00
प्रवर्ग दो	सुरक्षा सेवा	1,32,29,573.00	रू. 2000.00	3,96,887.00
प्रवर्ग तीन	आऊटर्सोस मानव संसाधन सेवा	1,94,39,595.00	रू. 2000.00	5,83,188.00
प्रवर्ग चार	मोबिलिटी सर्पोट (वाहन) सेवा	1,44,43,200.00	रू. 2000.00	4,33,296.00

टेण्डर डॉक्यूमेन्ट https://www.mptenders.gov.in पर राशि रू. 2000.00 ऑनलाईन भुगतान कर निविदा प्रपत्र, निविदा की नियम एवं शर्ते डाऊनलोड किया जा सकता है। उपरोक्त प्रवर्ग हेतु टेक्नीकल बिड एंव दर बिड अलग-अलग ऑनलाईन निविदाएं प्रस्तुत करना होगा।

1. निविदा की अनुमानित राशि की 03 प्रतिशत उपरोक्तानुसार अमानत राशि मुख्य चिकित्सा एंव स्वास्थ्य अधिकारी/सदस्य-सचिव, जिला स्वास्थ्य समिति बालाघाट (म.प्र.) को ऑनलाईन https://www.mptenders.gov.in के माध्यम से ही देय होगी।
2. प्रत्येक प्रवर्ग के लिए अलग-अलग राशि का EMD भुगतान कर निविदा प्रपत्रों के साथ online की रसीद संलग्न करना अनिवार्य होगा अन्यथा निविदा पर विचार नही किया जावेगा।
3. ऑनलाईन निविदा प्रकाशन की संभावित तिथि : 30 जुलाई 2025 अपराह्न 3:00 बजे
4. जिला निविदा/कय समिति की प्री-बीड मिटिंग : 06 अगस्त 2025 दोपहर 12:30 बजे
5. ऑनलाईन निविदा प्रपत्र वेबसाईट से डाऊनलोड करने की अंतिम तिथि एवं समय - 12 अगस्त 2025 दोपहर 12:00 बजे तक
6. ऑनलाईन निविदा प्रपत्र वेबसाईट पर जमा/अपलोड करने की अंतिम तिथि एवं समय - 12 अगस्त 2024 सायं 5:00 बजे तक
7. तकनीकी बीड ऑनलाईन खोलने की संभावित तिथि - 13 अगस्त 2025 दोपहर 12:30 बजे
8. तकनीकी बीड में पात्र पाए गये निविदाकारों की वित्तिय बीड ऑनलाईन खोलने की संभावित तिथि - 22 अगस्त 2025 दोपहर 12:30 बजे
9. निविदाओं को निरस्त करने का पूर्ण अधिकार कलेक्टर/अध्यक्ष, जिला स्वास्थ्य समिति बालाघाट का होगा।

जी-16400/25

25/07/25

(डॉ.परेश उपलप)
मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी
जिला-बालाघाट (म.प्र.)

'स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता'

लिंगेश्वर शिवमंदिर से ही ग्राम का नाम पड़ा लिंगा

नागा बाबाओं ने की थी शिवलिंग की स्थापना

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जिला मुख्यालय से महज 10 किमी. दूरी पर स्थित पुण्य सलिला घिसर्री नदी के तट पर बसे लिंगा ग्राम का नाम ही श्री सिद्ध लिंगेश्वर शिव मंदिर के नाम पर पड़ा हैं। जिसके हृद्रयस्थल गुजरी चौक में श्री सिद्ध लिंगेश्वर शिवमंदिर निर्मित है, जो बरसो पुराना, सिद्ध स्थल और आस्था का केन्द्र है।जहां प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी देवाधिदेव महादेव भगवान भोलेनाथ का महापर्व सावन पूरी आस्था, विश्वास और श्रद्धा के साथ मनाया जा रहा है।प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी यहां सावन मास पर श्रद्धालुओं का हुजूम लगा हुआ है।जहां सावन मास पर भगवान शिव का जलाभिषेक करने लोग दूर दूर से पहुँच रहे है और पुण्य लाभ अर्जित कर रहे है।यही कारण है कि ब?ी संख्या में भक्तगण, आस्था और विश्वास के साथ,

जलाभिषेक करने यहां आते है।सावन के तीसरे सोमवार को नगर के विभिन्न क्षेत्रों से श्रद्धालुओं का हुजूम ग्राम लिंगा स्थित लिंगेश्वर मंदिर में पहुंचा।जहां भगवान शिव का जलाभिषेक कर विधि विधान से उनकी पूजा अर्चना पर अन्य धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराए गए जो देर रात तक चलते रहे।

नागा बाबाओं ने की थी शिवलिंग की स्थापना

श्री सिद्ध लिंगेश्वर धाम को लेकर किवंदती है कि प्राचीन काल में लिंगा की हरियाली भूमि, जंगल एवं झाड़ियों से घिरी थी। उस समय नागा बाबाओं ने शिवलिंग की यहां स्थापना की थी तथा बसाहट के साथ शिवलिंग स्थल पर झोपड़ीनुमा मंदिर बना दिया था। आज वही आस्था का केन्द्र शिवमंदिर, शिवभक्तों के लिए आकर्षक एवं खूबसूरती से पूरिपूर्ण है। जानकार बताते है कि लिंगेश्वर शिवमंदिर से ही इस ग्राम का नाम लिंगा पड़ा है। जिस सिद्धस्थल के चमत्कार एवं अलौकिक श्रद्धा, यहां भक्तों को खींच लाती है। जिनके दर्शनमात्र से ही भक्तों की सभी मनोकामना पूर्ण हो रही है। लिंगा स्थित लिंगेश्वर शिवधाम मंदिर के गर्भगृह में सिद्ध शिवलिंग स्थापित है, साथ ही सिद्ध हनुमान जी भी विराजित है। जो आस्था और श्रद्वा का प्रतिक है। श्रद्वा और आस्था के इस श्री लिंगेश्वर शिवधाम में बड़ी संख्या में भक्तगण पहुंचकर भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त करते है।जिसके नजारे यहां सावन मास पर आए दिन देखने को मिल रहे है।

भक्ति भाव के साथ किया गया रुद्राभिषेक

पुरातात्विक और ऐतिहासिक धरोहरो को समेटे,इस प्राचीन ऐतिहासिक पुरातनकालीन मन्दिर में, प्रतिवर्ष सावन मास में प्रतिदिन, रूद्राभिषेक होता है।जो अब भी जारी है।लिंगा के सिद्ध लिंगेश्वर मंदिर के बारे में पंडित रमाकांत शुक्ला बताते है कि गांव के गुजरी चौक में बसे श्री सिद्ध लिंगेश्वर मंदिर, पुरातन काल से आस्था का केन्द्र है। प्राचीन काल में तपस्वी नागा बाबाओं ने यहां अपनी दिव्य शक्तियों से शिवलिंग की स्थापना कर, झोपड़ीनुमा मंदिर बनाया था।गांव का नाम भी लिंगेश्वर शिवलिंग से लिंगा नाम पड़ा है। उन्होंने बताया कि प्रतिवर्ष सावन मास के प्रतिदिन, यहां रूद्धाभिषेक किया जाता है। जो इस वर्ष भी भक्ति भाव के साथ किया जा रहा है।

ग्राम सोनपुरी में मनाया गया दक्ष प्रजापति जयंती

उकवा(पद्मेश न्यूज)। विगत दो वर्षो से ग्राम सोनपुरी में दक्ष प्रजापति की जयंती मनाई जा रही हैं। कुंभकार समाज के युवाओं के द्वारा शानदार तरीके से इस उत्सव को मनाया जा रहा है। जिसे देखकर समाज के वरिष्ठ श्री राम सजीवन की आंखें खुशी से डब डबाआ गई साथ ही समाज के नारी शक्ति और युवाओं में काफी उत्साह देखा गया बच्चे भी काफी प्रफुल्लित मुद्रा में नजर आए और सभी ने मिलकर बहुत ही उत्साह के साथ राजा दक्ष प्रजापति जी की जयंती का आनंद लिये।

दक्ष प्रजापति, जिन्हें अक्सर केवल दक्ष कहा जाता है। हिंदू पौराणिक कथाओं में एक प्रमुख पात्र हैं। वे प्रजापति हैं, सृष्टिकर्ता ब्रह्मा के मानस पुत्रों में से एक, और एक पूर्वज और दिव्य राजा के रूप में अपनी भूमिका के लिए जाने जाते हैं । वे सती के पिता भी हैं, जो बाद में भगवान शिव की पत्नी बनीं। जहां इस कार्यक्रम में प्रमुख रूप से उपस्थित रहे ग्राम पंचायत सरपंच सुनील उइके, समाज सेवी संदीप गजभिये, आर्यन तिलासे,कुंभकार समाज अध्यक्ष राजेश ग्रेसिया, सुरेश सेंदरे दिपक पज़ापति,किशोर रक्षा, राहुल, अजय शनिचरे,नंदकिशोर, लखन, मिथुन रक्षा,विनय,शकर विमल, सुरेद गसिया, दिलीप, हिरामन एवं समस्त कुंभकार समाज एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे।

औसानेश्वर मंदिर में भगदड़, 2 की मौत

बाराबंकी। यूपी में बाराबंकी के औसानेश्वर महादेव मंदिर में सावन के तीसरे सोमवार को भगदड़ मच गई। हादसे में दो श्रद्धालुओं की मौके पर ही मौत हो गई, 29 लोग घायल हैं, जिनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। बताया जा रहा है कि रविवार रात 2.30 बजे जलाभिषेक के दौरान मंदिर परिसर में अचानक करंट फैलने से हादसा हुआ। भागने के दौरान लोग एक-दूसरे को कुचलते चले गए। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने घटना को लेकर डीएम से 24 घंटे में रिपोर्ट मांगी है।

सीएमओ अवधेश यादव ने बताया- हादसे के बाद पुलिसकर्मी एंबुलेंस से 29 लोगों को हैदरगढ़ सीएचसी लेकर आए। 9 को त्रिवेदीगंज और 6 को कोठी सीएचसी भेजा गया। 5 गंभीर घायलों का जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। अब तक दो की मौत हुई है। डीएम शशांक त्रिपाठी ने बताया- कुछ बंदर बिजली के तार पर कूद गए थे, जिससे तार टूटकर मंदिर परिसर के टीनशेड पर गिर गया। इसी कारण करंट फैल गया। करंट लगने से प्रशांत कुमार (16) और रमेश कुमार (35) की मौत हुई है।

सुप्रीम कोर्ट ने ऑनलाइन माफी पर विजय शाह को फटकारा, कहा- हमारे धैर्य की परीक्षा ले रहे

अभी तक सार्वजनिक रूप से माफी क्यों नहीं मांगी

13 अगस्त तक जांच रिपोर्ट दे एसआईटी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को मध्य प्रदेश सरकार के मंत्री विजय शाह को कड़ी फटकार लगाई है। कारण है कि उन्होंने भारतीय सेना की महिला अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी और अब तक उसके लिए सार्वजनिक रूप से माफी नहीं मांगी। मामले में सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि मंत्री विजय शाह का व्यवहार संदेह पैदा करता है कि क्या उन्होंने जानबूझकर यह टिप्पणी की थी और अब माफी न मांगकर अपनी गलती नहीं मान रहे हैं। कोर्ट ने कहा कि इससे मंत्री की नीयत और ईमानदारी पर सवाल उठते हैं। ऑपरेशन सिंदूर की ब्रीफिंग करने वाली कर्नल सोफिया कुरैशी पर टिप्पणी को लेकर भाजपा मंत्री विजय शाह की ऑनलाइन माफी पर सुप्रीम कोर्ट ने फटकार लगाई है। सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को जस्टिस सूर्यकांत और जॉयमाल्या बागची की बेंच ने शाह के मामले में सुनवाई की। कोर्ट ने शाह द्वारा सार्वजनिक रूप से मांगी गई माफी को निष्ठाहीन बताते हुए खारिज कर दिया। यह देखते हुए कि अपने माफीनामे वाले वीडियो में शाह ने जनभावनाओं को ठेस पहुंचाने की बात स्वीकार

नहीं की। जस्टिस सूर्यकांत ने कहा- वह आत्मचिंतन करें कि अपनी सजा कैसे चुकाएं। आपकी वह सार्वजनिक माफी कहां है? हमारे धैर्य की परीक्षा ले रहे हैं। साथ ही मामले की जांच कर रही विशेष जांच टीम (एसआईटी) को सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया है कि वह 13 अगस्त तक जांच पूरी करे और रिपोर्ट अदालत में पेश करे। कोर्ट ने कहा कि अब समय आ गया है कि इस मामले में तेजी लाई जाए और उचित कदम उठाए जाएं। बता दें कि यह मामला तब शुरू हुआ जब मंत्री विजय शाह ने कर्नल सोफिया कुरैशी को लेकर कथित तौर पर आपत्तिजनक बयान दिया था। इस बयान को सेना की गरिमा के खिलाफ माना गया और इस पर काफी बवाल भी हुआ। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की गई थी।

सुप्रीम कोर्ट की सख्ती

मामले में सुप्रीम कोर्ट ने यह भी साफ किया है कि सेना और उसके अधिकारियों की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। ऐसे में अब सभी की नजर एसआईटी की रिपोर्ट पर है, जो 13 अगस्त तक कोर्ट में दाखिल की जानी है। यदि जांच में मंत्री की गलती पाई जाती है, तो उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई हो सकती है।

श्री शिव साई मन्दिर में निभाई गई 12 वर्षो से चली आ रही परम्परा

सावन मास पर महिलाओ ने मिट्टी से किया रुद्र का निर्माण

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। भगवान शिव की भक्ति का माह सावन मास अब अपने अंतिम चरण में है। इस अवसर पर जगह जगह विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन कर भगवान शिव की आराधन की जा रही है। इसी क्रम में श्रावण मास के तीसरे सोमवार को नगर में जगह-जगह विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए गए।जिसमें प्रतिवर्ष के अनुसार इस वर्ष भी नगर के श्री शिव सांई मंदिर में राधे महिला मंडल के द्वारा पिछले 12 वर्षों से चली आ रही परम्परा का निर्वहन किया गया।जहां जिले भर से पहुची महिलाओ ने सामुहिक रूप से पार्थिक पूजन, भगवान शिव का मिट्टी से रुद्रा निर्माण, पंचामृत, रुद्राभिषेक, हवन पूजन सहित विभिन्न कार्यक्रमों में बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया।तो वही भंडारा सहित अन्य कार्यक्रमों के साथ अन्य धार्मिक अनुष्ठान कराए गए।

सुबहा 10 बजे से 03 बजे तक चला पार्थिक पूजन

श्री शिव सांई मंदिर ट्रस्ट के तत्वाधान में सावन मास के पावन अवसर पर राधे महिला मंडल के द्वारा प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी भगवान शिव का पार्थिव पूजन का आयोजन किया गया है।जिसमें महिलाओं द्वारा हर दिन पार्थिव शिव लिंग का निर्माण कर पूजा की जा रही है। बताया जा रहा है कि सावन के चौथे सोमवार को इसका समापन रहेगा। समापन अवसर पर भगवान शिव का पार्थिव पूजन व अभिषेक किया जाएंगा। इसके बाद हवन पूजन व राधे महिला मंडल द्वारा महाआरती व श्री शिव सांई मंदिर ट्रस्ट द्वारा महाप्रसाद का वितरण किया जाएंगा।

समापन पर इन कार्यक्रमों के होंगे आयोजन

बताया गया कि सावन मास के समापन पर आयोजकों द्वारा पार्थिव शिव लिंग की विशेष पूजा अर्चना सामुहिक रूप से रुद्रभिषेक सहित अन्य कार्यक्रमो के आयोजन किए जाएगे।जहा रुद्रभिषेक यज्ञ का आयोजन कर विधि विधान से दूध, जल, सहित अन्य पूजन सामग्री चढ़ाकर भगवान शिव की विशेष पूजा-अर्चना की जाएगी।वही भगवन शिव की पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-समृद्धि की मनोकामना के साथ ही जिला व देश की सुख-समृद्धि की सामुहिक रूप से

कामना होंगी। इसके तुरंत बाद राधे महिला मंडल द्वारा आयोजित कार्यक्रम का समापन होगा तो वही श्री शिव साइन ट्रस्ट मंदिर द्वारा महाप्रसाद का आयोजन कर कार्यक्रम का समापन किया जाएगा।

जन कल्याण विश्व कल्याण और विश्व शांति के लिए किया जाता है आयोजन- वैष्णव

राधे महिला मंडल द्वारा प्रतिवर्ष के अनुसार इस वर्ष भी श्री शिव साई मंदिर में आयोजित इस कार्यक्रम को लेकर की गई चर्चा के दौरान श्री शिव सांई मंदिर ट्रस्ट के पुजारी पं. महंत दास वैष्णव ने बताया कि भगवान शिव का रूद्राभिषेक करने से घर में सुख शांति व समृद्धि का वातावरण रहता है। भगवान देवादिदेव महादेव की कृपा बनी रहती है। इसी के तहत प्रतिवर्ष के अनुसार इस वर्ष भी राधे महिला मंडल की महिलाओं द्वारा विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए है।जिसके तहत रोजाना ही विभिन्न कार्यक्रम किए जा रहे हैं। उन्होंने आगे बताया कि राधे महिला मंडल के प्रयासों से पिछले 12 वर्षों से यहां सावन मास पर पार्थिव पूजन किया जाता है। जिले के प्रत्येक क्षेत्र से महिलाएं माता बहने यहां आकर भगवान का मिट्टी से रूद्र निर्माण करते हैं। जो सुबह 10बजे से 3 बजे तक चला। उसके बाद भगवान शिव का पूजन किया जाता है। वही पंचामृत व पूर्ण रुद्राभिषेक ब्राह्मणों द्वारा संपन्न कराया जाता है। श्री शिव साई मंदिर ट्रस्ट द्वारा मंदिर में यह कार्यक्रम विश्व कल्याण, विश्व जन कल्याण और विश्व शांति को दृष्टिगत रखते हुए किया जाता है।

पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग सदस्य मौसम बिसेन का समर्थकों ने किरनापुर आगमन पर गर्मजोशी से किया स्वागत

किरनापुर(पद्मेश न्यूज)। बालाघाट विधानसभा के नेता पूर्व केबिनेट मंत्री गौरीशंकर बिसेन की सुपुत्री मौसम बिसेन को गत दिवस म.प्र. पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग का सदस्य मनोनित किया गया है। जिसके बाद उन्होंने भोपाल में पद ग्रहण करने के पश्चात 28 जुलाई को उनका प्रथम बार किरनापुर नगरागमन हुआ। इस अवसर पर भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं के रजेगांव मार्ग पर मां किरनाई मंदिर प्रवेश द्वार पर पहुंचकर म.प्र. पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग सदस्य मौसम बिसेन का स्वागत किया। तत्पश्चात मौसम बिसेन ने माँ किरनाई मंदिर पहुंचकर माता-रानी की पूजा अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया। जिसके बाद उनका काफिला बाबा कोटेश्वर धाम लांजी के लिए रवाना हुआ। इस दौरान पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग सदस्य मौसम बिसेन का भाजपा के कार्यकर्ता एवं समर्थकों के द्वारा किरनापुर मे आतिशबाजी व मिठाई खिलाकर स्वागत किया। इस दौरान भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं के द्वारा बारी बारी से पुष्प माला पहनाकर मिठाईयां बांटकर स्वागत व सम्मान किया। साथ ही उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है। इस अवसर पर म.प्र. पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग सदस्य मौसम बिसेन ने पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं से सीजन्य भेंट कर कहा कि जो दायित्व मुझे सौधा गया है। जिसका ईमानदारी से निर्वहन कर अन्य पिछड़ा वर्ग के हित में काम कर 27 प्रतिशत का आरक्षण सरकार से दिलवाने का पुरा प्रयास किया जायेगा। वहीं विश्राम गृह में स्वागत-सम्मान कार्यक्रम संपन्न होने के बाद म.प्र. पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग सदस्य मौसम बिसेन का काफिला बालाघाट की और रवाना हुआ। इस तरह से मौसम बिसेन के म.प्र. पिछड़ा वर्ग कल्याण आचोग सदस्य बनने के बाद पहली बार नगरागमन होने पर कंजई से लेकर गर्रा तक पार्टी

के कार्यकर्ता एवं समर्थकों के द्वारा जगह-जगह ढोल-नगाड़ों के साथ स्वागत किया है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में भाजपा पार्टी के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं समर्थक उपस्थित रहे।

27 प्रतिशत आरक्षण के लिए अध्ययन कर सरकार को सौंपेगे रिपोर्ट - मौसम

सदस्य मौसम बिसेन ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार हर जाति, वर्ग, समुदाय के लोगों के प्रति बेहद संवेदनशील है एवं म.प्र. में बड़ी आबादी अन्य पिछड़ा वर्ग की है। जिसके कल्याण के लिए शिक्षा, रोजगार सहित राजनीतिक क्षेत्र में भी बने हिस्सेदारी इसके लिए म.प्र. पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग का गठन किया गया। साथ ही यह भी बताया गया कि यह गठन वर्ष 2021 में किया गया था, जिसमें स्तरीय पंचायत चुनाव में आरक्षण के साथ चुरान करचा कर एक नई मिसाल पेश की गई है। उसी कड़ी को आगे बढ़ाते हुए जो एक लंबे समय से बात अधूरी है कि 27 प्रतिशत आरक्षण कैसे पिछड़ा वर्ग को मिले। कानून के माध्यम से मध्यप्रदेश पिछड़ा वर्ग को आरक्षण मिले, पिछड़े वर्ग के बेटे-बेटियों को उन्न शिक्षा में उन्हें और भी आरक्षण की सुविधा मिले इसी के निमित्त इस आयोग का गठन हुआ है। मौसम बिसेन ने बताया कि हम यही विश्वास दिलाते हैं कि भारतीय जनक पर्टी का जी मूल मंत्र है, अंत्योदय हो, हमारा अनुसूचित जाति का समुदाय हो, अनुसूचित जनजाति का समुदाय हो, पिछड़ा वर्ग का हो, सामान्य वर्ग का हो हर किसी के लिए सबका साथ, सयका विकास, सम विश्वास और सब के प्रयास से हम बढ़ रहे हैं और प्रदेश विकसित मध्य प्रदेश बने इस दिशा में काम करेगें। म.प्र. पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग सदस्य मौसम बिसेन के स्वागत सम्मान कार्यक्रम के दौरान जनपद पंचायत किरनापुर अध्यक्ष राणा कल्याण सिंह, भाजपा मण्डल अध्यक्ष श्रीमती मीना नन्हे बहेकार, खुर्शीदा बानो कुरैशी, एन आर गर्दे, पवन बिसेन,जाकिर कुरैशी, बेनी अग्रवाल,राम कुमार राणा, मुकेश गौतम, टी सी बघेल, भजन बिसेन, भरत यादव, डॉ नन्हे बहेकार,चंदू राहंगडाले,दशरथ दशमेर, ओ आर मेश्राम,पवन पारधी सहित भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं समर्थक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

भारत-बांग्लादेश बार्डर पर बीएसएफ के सामने संकट...अवैध गतिविधियों को रोकना और खुद को बचाना

नई दिल्ली। भारत और बांग्लादेश के बीच 4,096 किलोमीटर लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा है, जिसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स (बीएसएफ) की है। हाल के दिनों में, खास तौर पर पिछले साल 5 अगस्त को बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के तख्तापलट के बाद, यह चुनौती और बढ़ गई है। बांग्लादेश की सत्ता में कट्टरपंथी मुसलमानों का दबदबा बढ़ने और उनके पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई से प्रभावित होने के कारण भारत की चिंता काफी बढ़ गई है। इन बदले हुए हालातों में, बीएसएफ पर भारी दबाव है। उन्हें न सिर्फ अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों से निपटना पड़ रहा है, बल्कि भारत में उन्हें संरक्षण देने वाले आपराधिक तत्वों का भी सीधा सामना करना पड़ रहा है। इसके बाद अब बीएसएफ के सामने एक दोहरा संकट है। एक ओर उन्हें सीमा पर अवैध गतिविधियों को रोकना है, वहीं दूसरी तरफ इन कार्रवाइयों के दौरान खुद को और अपने जवानों को हमलों से बचाना भी बड़ी जिम्मेदारी है। बीएसएफ को अवैध घुसपैठ रोकने, नकली नोट, ड्रग्स और मानव तस्करी पर लगाम लगाने के साथ-साथ खतरनाक अपराधियों से भी निपटना पड़ता है। ये अपराधी अक्सर बांग्लादेशी घुसपैठिए होते हैं या उन्हें संरक्षण देते हैं। बीएसएफ जवानों पर पिछले साल और इस साल भी कई आपराधिक हमले हुए हैं। इस साल जून तक ही 35 इसतरह के मामले सामने आए हैं, जबकि बीते साल 77 घटनाएं हुई थीं। इस गंभीर परिस्थिति में बीएसएफ जवाबी कार्रवाई करती है, तब बांग्लादेश और उसकी सीमा सुरक्षा बल, बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी), अक्सर भारत पर ज्यादा ताकत इस्तेमाल करने का आरोप लगाते हैं। इससे बीएसएफ पर अंतरराष्ट्रीय दबाव बढ़ता है और हर मुठभेड़ एक राजनयिक मुद्दा बन जाती है।

लेकिन अब इस दोहरी चुनौती से निपटने और बीएसएफ को मजबूत करने के लिए, गृह मंत्रालय ने हाल ही में कुछ महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इन कदमों के तहत बीएसएफ को लगभग 5,000 इसतरह के अत्याधुनिक बॉडी कैमरे दिए जा रहे हैं, जो नाइट-विजन डिवाइस से लैस हैं। ये कैमरे 12 घंटे तक की रिकॉर्डिंग कर सकते हैं और रात में भी काम करते है। इनका मुख्य उद्देश्य सीमा पर होने वाली हर गतिविधि, चाहे वह घुसपैठियों को वापस भेजना हो या तस्करों से मुठभेड़, को रिकॉर्ड करना है। इतना ही नहीं गृहमंत्रालय के द्वारा बीएसएफ की चौकियों पर बायोमैट्रिक डिवाइस भी उपलब्ध करवाई जा रही हैं। इससे घुसपैठियों का बायोमैट्रिक डेटा इकट्ठा किया जा सकेगा, जिसे फॉर्नर्स रजिस्ट्रेशन ऑफिस (एफआरओ) में भेजा जाएगा। यह बार-बार अपराध करने वालों का डेटाबेस बनाने में मदद करेगा। बॉडी कैमरे और बायोमेट्रिक डिवाइस के माध्यम से सरकार बीएसएफ को तकनीकी रूप से मजबूत कर रही है, ताकि वे न केवल सीमा पर गश्त करें, बल्कि मुठभेड़ों और अन्य घटनाओं से संबंधित पुख्ता सबूत भी जुटा सकें। यह बांग्लादेश के उन आरोपों को कुंद करने में मदद करेगा कि भारतीय सुरक्षा बल मानवाधिकारों का उल्लंघन कर रहे हैं।

बांग्लादेश लगातार यह आरोप लगाता रहा है कि भारतीय सुरक्षा बल मानवाधिकारों का उल्लंघन कर रहे हैं। लेकिन, नए उपकरणों के माध्यम से भारत इस कहानी को बदलने की कोशिश कर रहा है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने सीमा पर सख्ती बढ़ाने के निर्देश दिए हैं और सभी राज्यों से भी अवैध बांग्लादेशियों की पहचान करने और उन्हें वापस उनके मुल्क भेजने का इंतजाम करने को कहा गया है। आंकड़ों के अनुसार, इस साल 15 जुलाई तक बीएसएफ ने 1,372 बांग्लादेशी घुसपैठियों को पकड़ा है, और विभिन्न राज्य पुलिसों ने उसे 3,536 अवैध घुसपैठियों को पकड़ कर सौंपा है। पिछले साल, 2,425 बांग्लादेशियों को घुसपैठ करते वक्त पकड़ा गया था और 1,049 को विभिन्न जगहों से पकड़ कर वापस भेजा गया था।

विधेयकों पर राष्ट्रपति और राज्यपालों की मंजूरी की समय-सीमा....अब केरल सरकार पहुंची सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। केरल सरकार ने विधेयकों पर राष्ट्रपति और राज्यपालों की मंजूरी की समय-सीमा तय करने के मामले में सुप्रीम कोर्ट पहुंची है। केरल सरकार ने राष्ट्रपति के एक संदर्भ को अस्वीकार्य और तथ्यों को दबाने वाला बताकर बिना जवाब के लौटाने की मांग की है। इस मामले की सुनवाई पांच जजों की विशेष बेंच द्वारा की जाएगी। केरल सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में एक आवेदन दायर कर राष्ट्रपति द्वारा भेजे गए संदर्भ को खारिज करने का निर्देश देने की मांग की है। केरल सरकार का कहना है कि संदर्भ में गंभीर खामियां हैं और इसे अनुत्तरित वापस कर दिया जाना चाहिए। केरल सरकार ने विशेष रूप से उल्लेख किया है कि राष्ट्रपति के संदर्भ में एक महत्वपूर्ण पहलू को दबाया गया है। संदर्भ में उठाए गए 14 प्रश्नों में से पहले 11 प्रश्न सीधे तौर पर तमिलनाडु राज्य बनाम तमिलनाडु के राज्यपाल मामले में सुप्रीम कोर्ट के 8 अप्रैल, 2025 को दिए गए फैसले के दायरे में आते हैं। यह फैसला राष्ट्रपति द्वारा संदर्भ दिए जाने से ठीक एक महीने पहले आया था।

तेज रफ्तार जायलो कार ने मोटरसाइकिल सवार सहित माल वाहक आटो को मारी ठोस

गम्भीर रूप से घायल व्यक्ति की उपचार के दौरान मौत

उधर इसी घटना में माल वाहक ऑटो के टकराने से तीन मोटरसाइकिल हुई क्षतिग्रस्त, लोगों के आक्रोश को देख जायलो कार चालक हुआ फरार, कोतवाली पुलिस कर रही मामले की जांच

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। सोमवार की दोपहर नगर के काली पुतली चौक में उस वक्त हड़कंप मच गया, जब एक तेज रफ्तार जायलो कार चालक ने काली पुतली चौक समीप एक मोटरसाइकिल सवार व्यक्ति और एक माल वाहक ऑटो को ठोस मार दी।जहा इस ठोस से मोटरसाइकिल में सवार व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया जिसकी देर शाम उपचार के दौरान मौत हो गई।तो वही यह ठोस इतनी जबरदस्त थी की जायलो कार की ठोस से माल वाहक ऑटो आगे बढ़ गया।जो पास रखी 2, मोटरसाइकिल से टकरा गया।सोमवार की दोपहर करीब 2 बजे हुए इस सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत सहित कुल 03 मोटरसाइकिल क्षतिग्रस्त हो गई। उधर घटना के बाद बढ़ती भीड़ को देखते हुए जायलो कार चालक मौका देखकर फरार हो गया।तो वहीं काली पुतली चौक में इस हादसे के बाद कुछ देर के लिए भारी भीड़ एकत्र हो गई और वहां हड़कंप मच गया।

गंभीर रूप से घायल व्यक्ति ने उपचार के दौरान तोड़ा दम

सोमवार की दोपहर हुए इस सड़क हादसे में जायलो कार की ठोस से मोटरसाइकिल सवार व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था, लेकिन देर शाम तक चले उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया जिससे उसकी मौत हो गई।मृतक का नाम थाना वारासिवनी ग्राम भांडी निवासी 34 वर्षीय चमन पिता तीजूलाल बगरते बताया गया है।जिसके शव का मंगलवार की सुबह पोस्टमार्टम कराकर,अंतिम संस्कार के लिए शव उनके परिजनों के सुपुर्द किया जाएगा।

पत्नी को लेने बैंक जा रहा था चमन

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम भांडी निवासी चमन बगरते अपनी पत्नी को लेकर बालाघाट के एसबीआई बैंक आया था। जो बैंक में पत्नी को छोड़कर किसी काम से काली पुतली चौक की तरफ आया था। जहां काम होने के बाद वह अपनी मोटरसाइकिल से पत्नी को लेने के लिए एसबीआई बैंक जा रहा था। तभी यह घटना घटित हुई। जिसमें न्यायालय की तरफ से तेज रफ्तार से काली पुतली चौक की तरफ आ रही एक जायलो कार चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए उसे ठोस मार दी।जिससे चमन गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे स्थानीय लोगों की मदद से उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया।जहां देर शाम उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

आज कराया जाएगा पीएम

उधर इस सड़क दुर्घटना में गम्भीर रूप से घायल चमन की देर शाम, उपचार के दौरान मौत हो जाने के बाद मामले की सूचना अस्पताल चौकी पुलिस को दी गई। जिन्होंने आवश्यक कार्यवाही कर शव को अपने कब्जे में लिया।वहीं समय अधिक हो जाने के चलते शव का पोस्टमार्टम नहीं हो सका। जिसके शव को चौकी पुलिस ने अस्पताल मर्चुरी में सुरक्षित रखा दिया है।वही मंगलवार की सुबहा अन्य आवश्यक कार्यवाही पूरी करने के पश्चात शव का पोस्टमार्टम कराकर अंतिम संस्कार के लिए शव उनके परिजनों की सुपुर्द किए जाने की बात कही गई है।

तेज रफ्तार का दिखा कहर

घटना के संदर्भ में मिली जानकारी के अनुसार जायलो कार क्रमांक एमपी 66 सी 0624 का चालक जय स्तंभ चौक न्यायलय की तरफ से कार चलता हुआ काली पुतली चौक की तरफ आ रहा था। बताया जा रहा है की जायलो चालक अत्यधिक तेज रफ्तार से वाहन चल रहा था।जिसने काली पुतली चौक के पास मंगोड़े वाले के सामने तेज रफ्तार से लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए ग्राम भांडी निवासी चमन बगरते की मोटरसाइकिल और पास ही पानी के डब्बे लेकर खड़े एक माल वाहक ऑटो को जबरदस्त ठोस मार दी। जिसकी ठोस से मोटरसाइकिल सवार चमन बगरते गम्भीर रूप से घायल हो गया।जिसकी बाद में उपचार के दौरान मौत हो गई। तो वही जायलो कार की ठोस से माल वाहक ऑटो आगे बढ़ने पर वहा पास खड़ी अन्य 02 मोटरसाइकिल से टकरा गया। जिससे मोटरसाइकिल गिर गई जहां एक मोटरसाइकिल नाली में गिरने से अत्यधिक मात्रा में क्षतिग्रस्त हुई है। तो वहीं अन्य एक मोटरसाइकिल मामूली रूप से क्षतिग्रस्त हो गई।

मौका देखकर कार चालक हुआ फरार

उधर हादसे के तुरंत बाद लोगों की बढ़ती भीड़ और आक्रोश को देखते हुए जायलो कार चालक मौका देखकर फरार हो गया।जिसकी तलाश पुलिस द्वारा शुरू कर दी गई है। बताया गया कि इस हादसे में माल वाहक ऑटो क्रमांक एमपी 50 झेड डी 6027, एचएफ डीलक्स मोटरसाइकिल क्रमाक एमपी 50 एमओ 8785, मोटरसाइकिल क्रमांक एमपी 22 जेडएफ 6559 और होंडा स्प्लेंडर एसपी 0125 वाहन क्षतिग्रस्त हो गया है।तो वही इस हादसे में जायलो कार क्रमांक एमपी66-सी 0624 के सामने का बंपर भी क्षतिग्रस्त हो चुका है।

हादसे के बाद लगा जाम, यातायात हुआ प्रभावित

उधर इस हादसे को देखने जमा हुई भारी भीड़ के चलते, कुछ देर के लिए यातायात पूरी तरह प्रभावित हो गया। जहां लोगों की भीड़ के चलते दूर-दूर तक जाम लग गया और दूर-दूर तक वाहनों की लंबी कतार नजर आई। उधर स्थानीयजनों से मिली शिकायत पर मौके पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने मामले का संज्ञान लेते हुए आवश्यक कार्यवाही की।वही कोतवाली पुलिस द्वारा मौके से फरार हुए जायलो कार चालक की तलाश शुरू कर दी गई है।

स्टेरिंग फेल होना बताई जा रही हादसे की वजह

हालांकि यह जायलो कार किसकी है। इसे कौन चला रहा था और कैसे यह हादसा हो गया।फिलहाल यहा स्पष्ट नहीं हो पाया है। लेकिन जायलो कार का स्टेरिंग फेल होना होने की बात स्थानीय जनों द्वारा बताई गई है।बहरहाल पुलिस द्वारा इस पूरे मामले की जांच शुरू कर दी गई है

मामले की जांच में जुटी पुलिस

बताया जा रहा है कि इस हादसे में घायल हुए मोटरसाइकिल सवार व्यक्ति को स्थानीय लोगों की मदद से उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। तो वहीं स्थानीय लोगों से मिली सूचना के आधार पर कोतवाली पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मौका स्थल का निरीक्षण किया। वहीं आवश्यक कार्यवाही शुरू कर दी है। इसके अलावा कोतवाली पुलिस द्वारा फरार हुए अज्ञात जायलो कार चालक की तलाश की जा रही है।

एमएससी में चयन नहीं होने से व्यथित एक छात्रा ने कीटनाशक दवाई किया सेवन

जिला अस्पताल बालाघाट में उपचार के दौरान मौत

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। एमएससी में चयन नहीं होने से व्यथित एक छात्रा ने कीटनाशक दवाई का सेवन कर ली। जिसकी जिला अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। मृतिका छात्रा आरती पिता दुर्गा प्रसाद बघेले 24 वर्ष ग्राम गुनई थाना खैरलांजी निवासी है। जिला अस्पताल पुलिस ने इस छात्रा का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिए है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम गुनई निवासी दुर्गा प्रसाद बघेले खेती किसानी करते हैं। जिनके परिवार में पत्नि गीता बघेले ,तीन लड़की और एक लड़का है दो लड़कियों की शादी हो चुकी है जिनमें एक लड़की अतिथि शिक्षक है तो दूसरी लड़की सचिव के पद पर है। दुर्गा प्रसाद का इकलौता बेटा भी पढ़ाई के साथ साथ कंपटीशन एग्जाम की तैयारी कर रहा है। दुर्गा प्रसाद बघेले की तीसरी बेटी आरती बघेले बीएससी कर चुकी थी और उसने एमएससी का फॉर्म भरी हुई थी। किंतु आरती बघेले का एमएससी में चयन नहीं हो पाया था।जिसके कारण वह मानसिक रूप परेशान रहती थी। 27 जुलाई को दुर्गा प्रसाद बघेले अपनी पत्नी के साथ कृषि कार्य करने के लिए खेत चले गए थे। उनका बेटा भी किसी काम से बाहर चला गया था। आरतीबघेले अपने दादा मुन्नालाल बघेले के साथ में घर में थी ।शाम 7:00 बजे जब दुर्गा प्रसाद बघेले खेत से घर आए तो उस समय उनकी छोटी बेटी आरती बघेले घर में उल्टी कर रही थी। दुर्गा प्रसाद बघेले के पूछने पर आरती बघेले ने बताया कि उसने चारा मारने दवाई पीने के सम्बंध में बताई । उसने अपने पिता को यह भी बताई की एमएससी में नाम नहीं आने से उसने मानसिक तनाव में आकर कीटनाशक दवाई का सेवन कर ली है। आरती बघेले के यह बताने के साथ ही दुर्गा प्रसाद ने अपने परिजनों के साथ मिलकर बेटी आरती बघेले को प्राइवेट वाहन से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किये। जिला अस्पताल में उपचार के दौरान 28 जुलाई को आरती की मौत हो गई। जिला अस्पताल पुलिस ने मृतिका छात्रा आरती बघेले का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिए हैं और धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर मर्ग डायरी अग्रिम कार्रवाई हेतु घटना स्थल से संबंधित पुलिस थाना खैरलांजी भिजवा दी है।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

डेढ़ लाख की नशीली दवा अल्प्राजोलम टैबलेट के साथ मोटरसाइकिल सवार युवक गिरफ्तार

कोतवाली पुलिस ने कुटुम्ब न्यायालय के आगे पोल फैक्ट्री के पास जंगल में दी दबिश, नशीली दवाई के कारोबार का मलाजखंड से जुड़े तार

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। कोतवाली पुलिस ने नशे से दूरी है जरूरी अभियान के तहत बीती रात डेंजर रोड कुटुंब न्यायालय के आगे पोल फैक्ट्री के पास जंगल में दबिश देकर नशीली दवा अल्प्राजोलम की टेबलेट के साथ एक मोटरसाइकिल सवार युवक को गिरफ्तार किया। जिसके पास से करीब डेढ़ लाख रुपए कीमत की अल्प्राजोलम टैबलेट जप्त की गई है। गिरफ्तार युवक रोहित उर्फ राहुल पिता भूपेंद्र खैरगढे (डहरवाल) 23 वर्ष ग्राम जराहमोहगाव थाना कटंगी निवासी है जिससे पूछताछ की जा रही है। नशीली दवाई के इस अवैध कारोबार के तार मलाजखंड थाना क्षेत्र से जुड़े हुए हैं। जिसकी जांच पड़ताल कोतवाली पुलिस द्वारा की जा रही है। कोतवाली पुलिस के मुताबिक रोहित उर्फ राहुल डहरवाल बालाघाट नगर के भटेरा चौकी में किराए से रहता था और वह अवैध रूप से नशीली दवाई बेचने का धंधा करता था। 27 एवं 28 जुलाई की दरमियानी रात कोतवाली पुलिस को सूचना मिली कि रोहित उर्फ राहुल डहरवाल अपनी काले रंग की पैशन प्रो मोटरसाइकिल में अपने पास एक खाकी रंग के डिब्बा मैं बड़ी मात्रा में नशीली दवा अल्प्राजोलम की टेबलेट रखा हुआ है और वह नशीली दवा को बेचने और ठिकाने लगाने की फिराक में कुटुंब न्यायालय के आगे डेंजर रोड पोल फैक्ट्री के पास रोड किनारे जंगल में खड़ा है। इस सूचना पर थाना प्रभारी विजय राजपूत के मार्गदर्शन में कोतवाली की टीम ने पोल फैक्ट्री के पास जंगल में घेराबंदी कर दबिश दिये। इस दौरान पुलिस की भनक लगते ही रोहित उर्फ राहुल डहरवाल ने भागने का प्रयास किया गया किंतु पुलिस टीम ने रोहित उर्फ राहुल डहरवाल को दबोच लिये। पुलिस टीम ने रोहित उर्फ राहुल डहरवाल के कब्जे से खाकी कार्टून को चेक किये। खाकी के कार्टून में 103 बॉक्स मिले। प्रत्येक बॉक्स में कुल 8 पत्ते, प्रत्येक पत्ते में अल्प्राजोलम की 15-15 टेबलेट पाई गई। इस प्रकार 103 बॉक्स में 824 पत्तों में 61800 टैबलेट पाई गई। सभी टैबलेट 5 एम जी की थी। 61800 टैबलेट की कीमत करीब डेढ़ लाख रुपए बताई गई है। इसके अलावा कोतवाली की टीम ने रोहित उर्फ राहुल डहरवाल के पास से नगद 140 रुपए एक नथिंग कंपनी का मोबाइल फोन के अलावा इस धंधे में प्रयुक्त पैशन प्रो मोटरसाइकिल जप्त की गई। इस मामले में रोहित उर्फ राहुल डहरवाल के विरुद्ध धारा 8/20 बी एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध दर्ज कर उसे इस अपराध में गिरफ्तार किया गया है। जिसे पूछताछ की जा रही है

इस नशीली दवा का मलाजखंड से जुड़े तार

अल्प्राजोलम टैबलेट के स्रोत एवं क्रि विक्रय के संबंध में आरोपी रोहित उर्फ राहुल डहरवाल से पूछताछ करने पर उसने गोविंद जामरे उर्फ पलटू निवासी निक्कूम मलाजखंड से अल्प्राजोलम टेबलेट खरीदना बताया। रोहित उर्फ राहुल के बताने के तुरंत बाद ही कोतवाली पुलिस की एक टीम मलाजखंड के थाना निक्कूम भेजी गई और इस पुलिस टीम द्वारा गोविंद जामरे उर्फ पलटू को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की जा रही है।जिससे इस नशीली दवाई के अवैध कारोबार पर बड़े खुलासे होने की संभावना व्यक्त की जा रही है।

इनकी रही सराहनीय भूमिका

नशीली दवा के विक्रेता को पकड़ने में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के निर्देशन में थाना प्रभारी निरीक्षक विजय राजपूत, उप निरीक्षक नवीन कुमार पांडेय, उप निरीक्षक प्रदीप सिंह बघेल, उप निरीक्षक दीप सिंह परमार,, सहायक उप निरीक्षक रमेश तिवारी, प्रधान आरक्षक राहुल गौतम, प्रधान आरक्षक गजेंद्र माटे, आरक्षक शेख शहजाद,आरक्षक संदीप जाट, आरक्षक अवधेश बघेल, आरक्षक मनोज बघेल, आरक्षक पदम सिंह उइके की सराहनीय भूमिका रही।

AICTE भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एवं RGPV & DTE भोपाल से सम्बध्द
सतपुड़ा इंजीनियरिंग & पॉलिटेक्निक कॉलेज
प्रवेश प्रारंभ
B.Tech. & Polytechnic
COMPUTER SCIENCE ENGINEERING
MINING ENGINEERING
CIVIL ENGINEERING
MECHANICAL ENGINEERING
ELECTRICAL ENGINEERING
Lateral Entry Admission NEP 2020 के तहत किसी भी ब्रांच से डिप्लोमा/B.Sc. (Maths) उत्तीर्ण छात्रों का B.Tech. एवं ITI उत्तीर्ण छात्रों का पॉलिटेक्निक के
द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश
सतपुड़ा कैम्पस, लालबर्रा रोड, गर्रा, बालाघाट
6262604111, 9425836824

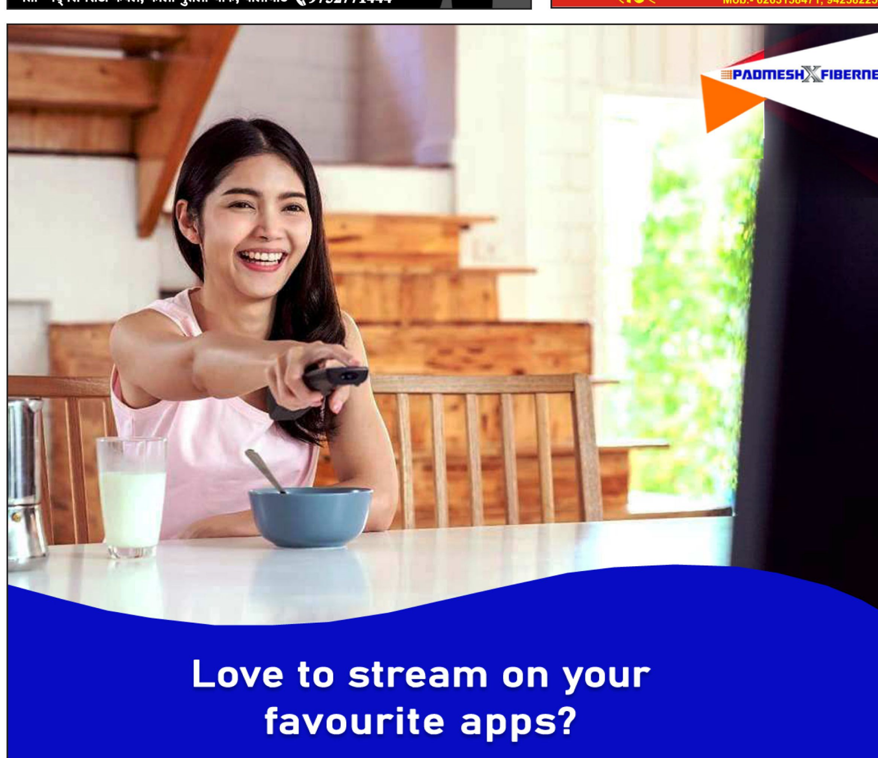

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर काली पुतली चौक, बालाघाट से प्रकाशित, संपादक- उमेश बागरेचा, मो.नं. - ९४२५१३८७१० रजि. नं. एम.पी. एच. आई. एन. /२००९/३२३११, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट